

# HARIDWAR - DAY 1:

Translations by: Aquilur Rahman

Time	Hindi	English
(00.00.01)	<p>जहां हम गांधी जी के तीन बंदर बन कर रह गए हैं.. हमें गांधी जी के तीन बंदर नहीं बनना है.. पूज्य स्वामी .... महाराज की इस बात को कई बार आप लोगो ने सुना होगा... वो कहते रहते हैं की आज की तारीख में हमने तो कोई ऐसा बंदर नहीं देखा।</p> <p>आपलोगो ने शायद नहीं देखा होगा.. आंखें बंद करें बैठा एक बंदर.. दूसरा कानो को बंद किया है.. तीसरा मुह को बंद किया है.. हमें गांधी जी का बंदर नहीं बनना था.. हमें बंदर बनना था राम का..</p> <p>जो सिरफ एक बजरंग बली है.. जो महादेव के रुद्र अंश के अवतार है.. जो बलियों में महाबली.. और सिरफ भगवान राम की जहां आज हो गई.. वहां अपनी जीवन की अवती लगा देने वाले.. तो बहुत हुआ अब जगने की जरूरत है.. और जोग कर के उन सबको दिखलाने की जरूरत है जिन लोगो को लगता है जिन्का ये सपना है की हम 2029 में इस्लामिक राष्ट्र बना देंगे। हिंदुत्व धारा का धर्म है.. भगवा नहीं झुकेगा.. भगवा से मतलब जो आपके अंदर, मेरे अंदर, जो अंदर ज्वाला है.. उस ज्वाला का स्वरूप कैसा है.. भगवा स्वरूप ही है .. लाल कपड़े पहनने से मातृ भगवा नहीं है .. आपके अंदर जो अग्नि है प्रशुक्त अवस्था में जो सो गई है .. उसे आज जगने की जरूरत है .. शुभ शाम सूरज भी यह भगवा उध कर आग है..</p>	<p>We have become Gandhiji's three monkeys.. We do not want to become Gandhiji's three monkeys. You people must have heard this thing from Maharaj many times... They keep saying that we have not seen any such monkeys in today's time.</p> <p>You might not have seen.. A monkey sitting with eyes closed.. The other has closed his ears.. The third has closed his mouth.. We did not want to become Gandhiji's monkey.. We had to become the monkey of Ram..</p> <p>The one who is only Bajrang Bali.. who is the incarnation of the angry version of Mahadev.. The one who is most powerful among the powerful .. And where Lord Rama's orders were given.. put his life there. So enough has happened, you need to wake up now. We need to wake up and show it to all those people who think that it is a dream that they will make this nation a Islamic nation in 2029. Hindutva is the religion of the earth.. Saffron will not bow down.. Saffron which is inside you, inside me, which is the flame of our insides.. What is the nature of that flame.. Saffron is the form itself.. Just wearing red clothes does not represent saffron . . the fire that is inside you, which has fallen asleep .. needs to be awakened today .. Both in dusk and down, the sun is on fire when it wears saffron.</p>
(00.02.00)	<p>देखिए आज जो.. संपूर्ण देश में.. सिरफ देश में नहीं कितो विदेश में भी .. जो सनातन के प्रति प्रेम और जो हिंदुत्व के प्रति जो महौल बनाया हुआ है उसमें हम सब को आगे आकर के.. ये dubara महौल बनने वाला नहीं है.. आज के इस विषय के ऊपर चर्चा करने के लिए ये जो धर्म संसद</p>	<p>(00.02.00) See, today.. Not only in the country but also abroad.. The love for Sanatan and the atmosphere that has been created for Hindutva should bring us all together to the fore.. Because this atmosphere is not going to happen again. To discuss this topic, this Dharam</p>

	<p>हुआ है, ये विषय को दुबारा समझ लिया जाये और जितने भी महापुरुष इस्मे आने वाले है सब ही से एक ही अवेदन करुंगा मैं की यही एक विषय है।</p> <p>हम यहां किसी ज्ञान की चर्चा करने के लिए इकट्ठा नहीं हुआ है.. किसी को धर्म उपदेश देने के लिए एकत्रित नहीं हुए हैं.. हम सिर्फ और सिर्फ अपने राष्ट्र को बचाने के लिए.. अपने बहनो बेटियों को बचाने के लिए.. अपने आप को सुरक्षित और सर्वेक्षित करने...</p> <p>क्या रननीति तय्यर की जाए तकी जिन लोगो के मस्तिक में ये भरा हुआ है की हम आने वाले समय में इसे मुस्लिम राष्ट्र बना देंगे.. इस्लामिक भारत बना देंगे..उनकी रननीति को कैसे ध्वस्त किया जाए.. उनसे ज्यादा ससक रननीति कैसे बनायी जाये..</p> <p>तीन दिनों के इस धर्म संसद में इसी विषय पर चर्चा होगी और सबको ये समझ है की हमें करना क्या है.. क्युकी निर्देश मिलने बहुत जरूरी है .. मार्ग दर्शन हमारा बहुत जरूरी है .. आग है।</p> <p>आग होनी चाहिए.. प्रतीक व्यक्ति में आग है। प्रान्तू आग का सुनिश्चित स्थान यदी होगा तो एक आग भोजन को पका देती है और एक आग पूरे संसार को जला भी देती है। तो जब तक आग का प्रयोग कहां करना है और कैसे करना है, यही एक चिंतन का विषय है और समस्या जो आपको बताया "इस्लामिक भारत में सनातन का भविष्य"।</p> <p>यदी इन जिहादियों ने जिस तारीके से आगे के सरयंत्र/रनितियां तय्यर कर रहे हैं yadi वो सफल हो गए तो हमलोग बहुत अच्छे से जाने हैं की हमें कहीं दुनिया में ठिकाना मिलने वाला नहीं है..</p>	<p>Sansad (Religious Parliament) which has been held, this subject has been made understood again and again and I will make only one request to all the great men who are going to come here, that this is the only topic.</p> <p>We have not gathered here to discuss any knowledge.. not to preach religion to anyone.. We are here only and only to save our nation.. to save our sisters and daughters.. To make us safe and conserved...</p> <p>what strategy should be prepared so that people whose mind is full with the thought of 'making it a muslim nation in the coming time and call it Islamic India;.. how to destroy their strategy .. how to make a more powerful strategy than them..</p> <p>This topic will be discussed in this Dharma Sansad for three days and everyone must understand what we have to do.. Because it is very important to get instructions.. Guidance is very important for us.</p> <p>There is fire. There should be fire.. fire inside every person. If there is a proper place of fire, then one fire cooks the food and another fire burns the whole world. So where and how to use fire, this is a matter of contemplation and the problem which I told you about "Future of Sanatan in Islamic India".</p> <p>The nature with which these 'jihadis' (muslims) are preparing the conspiracy and strategy against you, if they are successful in that then we know very well that we are not going to get a place in this world..</p>
(00.04.00)	तो ये एक बहुत बड़ी समस्या है.. इस समस्या पर हाय केंद्र विचार चिंतन होगा..	So this is a huge problem.. We will be thinking about this problem... Regarding the topic, the saintly great men and

और इसी विषय को लेकर के निरंतर जो साधु महापुरुष और सिर्फ हरिद्वार से नहीं गरीब भारत से आने वाले साधु महापुरुष.. में सब का हृदय से अभिनंदन करता हूं और इस आज के कार्यक्रम में बहुत से बड़े संगठन का भी अगमन हुआ है..

उन सभी संगठनों का हृदय की गहराई से स्वागत है क्योंकि धर्म संसद का मतलब है हिंदू धर्म सनातन धर्म.. जो आदि काल से है और हमें सदाव्य के लिए रहने वाला है..

हिंदू एकता संघ जिस संघ के सारे कार्यकर्ता याहा मौजूद रहेंगे उनका हृदय की गहराई से अभिनंदन.. हिंदू युवा वाहिनी जो हिंदुत्व की जागृति के लिए दो दिन पहले स्वामी देहरादून में गए थे और वहा पर बड़े प्रचार प्रसार के द्वारा सभी को जगने का कार्यक्रम किया था.. आज इसमें जितने भी राष्ट्र में जितने भी हम संगठन चला रहे हैं, चाहे बजरंग दल हो जितने भी हिंदुत्व के संगठन चला रहे हैं,

क्योंकि संगे शक्ति कलाल हो.. एक लकड़ी अच्छे से जनता है की तकत उसे कुछ भी नहीं होती.. जब लकड़िया संग रही एककठे हो जाती ह तो उनको तोडना मुश्किल हो जाता है.. हम सब के अंदर ज्वाला है .. हम सब देश और राष्ट्र के लिए कार्य करना चाहते हैं .. प्रंतु हम अकेले पद जाते हैं .. और आज सबसे बड़ा विधान का विषय ये है की आज जितने हिंदु यहां पर बैठे हैं जितने मेरे भाई बंधु बैठे हैं सब किसी न किसी पिरा से ट्रेशित है व्याथित है परशान है इसिलिए आज यहां बैठा हुआ है..

saints who come from across India not only from Haridwar.. I congratulate everyone from the bottom of my heart and many big organizations have also reached today's program..

I welcome from the bottom of my heart all those organizations. Because Dharma Sansad means Hinduism, Sanatan Dharma.. which is from the time immemorial and is going to live with us forever.

Heartfelt congratulations to Hindu Ekta Sangh whose workers will be present here. Hindu Yuva Vahini which had done a program to awaken everyone when Swami Ji had gone to Dehradun two days ago for the awakening of Hindutva and by working on ground and propagating the message there. Be it Bajrang Dal, whatever Hindutva organizations are working today is strong together..

It is well known that one stick alone has no strength but If sticks become united with other sticks, then it becomes difficult to break them.. We all have a flame inside.. We all want to work for the country and the nation.. but alone we become weak.. and today the biggest subject of the legislation is that all the Hindus who are sitting here today, all brothers and sisters sitting here, all are victims of one or the other problem, that's why we are sitting here today.

	<p>मैं सबका आ भर करना चाहता हूँ और ये भी कहना चाहता हूँ की आज हम पिदा से पीठित होकर के यह बैठे हैं। जिस जिस के ऊपर आप बिटी है जो जो कहीं न कहीं इन जिहादियों से परशान है वो यहां आकर के बैठे हैं.. मैं उनका भी भर करना चाहता हूँ जो कल का भविष्य देखे..</p>	<p>I want to thank everyone and also say that we are sitting here because we all are victims. Those who are troubled by these jihadis (muslims) somewhere, they are sitting here.. I also want to summon those who will see tomorrow's future..</p>
(00.06.00)	<p>आज हमारे भाई परशान है कल हमारी संतान परशान होगी। कल हमारा भविष्य बहुत अंधकार में है। आज हम अपने जीवन को निकल लेंगे जैसे भी कट जाएगा परंतु कल का भविष्य बहुत अंधकार में है तो उस में भविष्य को देखने की आज की जरूरत है.. न हम बचेंगे न हमारी बहनें बेटीयां बचेगी.. न हमारी आने वाली पीढ़ी बचेगी..</p> <p>और इतने वर्ष गुलामी सेहन करने के बवजूद भी आज भी हम जागृत नहीं हुए तो दुबारा कभी जीवन में जागृत नहीं हो सकते.. सब ही जितने भी हिंदू वादी संगठन है, सनातन वादी संगठन है उन संगठनो के नाम आप भी जान लीजिये.. ये एक देव सेना है जो उत्तराखंड में और पूरे विश्व में, पूरे भारत में अच्छे स्तर से कर रहे हैं.. विश्व सनातन महासंघ आपका भी स्वागत और अभिनंदन है.. सुदर्शन वाहिनी है इनका भी एक बार हार्दिक अभिनंदन है.. सनातन हिंदू धर्म ग्रुप ये भी हमारे मध्य में सब लोग पढारे हुए हैं.. और हिंदू सेना है, हिंदू सेना है .. हिंदू पुस्तकालय सेना .. ये जितने भी संगठन यहां आ रहे हैं, प्रधान रहे हैं .. मैं उन सब से एक रूप से अवेदान करना चाहता हूँ की इस संगठन को आप बना कर के बैठे हैं मान सी बात है हर एक संगठन में एक बड़ी सांख्य में हिंदुत्व आपसे जुड़े हुए हैं। सारे हिंदुओं को आज एकत्रित करने की जरूरत है और देखो यहां निमंत्रित करना होता है बुलाना होता है बड़ी ही विदबना का विषय है किसी को बुलाने की जरूरत..</p> <p>एक फतवा जारी होने के बाद कितना भी महत्वपूर्ण कार्य क्यों ना हो सारे महत्वपूर्ण कार्य धरै रह जाते हैं और ऐसे कई बार</p>	<p>Today our brother is troubled, tomorrow our children will be in trouble. Our future is very dark. Today we will spend our lives anyway but tomorrow's future is very dark, so there is a need to see the future in that darkness today.. Neither we will be saved nor our sisters and daughters will survive, neither our coming generations will.</p> <p>And even after suffering slavery for so many years, if we are not awakened even today then we can never be awakened again in our life. Know the name of all Hinduwadi, Sanatanvaadi organizations.. Devsena which is working not only in Utrakhand and India, but the whole world. Vishwa Sanatan Mahasangh, welcome and congratulations to you too.. Sudarshan Vahini, heartly congratulations to you too.. Sanatan Hindu Dharma Group, they are also present among us.. and there is Hindu Sena, there is Hindu army.. Hindu Librarian army.. All the organizations that are coming here, I would like to say that this Dharam Sansad is about you and it is well known about your large number of Hindu volunteers associated with you. It is a matter of great irony that you needed an invitation to be here.</p> <p>With a small fatwa (ruling) every Muslim gathers leaving behind their important works.. A small fatwa brings them all</p>

	<p>उदाहरण देखे गए हैं .. एक छोटे से फतवे के साथ में सभी इकट्ठा हो जाते हैं और हम निमंत्रण देते हैं ..</p> <p>निमंत्रण देने के बाद में भी लोग नहीं निकलते। निकलता को है जो परशान है इस स्थिति से.. मैं कहता हूं आने वाले भविष्य को देखो.. परशान सारे पुरा भारत परेशन होने वाला है..</p>	<p>together and we have to give invitations.</p> <p>In our case even after giving the invitation, people do not come. Only those who are troubled come out. I say look at the coming future.. The whole India is going to be troubled..</p>
(00.08.00)	<p>इसी बीच में पूज्य संत चरण हम लोगो के बीच पधार रहे हैं। आप सब एक बार सभी महापुरुषो का खड़े होकर के कीर्तन ध्वनि के साथ स्वागत करेंगे..</p> <p>बोलिए संत समाज की.. जय..हर हर..महादेव..हर हर..महादेव..हर हर..महादेव.. एक बार पूज्य सभी संत चरणो का करता हुआ के साथ में स्वागत और अभिनंदन करेंगे.. भारत माता की .. जय .. भारत माता की .. जय .. भारत माता की .. जय .. भारत के संतो की..जय..भारत के संतो की..जय..भारत के संतो की..जय.. गंगा मैया की..जय..गंगा मैया की..जय..गंगा मैया की..जय.. गौ माता की..जय..गौ माता की..जय..गौ माता की..जय.. सत्य सनातन धर्म की .. जय .. सत्य सनातन धर्म की .. जय .. सत्य सनातन धर्म की .. जय ..</p>	<p>In the meantime, revered Saint Charan is coming among us. All of you will stand and welcome all the great men at once with the sound of clapping..</p> <p>Hail Saint Community, Har har Mahadev, Once again .. greet all the saints with claps.. Bharat Mata ki .. Jai (Chants continue)</p>
(00.09.23 - 00.09.30)	<p>*प्रार्थना*</p> <p>आज परम सौभाग्य का विषय है.. पूरा राष्ट्र से.. पूरे देश से.. एक ऐसा महामंडलेश्वर यति स्वामी नरसिंहानंद गिरी जी महाराज के द्वारा एक आवाम के मध्यम से संपूर्ण भारत वर्ष से संत महापुरुष पधार रहे हैं.. ये मंच सब का हार्दिक अभिनंदन.. हार्दिक स्वागत करता है..</p>	<p>*Prayer*</p> <p>Today it is a matter of good fortune.. from the whole nation.. from the whole country.. One such Mahamandaleshwar Yati Swami Narasinghanand Giri Ji Maharaj has summoned great saints from all over India.. This platform is heartfelt to all. Greetings.. warmly welcome..</p>
(00.10.00)	<p>*प्रार्थना*</p>	<p>*Prayer*</p>
(00.10.15 - 00.10.32)	<p>सर्व प्रथम हम पूरे संत चरणो से निवेदन करेंगे की सभी लोग इस कार्यक्रम के</p>	<p>First of all, we will request all the revered saints to start the ritual of lamp lighting for the beginning of this program..</p>

	<p>शुभारम्भ के लिए दीप प्रतजोलन की इस संथाता को.. अपने आशीर्वाद से दीपप्रतजोलन कर के इस कार्यकर्म का शुभ रूप से स्वस्थ रूप से संचारीत हो.. और देश राष्ट्र में बड़ा ही अच्छा संदेश जाना चाहिए.. सभी संतो से निवेदन है की दीप प्रतजोलन करेंगे .. सभी महापुरुष ..</p> <p>*प्रार्थना* (प्रकाश समारोह)</p>	<p>Lighting the lamp with your blessings should give a good message to the world. All the saints are requested to light the lamp.. All the great men..</p> <p>*prayer* (lighting ceremony)</p>
<p>(00.11.00 - 00.15.20)</p>	<p>आज तीन दिव्या धर्म संसद के सर्व प्रथम हमारे पूज्य महामदेवेश्वर स्वामी श्री नरसिंहानंद सरस्वती महाराज एवम सभी पूज्य चरणों में यह प्रस्तुत *अश्रव्य (प्रार्थना)*</p> <p>दीप प्रजालित कृते हुए दीप ज्योति से प्रथना की गई है की हम सनातनियों के हिंदुओं के जो क्षत्रु है उन् क्षत्रुओ का विनाश हो..</p> <p>क्युकी जेबी क्षत्रु का विनाश होगा तबी जाकर के हम हिंदू सुरक्षित रह पाएंगे।</p> <p>*अश्रव्य*</p> <p>कहते हैं जब भी कोई कार्य प्रारम्भ हो तो सर्व प्रथम गणेश जी का इस्तमाल किया जाता है क्योंकि गणेश जी सब ही देवताओ को *अश्रव्य*</p> <p>और यहाँ पर तीन दिन धर्म संसद यहां पर नीरयाता पूर्वक ये धर्म संसद का योजना किया गया तकी सभी को सदबुद्धि मिले.. याहि प्रार्थना यहा पर की गई है। मैं संत चरणों में प्रणाम करता हूं और सब का यहां</p>	<p>Today, at the first of three Divya Dharma Sansad, our revered Mahamadeleshwar Swami Shri Narasinghanand Saraswati Maharaj and in all the revered feet of saints, it has been presented *inaudible (prayer)*</p> <p>We pray to the flame of the lamp, that the enemies of Hindus, of Sanatani, should be destroyed.</p> <p>Because when enemies will be destroyed only then we Hindus will be safe.</p> <p>*inaudible*</p> <p>It is said that whenever we start any work, first of all, Lord Ganesh is praised because 'Ganesha' gives to all the gods *inaudible*</p> <p>A Three day Dharma Sansad has been neatly planned here, so that everyone gets good sense.. This is the prayer that has been done here. I bow at the feet of all the saints and all the saints are present here.... (inaudible)</p> <p>Greetings to all..</p>

	<p>पर जितने भी संत मौजूद हैं .... (अश्रुच्य) सब का अभिनंदन..</p> <p>भारत माता की..जय.. सनातन धर्म की..जय..</p>	<p>Long live Mother India.. Sanatan Dharma Ki..Jai.</p>
(00.17.10)	<p>*प्रार्थना*</p> <p>संतों का समागम अत्यंत ही दुर्लभ है और हमारे बीच में इतने बड़े महान विभूतियां पधारी हुई हैं हम सब ही का हृदय की गहराई से स्वागत एवं अभिनंदन करेंगे। सर्व प्रथम मैं सभी संत महापुरुषों से निवेदन करूंगा की सभी के चरणों में निदान करूंगा की पूज्य यति महामहेश्वर युवा अखाड़े से स्वामी यति नरसिंहानंद गिरि जी महाराज के बीच में प्रणित कर के सभी संत नगरों से एक बार माला अर्पण करेंगे। सभी संतों से निदान है.. महामहेश्वर स्वामी यति नरसिंहानंद जी महाराज जूनागढ़...</p>	<p>*prayer*</p> <p>The meeting of saints is very inauspicious and so many great personalities have come in our midst, we will welcome and greet all of them from the bottom of our hearts. First of all, I will request all the saints at their feet that the revered Yati Mahamadeleshwar will offer a garland to you. There is to request all the saints.. Yati Narasimhanand Ji Maharaj Junagadh...</p>
(00.18.00)	<p>सभी संत नगरों से मेरा निवेदन है की एक बार स्वामी जी का स्वागत कर के उसके बाद इसी स्वागत संग्रह में हमलोग आगे सभी संत महापुरुषों का स्वागत करेंगे। एक बार सब लोग बैठे जाएं.. जितने भी लोग खड़े हुए हैं सब ही लोग यथा स्थान पर बैठे जाएं। सभी लोग एक बार बैठे जाएं। संत महापुरुषों का स्वागत हो रहा है। आप लोग बैठे जाएंगे सब लोग..</p> <p>*प्रार्थना*</p>	<p>It is my request to all the saints that once we welcome Swamiji, after that we will welcome all the saints and greet them. Once everyone should sit down. Everyone should sit down. Everyone is requested to take their seats. The saints are being welcomed. Please sit, everyone..</p> <p>*Prayer*</p>
(00.19.00)	<p>जितने भी संत महापुरुष मंचसिर नहीं हैं, मैं सब से निदान करूंगा की सभी मंच पर आने का कशत कर...</p> <p>जितने भी महापुरुष उपलब्ध हैं.. स्वामी महामहेश्वर माँ अन्नपूर्णा भारती जी, महामहेश्वर स्वामी हरवल्लभदास सरस्वती जी महाराज, स्वामी नारायण आश्रम के प्रम अध्यक्ष हैं, सबके सम्मान के लिए स्वामी जी से निदान है की सब का सम्मान क्रम अनुसार करे.. जितने भी संत महापुरुष पधारे हुए हैं सभी लोग मंचसिर हो जाएं। और सारे ही संत बड़े पूजनिये हैं, अदरनिये हैं, सभी महापुरुषों का हृदय की गहराइयों से अभिनंदन..</p>	<p>All the saints who are not seated on the stage, I will request them to make an effort to come on the stage.</p> <p>All the great saints that are present here like Mahamadeleshwar Maa Annapoorna Bharti, Mahamadeleshwar Swami Harlabhdas Saraswati Ji Maharaj who is the first president of the Swami Narayan Ashram, for everyone's respect, Swamiji is request you to greet everyone in order. And all the saints are greatly worshipped, they are dear, greetings from the depths of the heart to all the great men..</p>

<p>(00.20.07)</p>	<p>परम पूंज्य स्वामी अमृतानंद जी महाराज हम सब के बीच में मंच में मौजूद हैं.. स्वामी प्रतानंद जी महाराज हम सब ही के बीच में मौजूद हैं। स्वामी ललितानंद जी महाराज हम सब ही के बीच में मंच में मौजूद हैं। महंत श्री लक्ष्मी जी महाराज फरीदाबाद से पढारे हुए हैं, उनका भी हृदय की गहराइयों से स्वागत सम्मान। इस मंच के द्वार.. प्रमपूज्य स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, राम निकेतन आश्रम, हरिद्वार से हैं, आपके चरणों में अभिनंदन अवम नम्मन।</p> <p>पूज्य डॉ स्वामी बलराम मुनि जी महाराज हमारे मध्य में पढारे हुए हैं। सबी का अभिनंदन.. सबी का स्वागत.. पूज्य स्वामी सूर्यदास जी महाराज हमारे बीच में विराजित है.. ये हरिद्वार की विभूतियां है.. और जो संत महापुरुष देश के कोने कोने से आया है उनका सबसे ज्यादा इस मंच पर स्वागत और अभिनंदन..</p> <p>स्वामी रामेश्वर जी महाराज उज्जैन से पढारे हुए हैं..उनका प्रथम ध्वनि से स्वागत। स्वामी रामानंद सरस्वती जी महाराज, गाजियाबाद से हैं.. स्वामी सरदानंद जी महाराज जो गुजरात से पढारे हुए हैं.. स्वामी जी के हृदय की गहराई से स्वागत अभिनंदन..</p> <p>स्वामी चित्रानंद सरस्वती जी महाराज झांसी गाजियाबाद से पढारे हुए हैं.. बाला संत गिरि जी स्वामी जी के हृदय की गहराई से स्वागत अभिनंदन, गाजियाबाद से पढारे हुए हैं।</p>	<p>Param Poonjya Swami Amritanand Ji Maharaj is present in the midst of all of us.. Swami Pratanand Ji Maharaj is present in the midst of all of us. Swami Lalitanand Ji Maharaj is present in the midst of all of us. Mahant Shri Laxmi ji Maharaj has arrived from Faridabad, he is also welcomed from the depths of his heart. From this stage, greatly worshipped Swami Gyananand ji Maharaj is from Ram Niketan Ashram, Haridwar, Greetings and salutations at your feet.</p> <p>Pujya Dr. Swami Balram Muni Ji Maharaj is studying in our midst. Greetings to everyone.. Welcome to everyone.. Pujya Swami Suryadas ji Maharaj is seated among us.. These are the personalities of Haridwar.. And the saints who have come from every corner of the country, they are most welcome and greeted on this platform.</p> <p>Swami Rameshwar Ji Maharaj has arrived from Ujjain..Welcoming him with loud notes. Swami Ramanand Saraswati ji Maharaj is from Ghaziabad.. Swami Sardanand ji Maharaj who arrived from Gujarat.. At Swami ji's feet, heartfelt welcome greetings..</p> <p>Swami Chitranand Saraswati Ji Maharaj has arrived from Jhansi, Ghaziabad.. Bala Sant Giri Ji, Greetings from the bottom of heart for Swami Ji, arriving from ghaziabad.</p>
-------------------	--	---



<p>आचार्य विजयप्रकाश जी बॉम्बे से पढारे हुए हैं। उनका स्वागत अभिनंदन। योगी कमल नारायण जो बरेली से पढारे हुए हैं..उनका भी माला अर्पण कर स्वागत किया जाए..</p> <p>स्वामी उमेशानंद जी महाराज जो देवबंद से पढारे हुए हैं.. कपिल बशिष्ठ जी जो रामगढ़ से पढते हुए हैं..</p> <p>महामंडलेश्वर मां मधुरागिरी जी जो इस मंच की शोभा बढ़ा रही है.. नारी शक्ति का नेत्रत्व कर रही है.. ऐसे मां के चारनो में प्रणाम करते हुए उनका हार्दिक अभिनंदन करते हुए, स्वागत किया जाए।</p> <p>स्वामी ज्ञाननाथ जी महाराज जो हिमाचल से पढारे हुए हैं.. आज बड़े ही सौभाग्य का विषय है (अश्रव्य) यति नरसिंहानंद महाराज (अश्रव्य) स्वामी सब ही सज्जनों के लिए बहुत सज्जन हैं और आप अपने जीवन के इतिहास को उठा कर देखे तो सनातन धर्म के संरक्षण और संवर्धन के लिए ही पूरे जीवन की आहुति ही जिन होने निछावर कर दी..</p> <p>आज बड़ा हर्ष और आनंद की आभूति उनको भी हो रही है की एक नरसिंहानंद जो पूरे देश में राष्ट्र में .. चिल्लाते रहे आज संतो में ही नहीं अभी तो पूरे भारत वर्ष में जो जागृति सनातन के प्रति जो हिंदुत्व के प्रति लोगो को हुई है. अत्यंत सरहनिया है।</p> <p>आज पूरे देश को जागना होगा और राष्ट्र को उठाना होगा.. मैं स्वामी जी से निवेदन करुंगा की स्वामी जी आप आगे आ जाए..</p>	<p>Acharya Vijayprakash ji has arrived from Bombay. Greetings to him. Yogi Kamal Narayan is from Bareilly.. He should also be welcomed by offering a garland..</p> <p>Swami Umeshanand ji Maharaj who is from Deoband.. Kapil Bashisht ji is from Ramgarh..</p> <p>Mahamandaleshwar Maa Madhura Giri Ji is here enhancing the beauty of the stage.. Women are leading the power. Heartily congratulations to such mothers and warm welcome.</p> <p>Swami Gyannath Ji Maharaj who is from Himachal.. Today is a matter of great fortune (inaudible) Yati Narasinghanand Maharaj (inaudible) Swami is gentleman among all gentlemen because if you look at the history of his life, he has sacrificed his whole life only for the protection and promotion of Sanatan Dharma.</p> <p>Even he is happy today looking at this awakening. He kept screaming alone in the whole of India. Now not only among saints but the whole of India is rising for Hinutva. It should be appreciated.</p> <p>Today the whole country will have to wake up and the nation will have to be raised.. I will request Swamiji that Swamiji should come forward.. I will request all the saints in this work</p>
--	--

<p>(00.24.23)</p>	<p>में इसी कर्म में सभी संतो से निवेदन करूंगा कि इतिहास साक्षी है की संतो ने ही हिंदुत्व को संजोया है.. अपनी आश्टियों का धागा बना, ज्ञान पिरोया है.. अपनी आश्टियों का धागा बना ज्ञान पिरोया है.. सनातन संस्कृति के रक्षण में.. सनातन संस्कृति के रक्षण में.. संतो ने सर्वस्य खोया है.. और</p> <p>(अश्रव्य)</p>	<p>In this order, I will request all the saints that history has witnessed that only saints have cherished Hindutva. By sacrificing themselves, they have beaded the knowledge.. By sacrificing themselves, they have beaded the knowledge..And in the protection of sanatan culture.. in the protection of sanatan culture.. saints have lost everything..</p> <p>(inaudible)</p>
<p>(00.26.00)</p>	<p>पूज्य स्वामी यति नरसिंहनद जी महाराज जब एक आवाज उठती थी। स्वामी जी ने कल कुछ बातें कहीं हैं..उन होने व्यक्तित्वगत पिदा बतायी कह रहे की स्वामी जी एक समय ऐसा भी था की जग में हिंदुत्व के लिए जब सनातन के लिए बोला करता था तो लोग में जितनी बात समझ ता था और स्वामी जी की इतनी बड़ी स्टडी इस्लाम पर है और स्वामी जी ने इंजीनियरिंग करने के बाद में फिर संतत्व को धरण किया.. उन्होन देखा और समझा और जाना कैसे हम कल नशत हो जाएंगे और संपूर्ण हो जाएगा..</p> <p>स्वामी जी जब जब मैं मैं लोगो को समझाने का प्रयास करता था की ये जिहादी</p> <p>(अश्रव्य)</p>	<p>Pujya Swami Yati Narasimhanad Ji Maharaj when a voice is raised.. Swami ji said some things yesterday.. He was saying that “Swamiji, there was a time when I used to speak for Sanatan, for Hindutva around the world, people used to understand what I used to speak” Swamiji has done such a big study is on Islam and Swamiji, after doing engineering, again embodied sainthood. He saw and understood and knew how we will be destroyed tomorrow and will extinct..</p> <p>“Swamiji, when I try to make people understand, they used to say that this jihadi (inaudible)</p>
<p>(00.27.30)</p>	<p>हो जाने के बाद भी आज जब जब कोई भारत के उठान की बात आती है तो खालिस्तान के नार लगते हैं..</p> <p>ये पिदा इतनी गहन है.. इतनी व्याथिथ करने वाली है.. स्वामी जी ने कहा मुझे</p>	<p>Even after this, today when it comes to the upliftment of India, the slogans of Khalistan are raised. .</p> <p>This is a matter of immense pain. The situation is grim.. Swamiji said “I do not have any desire to run the Ashram. Neither I have any desire to run Ashram organisation nor do I want to work at any</p>

<p>कोई आश्रम में रुचि नहीं है।</p> <p>मुझे आश्रम संस्थान को संचलित करने की कोई अभिलाषा भी नहीं है ना ही मैं कोई बड़े लेवल पर कार्य करना चाहता हूं.. मैं तो सिर्फ चाहता हूं की हिंदू जाग जाए। राष्ट्र की सुरक्षा कैसे हो (प्रार्थना)</p> <p>भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा की तू कायरता को प्राप्त मत हो.. (प्रार्थना) एक बात की तू क्षत्रिय है, क्षत्रिय ही तेरा धर्म है.. और अपने धर्म में मर जाना भी श्रेष्ठ है..</p> <p>आज उसी सनातन वैदिक धर्म को जन जन में फेलने के लिए स्वामी जी ने जो बीड़ा उठाया है....</p> <p>आज हम जितने भी युवा साधु है जो कल का भविष्य है.. मैं सब ही युवा साधुओं की तरफ भी आवाज करता रहता है और करना चाहता हूं.. ये हम जो प्रश्न करते हैं अपनी संस्कृति और सनातन में.. और यहां तो प्रश्न करने का भी अधिकार नहीं है..</p> <p>हम प्रश्न चिह्न खड़े करते हैं और यहां तो सिर्फ फतवे जारी होते हैं और सारा काम हो जाता है..</p> <p>अभी तत्काल एक स्थिति में सब पता है आप लोगो को ये राष्ट्र के हिट के लिए कितना बड़ा कार्य योगदान..</p> <p>इसी संगखला में प्रंपूज्य अर्चिनी बंदिनी स्वामी कमलेशानंद सरस्वती महाराज हम सब के मध्य पधार रहे हैं आप सब ही लोग</p>	<p>big level.. I only want Hindu to wake up. How to protect the nation? (Prayer).”</p> <p>Lord Shri Krishna told Arjuna that you should not get cowardly. (Prayer).. You are a warrior, your religion is to fight wars and it is great to die for your religion.</p> <p>Today Swamiji has taken the initiative to spread the same Sanatan Vedic religion among the masses.</p> <p>All the young Saints who are the future of tomorrow.. I call on all the young saints... that we at least question our culture and religion.. And here, (in Islam) there is no right to even question..</p> <p>We keep raising question and here only fatwas are issued and all the work is done..</p> <p>Right now in this situation everything is known to you that this is such a big contribution for the nation...</p> <p>Prampujya Archini Bandini Swami Kamleshnanand Saraswati Maharaj is coming in the midst of all of us in this order, all of you will welcome him with claps...</p>
---	--

	<p>कृतम ध्वनि के साथ उनका स्वागत करेंगे..</p>	
(00.29.25)	<p>ये कार्यक्रम की वक्तव की संगरला में सर्व प्रथम परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष श्री अधीर कौशिक जी से मैं निवेदन क्रंगा की वो ऐ और सर्व प्रथम।</p> <p>(प्रार्थना)</p> <p>महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती जी के चरण कमलो में निदान क्रंगा की आज जो त्रि दिवस या जो धर्म संसद जो सुनिश्चित है 17-18-19, जो वेद निकेतन में हम सब ही लोग एककृत हुए हैं इस धर्म संसद का मूल अभिषेक क्या है? इस धर्म संसद से हम किसको जागृत करना चाहते हैं? और हम राष्ट्र में क्या संदेश देना चाहते हैं? ये पूज्य स्वामी जी के मध्यम से आज से तीन दिन तक जिस विषय पर चर्चा होने वाली है?</p> <p>स्वामी जी आप सब ही का इस विषय को ले कर स्थापित करेंगे..</p> <p>पूज्य स्वामी जी।</p> <p>(हर हर महादेव, जय श्री राम)</p>	<p>In the order of this program, first of all I would request the President of Parashuram Akhara, Shri Adhir Kaushik ji, that he come forward...</p> <p>(Prayer)</p> <p>At the lotus feet of Mahamandaleshwar Yati Narasinghanand Saraswati ji I request him under whose guidance the three days of Dharma Sansad which is scheduled for 17-18-19 December has been organized and we all have assembled here in Ved Niketan, I want to ask everyone what is main purpose of this Dharma Sansad? And what message do we want to give to the nation?</p> <p>The topic which is going to be discussed for three days from today, Swamiji (Yati) will establish among all of us..</p> <p>Pujya Swamiji.</p>
(00.31.15)	<p>(Yati Narsinghanand) बहुत ही बढ़िया सहयोग है मैं बोल ने के लिए खड़ा हुआ हूं और परम अदर्निया महामदेलेश्वर डॉ. प्रेमानंद जी के दर्शन हो गए हैं इसका मतलब है अब सब शुभ ही शुभ होगा.. सभी से अनुरोध है महाराज जी का स्वागत करेंगे.. महाराज जी के चरणों में धनवत..</p>	<p>(Yati Narsinghanand) Very good coincidence, I have stood up to speak and saw heartily worshipped Mahamadeleshwar Dr. Premanand ji. It means all will be auspicious now.. Everyone is requested to welcome Maharaj ji.. I bow down in respect for Maharaj ji at his feet.. Bowing at the feet of Lord Shiva and the mother of the world, Jagadamba, on the banks of</p>

	<p>देवो के देव शिव और जगत जननी जगदंबा के चरणों में नमन करते हुए, मां गंगा के तट पर, हरि हर की इस नगरी में, मैं सभी संत चरणों में नमन करता हूँ, प्रणाम करता हूँ। मेरा कोटि कोटि प्रणाम है।</p>	<p>Mother Ganga, in this city of Haridwar, I bow down at the feet of all great saints. My heartfelt respect.</p>
(00.32.07)	<p>ये जो धर्म संसद है, इस धर्म संसद की विशेषता, धर्म संसद तो और भी संस्थायें करती हैं लेकिन इस धर्म संसद की विशेषता ये है कि पूरी दुनिया का जो सबसे बड़ा कैंसर है इस्लामिक जिहाद, ये धर्म संसद केवल उसी विषय पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई है..</p> <p>देखिये, 1400 साल पहले एक राक्षस ने जनम लिया अरब में और उस राक्षस ने हमारे बहुत सारे मठ मंदिर तोड़े, अपने जनम के साथ ही और उसे नई परंपरा की स्थापना की।</p> <p>ये जो बातें मैं बोल रहा हूँ ये बातें मैंने एक महान पुरुष के मुह से सुनी थी.. उन महापुरुष का नाम था श्री बैतूनलाल शर्मा प्रेमसिंह छेद, जिनके आप चित्र देख रहे हैं, एक चित्र वहाँ है और एक चित्र यहाँ है..</p> <p>ये इस्लाम के बारे में धर्म के बारे में मेरे गुरु हैं.. ये जितना भी मैं कुछ बोलूंगा ये मैंने इन्हीं से सुना है आज इनकी जयंती है.. और ये हम में की स्मृति में ये सारा कार्य करते हैं.. क्योंकि ये इनका ज्ञान है..</p> <p>महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती जी हमारे बीच में हैं और शंकराचार्य परिषद से स्वामी आनंद स्वरूप जी भी हमारे बीच में</p>	<p>This Religious Parliament, the specialty of this, as parliaments are organised by other institutions as well, but the specialty of this parliament is that it has been organised to discuss the biggest cancer of the whole world, i.e, Islamic Jihad.</p> <p>See, 1400 years ago a demon was born in Arabia and that demon broke many of our monasteries and temples, along with his birth and established a new tradition.</p> <p>These things I am saying, I heard these things from a great man.. The name of that great man was Mr. Baitunlal Sharma Prem Singh, whose picture you are seeing. A picture is there and a picture is here..</p> <p>He used to teach me about Islam and about religion. Everything that I will say, I have heard from him. Today is his birth anniversary.. And do all these things in his memory.. Because this is his knowledge. ..</p> <p>Mahamandaleshwar Annapurna Bharati ji is in our midst and Swami Anand Swaroop ji from Shankaracharya Parishad is also present.. I request all to welcome them with loud claps.</p>

	<p>हैं.. मेरा सबसे अनुरोध है कृतम ध्वनि के साथ स्वागत किया जाए..</p> <p>(स्वामी जी एक सोफा और बढ़वा दो। बीच में एक सोफा और लगवा दो। एक सोफा और लगवा दिजिये बीच में। वहां से उठा के एक सोफा याहा लगवा दो। स्वामी जी इस्स सोफे को इधर कर दिजिये। स्वामी जी बैठे जाएंगे महामंडलेश्वर जी बैठे जाएंगे। महाराज जी के चरणों में दंतवार। महाराज जी कैसे हैं आप.. एकदम ठिक.. पीछे बेटा कुछ कुर्सी और दाल दो। पीछे कुछ कुरसिया दाल दो।)</p>	<p>Swamiji, please get one more sofa. Put a sofa in the middle. Put a sofa in the middle. Get up from there and get a sofa installed. Swamiji, put this sofa here. Swami ji will be seated, Mahamandaleshwar ji will be seated. Dantwar at the feet of Maharaj ji. Maharaj ji how are you.. all right.. son put some chair in the back)</p>
--	---	---

(00.35.00 )	<p>बस एक मिनट और दे दिजिये उसके बाद हमलोग शुरू करते हैं..</p>	<p>Just give one more minute after that we start..</p>
(00.35.32 )	<p>तो धर्म संसद का जो विषय है केवल एक मातृ विषय ये है की 2029 में भारत का प्रधान मंत्री मुसलमान बनेगा और ये कपोल कल्पना नहीं है जो लोग जनसांख्यिकी परिवर्तन को ज़मीन से महसूस करते हैं ..</p> <p>जनसांख्यिकी परिवर्तन मतलब मुसलमानों की आबादी के अनुपद्ध का बढ़ाना और हिंदुओं की आबादी के अनुभव का घटना.. मुसलमानों की आबादी जिस तरह से बढ़ रही है। और हमारी आबादी जिस तरह से घट रही है। केवल 7-8 साल के अंदर इस देश में इतना परिवर्तन हो जाएगा की सड़को पर केवल मुसलमान दिखाई दिया करेगा.. हिंदू सड़को पर कम दिखाई दिया करेगा..</p> <p>23 साल से मैं इस बल्ले को दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा हूँ.. जब मैं पहली बार हरिद्वार में आया था..</p> <p>(कुमार साब आप आए.. अरे कुर्सी दो कुमार साब को..)</p> <p>जब मैं पहली बार हरिद्वार में आया था,</p>	<p>So the subject of Religious Parliament, there is only one subject that in 2029 a muslim must not become the Prime Minister of India and this is not a fantasy but a major concern of the people who feel the demographic change from the ground.</p> <p>Demographic change means an increase in the population of Muslims and decrease in the population of Hindus. The way the population of Muslims is increasing. And the way our population is decreasing, within 7-8 years only, there will be so much change in this country that only Muslim will be visible on the roads.. Hindus will be less seen on the streets..</p> <p>Since 23 years I am trying to make the world understand.. When I came to Haridwar for the first time..</p> <p>(Kumar saab aap aaye.. Give him a chair..)</p> <p>When I came to Haridwar for the first</p>

कुमार साब बॉम्बे से आए हुए हैं हमारे बहुत अच्छे साथी हैं.. डॉ विवेक कौल जी आए हैं। लंदन से आए हुए हैं.. और बड़े विशिष्ट लोग यह पर हैं.. और धीरे-धीरे और लोग आ रहे हैं..

थोरी डेर में ये हॉल भी भर जाएगा और तीन दिन यहां बड़े बड़े विचारक यहां आने वाले हैं.. तो हमारा विषय केवल एक रहना है.. विषय ये रहना है की 2029 में जब भारत का प्रधान मंत्री मुसलमान बन जाएगा तो इस्लाम के इतिहास को देखते हैं जैसा कि उन्होंने आज तक पूरी दुनिया में किया है...

अगले केवल 20 सालों में 50% हिंदू अपना धर्म परिवर्तन कर लेंगे.. केवल 20 सालों में एक बार मुसलमान प्रधान मंत्री बनने के बाद केवल 20 सालों में 50% हिंदू अपना धर्म परिवर्तन कर लेंगे। 40% हिंदूओं का कत्ल हो जाएगा .. 10% हिंदू बचेंगे जो कहीं अमेरिका में कनाडा में लंदन में यूरोप में फिर भारत में जो यूएनओ शरणार्थी शिविर लगा देगा उन रिफ्यूजी कैम्पों में रह रहे हैं..

और धीरे धीरे वो भी खतम हो जाएंगे.. न एक मर्द बचेगा न एक मंदिर बचेगा.. हमारी साड़ी बहन बेटियों को सामूहिक बालत्कर के बाद मंडीओं में बीच दिया जाएगा.. भारत पे कब्ज़ा होने के बाद इस्लाम का जिहाद दुनिया में सबसे शक्तिशाली होगा.. और फिर दुनिया में कोई किसी भी मजहब का मनने वाला हो.. पंत का मनने वाला हो.. हर घर के व्यक्ति तक ये जिहाद पहुंचेगा..

भारत के खतम होने के बाद ना अमेरिका सुरक्षित रहेगा.. ना कनाडा सुरक्षित रहेगा.. ना ऑस्ट्रेलिया सुरक्षित रहेगा.. ना यूरोप सुरक्षित रहेगा.. और हो सकता है.. बहुत सारी ये जग तो भारत के खतम होने तक ही खतम होना शुरू हो जाएगा. आज दुनिया में चाहे इसाई हो.. चाहे बौद्ध हो.. चाहे याहुदी हो.. या चाहे नास्तिक हो.. इस्लाम का जिहाद सबका दुश्मन है.

सबसे अनुरोध है कि अपने फोन को साइलेंट मोड पर लगा ले या एयरप्लेन मोड पर लगा

time, Kumar Saab has come from Bombay, we have been very good friends, Dr. Vivek Kaul ji has also come. He is coming from London.. and great people are here.. and slowly more people are coming..

In short time, this hall will also be full and big thinkers are going to come here for three days.. so our.. the subject is only one.. The topic will remain the same that in 2029 when a muslim will become the Prime Minister of India then looking at the history of Islam as they have done till date in the whole world...

In the next 20 years 50% of Hindus will convert their religion.. In only 20 years after the Muslim becomes the Prime Minister, 50% of the Hindus will convert their religion.. 40% of Hindus will be killed.. 10% of Hindus will survive who will be living somewhere in America, Canada, London, Europe, then in India Hindus will live in the refugee camps set up by the UNO...

And slowly they too will end.. Neither a man nor a temple will be left.. All our sister and daughters will be sold in the markets after mass rape.. After the capture of India, the Jihad of Islam will be the most powerful in the world. .. and then anyone in the world who is a believer of any religion .. a believer of any Pant .. this jihad will reach to every person of every household ..

After the end of India neither America will be safe .. nor Canada will be safe. Neither Australia will be safe.. nor Europe will be safe. In today's world, whether it is Christian.. whether it is Buddhists.. whether it is Jews.. or whether it is atheist.. Jihad of Islam is the enemy of all.

Everyone is requested to put your phone on silent mode or put it on airplane

	ले।	mode.
(00.39.05 )	<p>इस्लाम का जिहाद हर घर तक पहुंचेगा और कोई भी बचेगा नहीं.. भारत के खतम होने का अर्थ है सनातन का खतम होना.. सनातन के खतम होने का अर्थ है सारी मानवता का खतम होना.. पिचले 1400 साल में केवल एक कौम इन जिहादियों से हारे है.. उस कौम का नाम है हिंदू..</p> <p>ऐसी कौम जो छोटी मोती कौमे थी दो दो तीन तीन चार चार पांच पांच लोगो की कौमे थी जैसे मिसर में अगर कुछ लोग रहते थे, ईरान में कुछ लोग रहते थे, लेकिन वास्तव में वो सनातनी ही थे.. वो कोई अलग सभ्यता नहीं थी..</p> <p>सनातन के अलावा दो सभ्यता और थी .. एक इशाईयो की सभ्यता और एक याहुदियों की सभ्यता .. बोध सभ्यता तो सनातन की एक सभ्यता है.. एक इशायियों की सभ्यता, एक याहुदियों की सभ्यता और तीसरी सभ्यता थी हमारी जो दुनिया में सबसे बड़ी थी.. ना इशायी इनसे हारे, ना याहुदी इनसे हारे, केवल और केवल कोई हरा तो सनातन हरा है अभी तक क्योंकि सनातन के पास कोई कार्य योजना नहीं है..</p> <p>हम एक गिनती में सारे दुश्मनों को जिनवा देंगे की हमारा ये भी दुश्मन, ये भी दुश्मन, ये भी दुश्मन..</p> <p>लेकिन लड़ने के लिए किसी से भी नहीं चलते.. और जब आप लड़ने के लिए नहीं चलते तब हमारा विनाश होता है क्योंकि युद्ध किसी भी धर्म, किसी भी संस्कृति का आधार बुक तत्व होता है। जो कौम लड़ना भूल जाति है उनकी</p>	<p>Jihad of Islam will reach every house and no one will survive.. End of India means the end of Sanatan.. End of Sanatan means the end of the entire humanity.. In the last 1400 years only one community has lost to these jihadis (muslims). The name of that community is Hindu.</p> <p>Such small communities which had two-two, three-three, four-four, five-five people, who used to live in Egypt, some people lived in Iran, but in reality they all were Sanatani.. They were not a separate civilization. ..</p> <p>Apart from Sanatan, there were two more civilizations.. a Christian civilization and a Yahudio civilization.. Buddhist civilization is a civilization of Sanatan. One was Christian's civilization, one was Jews civilization and the third civilization was ours which was the biggest in the world.. Neither Christians lost to them, nor Jew lost to them, only and only Sanatan lost to them till now as Sanatan has no action plan to counter this attack..</p> <p>I can count all the enemies in one go... This enemy, this enemy, this enemy..</p> <p>But we don't go to fight anyone.. And when we don't go to fight then we are destroyed.. Because war is the basis of any religion, any culture. The community which forgets to fight, meets its fatal end.. So everyone should read the topic</p>



	<p>फिर यही दुर्गाती होती है.. तो इस्लामिक भारत में धर्म संसद का विषय सब ही लोग पढ़ ले.. इस्लामिक भारत में सनातन का भविष्य कैसा होगा.. इस समस्या पर और उसके समाधान पर बात करनी है..</p>	<p>of this religious parliament which is the future of Sanatan Dharm in Islamic India. We have to talk about this problem and its solutions.</p>
<p>(00.41.04 )</p>	<p>मैं अपनी बात कह कर बैठ जाऊंगा। अब जो लोग मंच का संचालन करेंगे.. हमारे स्वामी परमानंद जी.. बलराम मुनि जी.. और उनकी सहायता कर रहे हैं सातवतानंद जी महाराज हमारे और बीच बीच में अमृतानंद जी तो मैं इन चारो से जो इस धर्म संसद के आधार भूत स्तम्भ है.. ये चार सन्यासी, स्वामी अमृतानंद जी.. स्वामी सतवानंद जी.. बलराम मुनि जी.. और स्वामी परमानंद जी जो इस्का संचालन कर रहे हैं..</p> <p>मैं उनसे अनुरोध करना चाहता हूं की धर्म संसद को विषय पर रखे.. समस्या कम नहीं है.. समस्या तो हज़ार है। मैं हज़ार समस्या खुद जिनवा सकता हूं.. लेकिन और समस्या ऐसी है जैसे किसी के चेहरे पर फुंसी हो गई होया, ज्यादा से ज्यादा डायबिटीज हो गई हो..</p> <p>लेकिन इस्लाम की जो जिहाद की समस्या है.. वो समस्या है कैंसर की समस्या.. आप को इस कैंसर से लड़ना है या नहीं लड़ना है? लड़ना है तो कैसा लड़ना है??.. और क्या करना है। यह यदि आपने तैय किया तो कुछ बच सकता है और अगर अभी हम ये तैय करने में नामाकाम्याब रहे अपना कोई ऐसा चार्ट रूट मैप बनाने में नाकामयाब रह गए जो हम इन बच्चो को दे सके की बच्चो तुम्हे कल करना क्या है तो सरे विनाश के ज़िम्मेदार हम लोग होने वाले है जो अपने आप को धरम गुरु</p>	<p>I will sit down after concluding my speech. Now the people who will conduct the stage.. Our Swami Parmanand ji.. Balram Muni ji.. and helping them is Satavatanand ji Maharaj is in between us and Amritanand ji, these four people who are the pillars of this religious parliament. .. These four saints Swami Amritananda ji.. Swami Satyawanand ji.. Balram Muni ji.. and Swami Parmanand ji who is conducting this session..</p> <p>I want to request them that this parliament should be kept on the subject.. The problem is not less.. There are problem a thousand problems. I can count a thousand problems myself.. but the other problems are such that someone has got a pimple on his face, or is diagnosed with diabetes...</p> <p>But the problem of Jihad in Islam.. is the problem of cancer.. Do you have to fight this cancer or not? If you want to fight then how to fight??..and what to do. If you prepare this, then something can be saved and if we are not able to do it now, we have fail to make such a chart, route map that we can give to these children, saying children, 'this is what you have to do tomorrow', then people who call themselves Dharm Gurus (preachers of religion), will be responsible for this destruction.</p>

कहते हैं।

हमारा रोज़ यहाँ ११ बजे से २ बजे तक सन्यासियों का धरम गुरुओ का सेशन रहेगा और इसके बाद जो देश के कोने कोने से बच्चे आये हुवे है यह बैठ कर मनन चिंतन करेंगे। शुरु होकर चलती रहेगी .. तीनों दिन लगातर चलती रहेगी..

एक बजे रात के 12 बजे तक, एक बजे तक जब तक आप चर्चा करते रहेंगे, हमलोग चर्चा करते रहेंगे और तीन दिन की इस धर्म संसद के बाद ये कार्यक्रम यही खतम नहीं हो जाए.. ये कार्यक्रम आगे बढ़ेगा.. हम एजेंडा बनाएंगे.. और एजेंडा पर चलने का प्रयास करेंगे.. तो अब मैं इस मंच को दे रह हूँ.. स्वामी परमानंद जी बहुत ही योग्य संन्यासी है.. युवा संन्यासी है.. और हम बहुत बोल चुके.. बोले बोले हमारी साड़ी एनर्जी खतम हो गई.. अब ये जो चार लोग हैं..

इस आशा और विश्वास के साथ हम स्वामी ललितानंद जी बैठे हैं देखो हम जो बूढ़े लोग जो हैं हम उनके साथ हैं.. हम इनसे ज्यादा युवा है स्वामी जी ये गलत फहमी मैं ना आ जाए चारो हम इन चारो से ज्यादा युवा है लेकिन उमर फिर भी अपना एक असर रखती है.. और उमर के साथ थकान होने लगती है.. मैं बहुत आशा के साथ, बहुत विश्वास के साथ.. अपने कार्य को युवा पिडी को दे रहा हूँ.. हम सहायक के रूप में इनके साथ रहेंगे। जब इन्हे मदद की ज़रूरत होगी टीबी हम कांधे से कांधे मिला कर इनके साथ रहेंगे.. लेकिन अब ये इनका कार्य है की ये कैसे स्वयं की रक्षा

We will have a session of saints from 11 o'clock to 2 o'clock every day, and after that the children who have come here from every corner of the country will sit and meditate. It will continue from the beginning.. will continue for three days.

Till 12 o'clock in the night, till one o'clock, we will keep discussing, and after three days of this Dharma Sansad, this program will not end.. This program will go ahead.. We will make agendas.. Will try to follow the agenda.. So now I am giving this platform to.. Swami Parmanand ji is a very capable saint.. a young saint.. and we have spoken a lot.. Our energy is exhausted. Now these are the four people..

With this hope and faith, Swami Lalitanand ji is sitting here, look, we who are old people, we are sitting with them.. But we are more young than them, Swamiji, don't fall into this misconception. We are younger than these four, but age still has its effect.. And with age tiredness creeps in our bodies.. I am giving my work to the young generation with a lot of hope, with a lot of faith.. We will be with them as helpers. Whenever they will need help, we will stay with them shoulder to shoulder.. but now it is their job how they will protect themselves and protect religion..and protect our society..

	<p>करेंगे और धर्म की रक्षा करेंगे.. और अपने समाज की रक्षा करेंगे..</p> <p>बहुत विश्वास के साथ मैं अमंत्रित कृता हूँ स्वामी परमानंद जी को वो आएंगे और पूरे मंच को विषय के चारो तारफ ही रखेंगे। विषय भटकना हम हिंदुओं की बहुत पुरानी आदत है एक बार हम विषय भटकते हैं फिर भटकते जाते हैं.. तो मैं स्वामी जी से अनुरोध करता हूँ की स्वामी जी आए और मां और महादेव हम सब को सदबुद्धि दे, हम इस योग्य बने की हम सनातन की रक्षा: कर सके .. हम इस योग्य बने की हम धर्म की रक्षा कर सके, अपने मठ मंदिरो की रक्षा के लिए, अपने परिवार की रक्षा कर सके .. अपनी नारियों की रक्षा कर सके .. अपने बच्चों की रक्षा कर सके .. इसके लिए सबसे पहले मां और महादेव हमें सदबुद्धि दे.. हम साथ रहना सिखे.. एक दूसरे का साथ देना सिखे.. धर्म संसद की शुभारम्भ के लिए आप सब जो एतिहासिको पल के साक्षी बन रहे हैं उन सब को बहुत बहुत शुभमनये हैं.. सबी सब चरणों में मेरा दन वर प्रणम है.. हर हर महादेव..</p>	<p>With great confidence, I am inviting Swami Parmanand ji, he will come and keep the whole stage around the subject. Wandering from the actual subject is a very old habit of us - Hindus, once we wander from the subject then we go astray.. So I request Swamiji that Swamiji should come and Mother and Mahadev should give good wisdom to all of us and we be able to protect Sanatan.. our religion.. to protect our monasteries, temples... to protect our families.. to protect our women.. to protect our children. For this, first of all, mother and Mahadev give us wisdom.. We learn to stay together and help each other.. I congratulate everyone who is here witnessing the beginning of this religious parliament..My greetings to all the saints present here..</p> <p>Chants of Har Har Mahadev (Everywhere Shiva)..</p>
(00.45.40 )	<p>बोलिए भारत माता की.. जय..</p> <p>पूज्य चरण महामदेवेश्वर स्वामी नरसिंहानंद महाराज जी को आप सुन रहे थे और स्वामी जी ने जो सनातन धर्म की जो हिंदू धरम कि यथा स्थिति थी उस के ऊपर प्रकाश डाल कर हम सब को बताना चाह की क्या स्थिति थी क्या हो गई और क्या होने जा रही है।</p>	<p>Say.. Bharat Mata ki Jai..(Hail Mother India)</p> <p>You were listening to respected Mahamadeleshwar Swami Narasinghanand Maharaj ji and he wanted to tell us about the status quo of the Sanatan Dharma by throwing light on what is the situation, what has happened and what is going to happen.</p> <p>Islamic India.. The doubt of India</p>

<p>इस्लामिक भारत, इस्लामिक भारत बनने की आशंका और इस्का मूल विषय है इस्लामिक भारत में सनातन का भविष्य..</p> <p>स्वामी जी का कहना है आप थोड़े शब्द में इस विषय को फिर से समझ लिये इस्लामिक भारत, इस्लामिक भारत का मतलब है सन् 2029 में इस भारत का सासक इस्लाम का कोई आदिपाधि होगा..</p> <p>आज ये बहुत चिंतनी विषय है विचारनिये विषय है और तीनों दिनों में हम सिर्फ और सिर्फ सनातन को सुरक्षित और सुरक्षित करने की रणनीति पर ही चर्चा करने वाले हैं.. आप सब युवाओं में वो शक्ति है वो जोश है जिसके द्वारा आप हिंदुत्व को पूर्ण स्थापित करने में सक्षम होंगे..</p> <p>हिंदुत्व धारा का धर्म है.. हिंदुत्व धारा का धर्म है.. भगवा नहीं झुकेगा..</p> <p>कफिला है शेरों का.. कफिला है शेरों का.. वो सुरों से नहीं रुकेगा..</p> <p>आज शेर बनने की अवस्यकता है.. पूज्य स्वामी नरसिंहनद जी महाराज और नरसिंह भगवान के अवतार की सब लोग कथा जानते हैं.. सबने सुना है.. हम सब के अंदर शेर है और उस शेर को जगाने की जरूरत है..</p> <p>मैं इसी श्रंखला में सर्व प्रथम सभी महापुरुषों का हृदय की गहराई से अभिनंदन.. तत्पश्चात्..</p>	<p>becoming an Islamic nation and its main theme (of this parliament) is the future of Sanatan (Hinduism) in Islamic India..</p> <p>Swamiji says you understand this topic again in a few words, Islamic India, Islamic India means that in the year 2029, the ruler of India will be a muslim...</p> <p>Today this is a very worrying topic, it is a matter to consider and in all three days we are going to discuss only and only on the strategy to protect and secure Sanatan. All the youth present here, have that power, that enthusiasm by which you will be able to establish Hindutva completely..</p> <p>Earth's religion is Hinduism Earth's religion is Hinduism Saffron will not bow down..</p> <p>It's a caravan of lions, It's a caravan of lions, It can't be stopped by swines.</p> <p>Today there is a need to become a lion.. Everyone knows the story of Pujya Swami Narasimhanad ji Maharaj and the incarnation of Lord Narasimha.. Everyone has heard.. We all have a lion inside us and that lion needs to be awakened..</p> <p>First of all in this series, I congratulate all the great men from the bottom of my heart.. After that.</p> <p>While requesting at the feet of Swami Amritanand Ji Maharaj from Kashi, I will</p>
---	--

	<p>काशिनीये स्वामी अमृतानंद जी महाराज के चरणों में प्रति निवेदित करते हुए स्वामी जी से nivedan करूंगा ki समय का सब ही लोग विशेष ध्यान रखेंगे। आप महापुरुषों के चरणों में निवेदन है.. समय का आभाव है आज की श्रंखला बहुत बड़ी रहेगी.. कुछ ही शब्द में स्वामी जी सबका मार्ग दर्शन करेंगे.. संबोधित करेंगे.</p> <p>पूज्य स्वामी जी..</p>	<p>request Swamiji, that everyone will take special care of the time. I request at the feet of great men.. There is a lack of time, today's sequence will be very big.. In a few words, Swamiji will guide everyone.</p> <p>Pujya Swamiji..</p>
(00.48.10 )	<p>(स्वामी अमृतानंद)</p> <p>मैं बोलूंगा हर हर.. आप लोग बोलेंगे बम बम.. हर हर.. बम बम .. हर हर.. बम बम ..</p> <p>मैं बोलूंगा बम बम। आप लोग बोलना भोले.. बम बम .. भोले.. बम बम .. भोले..</p> <p>जानते हैं ये बात मैंने क्यों कहा? इसे बताने से पहले मैं मंच पर विराजमान में सबसे पहले महामदेश्वर श्री नरसिंहानंद गिरि जी महाराज जी के चरणों में और सभी पूज्य के चरणों में अपना सर रख कर नमन निदान करता हूँ की ये जो महाराज जी ने विषय रखा है और मैंने ये जो जयकरा लगाया है ये केवल सनातन पर संभव है की हम बम बम बोलते हैं तो आपके मुह से भोले आवाज निकलता है..</p>	<p>(Swami Amritananda)</p> <p>I will say 'har har'.. You guys will say 'bam bam'..</p> <p>Har har.. bam bam.. Har har.. bam bam..</p> <p>I will say bam bam. You will say bhole</p> <p>bam bam.. bhole.. bam bam.. Bhole..</p> <p>Do you know why I said this? Before telling this, Everyone sitting on the stage, first of all, I bow down to the feet of Mahamadeleshwar Shri Narasimhanand Giri Ji Maharaj Ji and at the feet of all great saints. I sincerely request that Maharaj (Yati) has kept this subject and I chanted this prayer, it is possible only in Sanatan that if we speak bum bum, then the voice 'bhole' comes out of your mouth..</p> <p>When we say 'har har', then the voice of</p>

	<p>हम हर हर बोल ते है तो आपके मुह से महादेव का आवाज निकलता है..</p> <p>लेकिन अगर कहीं उधर से बम का आवाज निकल जाए ना तो आपके chitthre भी इखट्टा करना भारी पड़ता है..</p> <p>यही सब्जेक्ट है हमारा.. इसिलिए स्वामी जी ने एक आगाज़ किया है.. की अगर सनातन को बचाना है manavta को जीवित रखना है..</p> <p>तो युद्ध के अंतिम पड़ाव पर हम हैं.. या तो करो या फिर मारो..</p> <p>और सनातन कभी मरने की बात नहीं सिखता है.. लेकिन सनातन में जिंदा रहने की जो राह है जो रास्ता है वो है -</p> <p>हांथ में ले तलवार तू, हांथ में ले तलवार तू तब चल मेरे साथ.. हांथ में ले तलवार तू तब चल मेरे साथ.. शीश काट रख हाथ में .. में चलूं तेरे साथ है..</p> <p>अगर आप जिंदा रहना चाहते हैं तो आपको मर जाने की घोसना करनी होगी और नकल ही नहीं इस को साबित करना होगा.. अब समय बिलकुल नहीं है.. महाराज जी 2029 कह रहे हैं.. मैं ज्यादा से ज्यादा 2034 कह सकता हूं इसके बीच में ही या तो आप मरने की तयारी करलो या कटने के लिए तयार रहो..</p>	<p>Mahadev comes out of your mouth.</p> <p>But if the sound of a bomb comes out from somewhere, then it is difficult to collect your pieces too.</p> <p>This is our subject.. That's why swami ji has made a beginning.. that if sanatan is to be saved, manavta has to be kept alive..</p> <p>So we are at the last stage of the war.. either do it or kill it..</p> <p>And Sanatan never teaches to die.. But the way to be alive in Sanatan is to-</p> <p>Take swords in your hand, Take swords in your hand, then walk with me.. Take the sword in your hand, then walk with me.. Cut the head keep it in your hand.. I will go with you..</p> <p>If you want to stay alive then you will have to announce your death and not only imitate, but prove this too.. There is no time at all.. Maharaj ji is saying 2029.. The maximum I can say is 2034. In between this, you either have to prepare to kill or be ready to die.</p>
--	--	---

	<p>और कोई विषय नहीं है.. जितने पूज्य चरण यहां पर बैठे हैं.. हमारी माता जी बैठी है.. ये सब लोगो के मन में केवल एक आग है.. वो जब सुख आसन पर कोई बैठा है तो भगवान का भजन करता है.. लेकिन जब आसन ही नहीं रहेगा तो भगवान का भजन होगा कहा से..</p> <p>हमारे यहां राष्ट्र रक्षा की धारणा सर्व प्रथम है उसके बाद भगवान की पूजा है.. राष्ट्र है तो भगवान की पूजा है.. हमारी मातृ भूमि केवल ये बात सिखाती है की हमारा जो कुशक्तवा है केवल और केवल अपने आप को sambhaal कर रखने में ही हमारा सबसे बड़ा दयात्व बंता है..</p>	<p>There is no other subject.. All the worshiped feet are sitting here.. Our mothers are sitting here.. All these people have fire in their hearts. When someone is sitting on a happy seat, he worships God. But when there won't be any seat then from where will they worship God..</p> <p>We have the concept of protecting the nation first, after that we worship God.. If there is a nation, then there is worship of God. Our mother land teaches this thing that our greatest kindness is shared only in keeping ourselves together..</p>
(00.51.30 )	<p>अगर आपको जिंदा रहना है तो एक सूत्र अपना मिलेगा और वही सूत्र है जो सदियों से चला आ रहा है.. वही दाना फलता है जो मिट्टी में मिल जाए.. बहुत अच्छा बनाना है तो पहले आपको मिलना पड़ेगा .. हो सकता है बल्की हम कह सकते हैं की पिचले 1400 साल में हमारे पूर्वजो से ये गलती हुई.... मिट्टी में मिलने की प्रतिक्रिया संपन्न हो गई..</p> <p>अब हम अंतिम चरण में है। इसिलिये इस बात को ध्यान से सुनिए..</p> <p>वही दाना फलता है जो मिट्टी में मिल जाए, साहे पथिक जो काटे वही मंजिल अपनी पाए..</p> <p>ये निश्चित करिए आपलोग की अगर मंदिर तक जाना है इस जिहाद पर विजय प्राप्त करना है तो हर व्यक्ति, छोटा छोटा सुई चुभो</p>	<p>If you want to survive then you will have to adopt a formula and it is the same formula which is being followed since ages.. The same grain bears fruit which gets mixed in the soil.. If you want to make very good, then you have to dissolve first. It can be said that in the first 1400 years, our ancestors made a mistake.. The reaction to dissolve in soil has ended.</p> <p>Now we are in the final stage. So listen carefully to this thing..</p> <p>The same grain flourishes which gets mixed in the soil, the wanderer who kills gets to his destination..</p> <p>Make sure that if you want to keep visiting your temples, and if you want to win over this jihad, then every person, prick a small needle and feel the tip of the sword that comes from place to</p>

	<p>कर देख लो, वो जो तलवार का नोक जो जगह जगह से आता है,</p> <p>चुरा भोक दिए जाते हैं, गला काट दिया जाता है, और बौद्धिक मीडिया कहते हैं की शांति का मजहब है तो इससे बड़ा हमारा दुर्भाग्य क्या होगा..</p> <p>हमलोग कुछ नहीं कहते हैं अपनी बातों को इस्लिये</p> <p>शाहे पथिक जो काटे वही मंजिल अपनी पाए.. भट्टी में पड़ कर सोने का रंग निखरता है.. मानव तू परिवर्तन से कहे को डरता है..</p> <p>ये जो कुछ लोग डर रहे हैं.. और डरने का कारण मैं सब्जेक्ट से इधर उधार जाने नहीं दूंगा किसी को.. मैं सब पूज्य चरण से ये निदान कर रहा हूँ स्वामी जी ने ये अधिकार दिया है हमको की अगर कोई भी स्पीकर विषय से इधर उधार लेकर जाएगा तो मैं उसे रोकूंगा..</p> <p>हमारा एक विषय है की हम इन जिहादियों पर विजय कैसे प्राप्त करें.. एक विषय है की जिहाद हमारे देश पर हवी हो चुका है.. एक विषय है की जिहाद के कारण चाहे नेता हो मंत्री हो अदालत हो मीडिया हो... सब लोग डर हुई है..</p> <p>सबको ये बात पता है लेकिन केवल इस देश में दुनिया में थोड़ी बहुत कही पर आवाज सुनिए दे रही है कही पर भी अगर हिंदुत्व के</p>	<p>place,</p> <p>Knives are stabbed, Throat is slit open, And the intellectual media says that it is a religion of peace, then how worse will be our misfortune than this..</p> <p>We don't say anything because of our words that is why -</p> <p>The wanderer who kills gets to his destination.. The color of gold shines after falling in the furnace. Then, Man, why are you afraid of change..</p> <p>All these people who are afraid.. Because of your fear, I will not let anyone divert from the subject.. I am requesting all the revered feet. Swamiji (Yati) has given this right to me that if any speaker diverts from the subject then I will stop them..</p> <p>We have only one topic of how can we win over these jihadists.. The topic says that Jihad has dominated our country. Be it politicians, ministers, courts or the media, everyone is scared..</p> <p>Everyone knows this, but in the whole world or India, if any voice is being raised in the name of Sanatan or in the name of Hindutva, it is coming from our Swami Mahamadeleshwar Yati</p>
--	---	--



<p>(00.53.10 )</p>	<p>नाम पर सनातन के नाम पर एक शब्द सुना दे रहा है.. करने के लिए हेतु प्रम पूज्य हमारे स्वामी महामदेलेश्वर नरसिंहानंद गिरी जी महाराज है...</p> <p>आपको हाथ उठा कर के आप की तलियां कमज़ोर है महाराज जी के लिए.. एक जयकारा लगते हैं.. जयकारा वीर बजरंगी दे... हर हर महादेव..</p> <p>आप की कलाईयां चूड़ी वाली नहीं है की जो ताली भी बजते हो तो ऐसे बजाते हो की जैसे अब मैं कुछ इसी से कहना नहीं चाहता हूं..</p> <p>महाराज जी के लिए एक विषय है हमारा.. मैं पूज्य संत चरणो से कहता हूं.. हमारा संत चरण भी मैं खुद पिछले चार पांच साल से जब से महाराज जी को सुनने लग गया हूं..</p> <p>मैं महात्मा के पास जाता था तो महात्मा लोग कहते हैं कि महाराज जी किस आफत में जा रहे हैं जिंदा रह लो.. जिंदा रहोगे तो भजन करोगे .. इस्का मतलब क्या है की हमारे पूज्य चरण महात्मा लोग भी डरते हैं मार ने से..</p> <p>इसका मतलब ये नहीं है की यह जो बैठे हैं, यहां जो बैठे हैं वो तो मरने वाले आ गए हैं..</p>	<p>Narasinghanand Giri ji.</p> <p>You have to raise your hands.. Your claps are weak for him.. Chant for him..</p> <p>Jaikara Veer Bajrangi, Har Har Mahadev..</p> <p>Your wrists are not for bangles that even if you clap, you do it as if... I do not want to say anything more..</p> <p>Maharaj ji has a topic for us. I say this to our Saints, Not just them but I myself have started listening to Maharaj ji for the last four to five years.</p> <p>I used to go to the other saints, they used to say that in which calamity am I going to.. I should stay alive at least.. If you stay alive then you can do bhajan (chant prayers). .. It means that even our revered Saints are also afraid to die..</p> <p>It does not mean that those who are sitting here, those who are sitting here have come to die..</p>
<p>(00.55.20 )</p>	<p>हमारे मध्य महामंडलेश्वर प्रम्पुज्यस्वामी रूपेंद्र प्रकाश जी महाराज का हम हार्दिक अभिनंदन स्वागत .. जय हो .. जय हो .. महाराज जी पधारे .. आइए महाराज जी ..</p> <p>(Chants)</p>	<p>We warmly welcome Mahamandaleshwar Prampujyaswami Rupendra Prakash Ji Maharaj among us.. Jai Ho.. Jai Ho.. Maharaj Ji come.. Come Maharaj Ji..</p> <p>(Chants)</p>

<p>(00.55.50 )</p>	<p>ये जो पूज्य चरण बैठे हैंये वो पंक्ति में नहीं है, डरने वाले में, लेकिन अब एक आवाज निकली है।</p> <p>अब लोगो का कुछ भय जाता रहा है.. और सब से बड़ी बात है की परम पूज्य महामदेलेश्वर यति श्री नरसिंहानंद गिरी जी महाराज जी ने जो इस्लामिक जिहाद के जड़ पर, उसके गहरे मूल जो जड़ है, जड़ पर एक घाव दिया है और उस घाव के करन इस्लाम हिलता हुआ नजर आ रहा है..</p> <p>अब मेरे शेरों.. हर व्यक्ति के हाथ में वही कुल्हदी होनी चाहिए जो महामदेलेश्वर यति श्री नरसिंहानंद गिरी जी महाराज जी के पास है.. परम पूज्य स्वामी जी महाराज.. वही कुल्हदी होनी चाहिए.. इसके अलावा और कोई विषय हमें स्विकार नहीं है..</p> <p>हमारा भजन इस्लाम से लड़ना हमारा पुराण इस्लाम से लड़ना हमारा तपस्या इस्लाम से लड़ना..</p> <p>हमारा जो भी संगठन, ये बात देना की दुनिया में सबसे ज्यादा खून खराबे का कोई मजहब है तो वो इस्लाम है। इस इस्लाम को खत्म करेंगे.. और उसके लिए केवल हमारा एक लक्ष्य होगा.. किसी को कुछ करने की ज़रूरत नहीं है.. आप सबलोग एक स्वर में, एक आवाज लगाये की हम महामदेलेश्वर यति श्री नरसिंहानंद गिरी जी महाराज जी के साथ खड़े होंगे..</p>	<p>The revered feet that are sitting here are not in the row are not the ones who are afraid, but now a voice has come out.</p> <p>Now some fear of the people has been going away.. and the most important thing is that Yati Shri Narasimhanand Giri Ji Maharaj has inflicted a wound on the roots of Islamic Jihad, in its pillars which are its roots.. He has inflicted a wound on its roots because of which Islam seems to be shaken..</p> <p>Now my lions.. every person should have the same ax in their hands which Mahamadeleshwar Yati Shri Narasimhanand Giri Ji Maharaj ji has with him.. Respected Swamiji Maharaj.. is the same ax .. Other than this we do not accept any other topic..</p> <p>Our hymn is in fighting islam Our Purana is in fighting Islam Our penance is in fighting Islam.</p> <p>Our organizations should tell that Islam is the the religion responsible for the most bloodshed in the world. We will end this Islam.. And for that only we will have one goal.. No one needs to do anything.. You just give your word, give your word that we will stand with Mahamadeleshwar Yati Shri Narasighanand Giri Ji Maharaj Ji ..</p> <p>A warm welcome to our Prem Pujya Mahamandaleshwar Swami Prabhonand Giri Ji Maharaj.</p>

	<p>हमारे प्रमपूज्य महामंडलेश्वर स्वामी प्रभोनन्द गिरी जी महाराज आपका हार्दिक स्वागत है..</p> <p>(जप)</p> <p>बिन हरि कृपा मिले नहीं सांता..</p>	<p>(chantings)</p> <p>Without Lord Hari, there can be no peace.</p>
<p>(00.57.50 )</p>	<p>अब ये जो एक संगठन एक पुंज खड़ा हुआ है मेरे साथियो आप लोगो के बल पर जो नीचे बैठे हो, मैं सच मानो आप लोग जो सामने बैठे हो,आपलोगो को देख कर के हम सब संतो का बल बढ़ता है..</p> <p>कल तक यहां से ये घोष जाना चाहिए की अब भारत का अब हर युवा जाग रहा है.. अब तुम हमें और jhutla नहीं सकते..</p> <p>इसी के साथ मैं अपनी बात को यही विराम दे रहा हूं.. बीच बीच में हमलोग मिलते रहेंगे.. लेकिन हम तो अपने महापुरुष को ही सुनने के लिए आए हैं.. केवल हमें एक ऊर्जा चाहिए.. केवल और केवल एक ऊर्जा चाहिए..</p> <p>मैं फिर से दोहरा रहा हूं सब ही पूज्य चरण हमी केवल एक एनर्जी दे ऊर्जा दे, की हम इस्लाम पर विजय हसील करे... और हमें कोई कामना नहीं..</p> <p>हम इस्लाम पर विजय पा लेंगे, सारी दुनिया में शांति आ जाएगी.. और वो केवल हमारे देश से संभव है..</p>	<p>Now this one organization which has stood as a bundle, my friends, on the strength of you people who are sitting down, believe me that you people who are sitting in the front, by looking at you people, the strength of all of us saints increases..</p> <p>Tomorrow, from here, it should be proclaimed that now every youth of India is waking up.. Now you cannot wrong us anymore..</p> <p>With this I am concluding my talk here.. We will keep meeting in between.. We have come here to listen only to our great saints.. We need one energy.. Only and only one energy..</p> <p>I am repeating again for all the worshiped feets, give us only one energy so that we can achieve victory over Islam... and we have no other desires..</p> <p>We will conquer Islam, peace will come in the whole world.. and that is possible only from our country..</p> <p>It is possible only with the grace of</p>

	<p>केवल महामादेश्वर यति श्री नरसिंहानंद गिरी जी महाराज जी के कृपा से संभव है.. हम unke साथ खड़े हैं..</p> <p>जय हिन्द..</p> <p>वंदे मातरम..</p> <p>(जप)</p>	<p>Mahamadeleshwar Yati Shri Narasinghanand Giri Ji Maharaj.. We are standing with him..</p> <p>Jai Hind..</p> <p>Vande Matram..</p> <p>(chanting)</p>
<p>00.59.07)</p>	<p>भारत माता की .. जय ..</p> <p>काशी स्वामी अमृतानंद जी महाराज ने अपनी हृदय की पिदा को व्यक्त किया.. और अपनी ही नहीं.. समस्त हिंदुत्व की पेड़ा को व्यक्त किया है पूज्य स्वामी जी की चरणों में नमन..</p> <p>इसी श्रंखला में कई महा पुरुष हमलोगों के बीच में पधार रहे हैं.. सब ही का हृदय की गहराई से अभिनंदन एवं स्वागत.. और संतो के समागम के साथ साथ आज हिंदुत्व की बीड़ा को उठा कर के बहुत से ऐसे संघ है जो कार्यत है जो संपूर्ण देश में सनातन को फैलाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं..</p> <p>ऐसे संघों में Hindu Ekta Sangh, आपका हृदय से अभिनंदन, मंच आपका स्वागत करता है..</p> <p>Hindu Yuva Vahini, मंच आपका अभिनंदन कृत है..</p> <p>Dev Sena, मंच आपका भी अभिनंदन करता है..</p> <p>Vishwa Sanatan Mahasangh, जो सनातन की प्रपा को विश्वास में फैलाने के</p>	<p>Bharat Mata Ki .. Jai ..</p> <p>Swami Amritanand ji Maharaj from Kashi (Varanasi, Uttar Pradesh) expressed his heartfelt pain... and not only his.. He expressed the pain of the entire Hindu community.. Bowing down to the feet of our worshiped Swami ..</p> <p>In this order, some great men are coming in the middle of us.. Greetings and welcomes from the bottom of the heart.. And along with the gathering of saints, today there are many such organizations which are doing a commendable job for our religion. They are playing an important role in spreading Sanatan all over the country.</p> <p>In such associations, Hindu Ekta Sangh we welcome you from the heart, the stage welcomes you..</p> <p>Hindu Yuva Vahini, the stage greets you..</p> <p>Dev Sena, the stage greets you too..</p> <p>Vishwa Sanatan Mahasangh, who is known to spread the culture of Sanatan in the whole world.. Sudarshan Vahini, you are also warmly welcome.. Sanatan</p>

	<p>लिए जाने जाते हैं.. सुदर्शन वाहिनी आपका भी हार्दिक स्वागत है.. Sanatan Hindu Dharam Group, आपका भी हृदय से स्वागत है..</p> <p>Hindu Sena, जितने भी हिंदुओं के संगठन हैं, सभी लोग आकर अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं..</p> <p>Hindu Army, इनका भी हृदय की गेरयों से अभिनंदन है.. Hindu King, ये भी हृदय की गहराई से अभिनंदन और स्वागत है.. Hindu Librarian Army, जितने भी सनातन और हिंदुत्ववादी संगठन है सब का ये मंच स्वागत है अभिनंदन करता है..</p> <p>इसी संघखाला में हमारी मातृ शक्ति भी आज कांधे से कंधा मिला कर के साथ में चलने के लिए तत्पर है.. और मातृ शक्ति का हृदय की गहराई से अभिनंदन और स्वागत है..</p>	<p>Hindu Dharam Group, you are also warmly welcome..</p> <p>Hindu Sena, all the organizations of Hindus, all the people are coming and playing their important role.</p> <p>Hindu Army, they are also greeted from the heart.. Hindu King, a heartfelt welcome. Hindu Librarian Army, all the Sanatan and Hindutva organizations are welcome to this platform. Congrats..</p> <p>In this order, our power of mothers is also ready to walk shoulder to shoulder with us. We greet and welcome our Mothers too..</p>
(01.01.00 )	<p>कभी दुर्गा कभी सीता कभी चंडी कभी काली.. कभी दुर्गा कभी सीता कभी चंडी कभी काली.. भारत छोरो देशद्रोही, ये है भगवा की लाली..</p> <p>ये भगवा की लाली के रूप में आज मातृ शक्ति आज जो पूरी माताओ का नेत्रत्व कर रही है..</p> <p>ऐसे संतत्व को धारण करने वाली ये दुर्गा की स्वरूप ही है और करुणा की भंडार भी यही है। द्रौपती के पांच पुत्रों का जब वध हो जाता है तो करुणा की देवी है वो.. वो गुरु पत्र के हन्न के लिए इनकार कर देती है..</p>	<p>Sometimes Durga, sometimes Sita, sometimes Chandi, sometimes Kali.. Sometimes Durga, sometimes Sita, sometimes Chandi, sometimes Kali.. Traitors leave India, this is the red form (warning) of saffron..</p> <p>In the red form (warning) of saffron, the powerful mother which is leading all the mothers today.</p> <p>It is the form of Durga who bears such saintliness and she is also the storehouse of compassion. When the five sons of Draupati are killed, she is the goddess of compassion. (unclear)</p> <p>And when the religion or the nation is on fire, then this form of Durga, or the form</p>

	<p>और जब अपने धर्म पर, राष्ट्र पर आंच आती है तो ये दुर्गा का स्वरूप झांसी की रानी भी कहीं बाहर से नहीं आती.. इसी बीच में माता अर्चना गिरी जी महाराज के चरणों में निवेदन करुंगा जो मोतीचूर द्वार से पढारी हुई है.. समय की बाद था है, समय की सीमा है..</p> <p>मैं माता जी से निवेदन करुंगा की दो से तीन मिनट में अपना संदेश जन साधना को संतो को सब ही को मार्ग प्रशस्त करने की कृपा कर.. माता जी पूज्य मां..</p>	<p>of Queen of Jhansi (Laxmibai) does not come from the outside..</p> <p>In the meantime, I will request at the feet of Mata Archana Giri Ji Maharaj who has arrived from Motichur Dwaar.. There are restrictions of time. There is a limit of time..</p> <p>I would request Mata ji to send her message across people and the saints in just two to three minutes, to pave the way for everyone.. Revered mother..</p>
<p>(01.02.28 )</p>	<p>अर्चना गिरी महाराज</p> <p>ओम नमो नारायण .. मंच पर उपसतीथ सभी संतो की चरणों में कोटि कोटि वंदन है ..</p> <p>आप सब के समक्ष उपस थिथ हमारे संत समाज से जो इतने बड़े संत हैं हम बहुत छोटी हैं उनके समक्ष</p> <p>क्या कह सकते हैं इसिलिए दो शब्द अवश कहेंगे सबसे पहले तो भारत माता का जय घोष..</p> <p>भारत माता की..जय.. वंदे.. मातरम.. वंदे.. मातरम.. वंदे.. मातरम..</p> <p>आप सब यूट्यूब गूगल से जुड़े हुए लोग हैं इस जय घोष को भी खूब समझते और जानते हैं की</p> <p>रहे तिरंगा हाथों में, रहे तिरंगा हाथों में और इंकलाब की बोली हो, रहे तिरंगा हाथों में और इंकलाब की बोली हो,</p>	<p>Archana Giri Maharaj</p> <p>Om Namō Narayan .. I worship the feet of all the saints present on the stage.</p> <p>Sitting in front of all of you, who are such great saints of our saint society. I am very small in front of them.</p> <p>What can you say, that's why two words must be said, first of all, Bharat Mata ka Jai Ghosh..</p> <p>Long live Mother India..</p> <p>Vande Matram.. Vande Matram.. Vande Matram..</p> <p>All of you are people associated with YouTube, Google, understand this very well and know that</p> <p>Tricolors held in hands, Tricolors held in hands and a bid for revolution, Tricolors held in hands and a bid for</p>

<p>और जो भारत मुर्दाबाद कहे.. उनके Seene पर गोली हो.. जो भारत मुर्दाबाद कहे.. उसके Seene पर गोली हो..</p> <p>आप सब के समक्ष देश व धर्म का चिंता का विषय है जैसे हमारे महापुरुष शूरु से ही हम सब ही को संबोधित करते हैं और हम सुनते आए हैं, वो छोटी अवस्था से..</p> <p>ये चिंता का विषय है.. सब ही के लिए है.. बहुत बड़ी आयु नहीं है प्रंतु सुन-सुन के अंदर जो क्रांति जन्म होती है तो उस क्रांति से ही हम सब बने हैं और आज की जो हमारी समाज की जो महिला हमारी साध्वी संत उत्पन हो रही है हमारे समाज में हमारा कार्य करने का इसलिय भी अपेक्षा होता है.. की कुछ चिजे ऐसी है जो मातृत्व से उबरती है.. पुरुष, आप हमारे Gharst से है..</p> <p>आप का मार्ग दर्शन करना हमारा मार्ग दर्शन करना हमारे बड़े संत जनो का हमलोगों का सौभाग्य है कि इनके मार्गदर्शन में हमारा आगे बढ़ने का सहयोग मिल रहा है या हम प्राप्त कर पा रहे हैं.. परन्तु समय ये नहीं है..</p> <p>आज महाराज जी ने जैसा सम्बोधन किया मुस्लमान.. मुस्लमान एक बहुत बड़ा चिंता का विषय बनते जा रहे हैं इसलिए नहीं की हमलोग कम है हमारी गिनती कम हैं।</p>	<p>revolution,</p> <p>But whoever wishes death for India.. A bullet should be on his chest.. And whoever wishes death for India.. A bullet should be on his chest..</p> <p>Country and religion is a matter of concern in front of all of you, as our great men addressed all of us from the very beginning and we have been listening from a young age too..</p> <p>This is a matter of great concern.. Everyone should be concerned. I am not that old, but the revolution that takes place inside of us by just listening and listening. We are born with this revolution and the women of our society, who become our sadhvi (female saints) , expect to work for our society too, as there are some things that are born out of motherhood.. Men too, come from us...</p> <p>It is our good fortune that our great saints are here to guide us, that under their guidance, we get the support we need to move forward.. We are able to achieve this... but this is not the time..</p> <p>Today, as Maharaj Ji addressed Muslims.. Muslims are becoming a matter of great concern, not because we are less, our count is less.</p> <p>The problem is.... that we don't want to think.. At every place.... we are</p>
---	--

<p>समस्या ये है.. प्रॉब्लम यह है की हमलोग सोचना नहीं चाहते.. प्रत्येक स्थान पे.. प्रत्येक जगह पर हम स्वयं को स्थान देते जा रहे हैं.. हमारे महाराज जी अभी आपको बताएगे की हमलोगो का मार्ग दर्शन महाराज जी इस वजह से भी करते है की हम.. हम उनसे अगर व्यापर खरीदी आदान प्रदान कर दे..</p> <p>एक बहुत बड़ी चीज़ है हम सभी के बीच में आवाज़ पहुंच रही है.. हम सभी की समस्या ये है की हम समझने को तैयार नहीं है.. अगर हमारा एक हिन्दू आकर बोलता है की हम खरीदी क्यों करे.. तो दूसरा हिन्दू व्यक्ति आकर बोलता है की हम क्यों नहीं करे..</p> <p>हमको आपको समझने की आवश्यकता है इस समय.. की हमने अगर उनका मठ है.. उन्होंने अपनी मुठी बांध कर रखी है अगर वो 20 भी होंगे तो गलत होते हुवे भी वो 20 को ही साथ देंगे..</p> <p>हम अगर एक है और हमारा एक भी अगर सही है तो इनमे से बैठा हुवा कोई भी आदमी नहीं आएगा.. सब यही बोलेगा की गलती इसकी है.. गलती इसकी है..</p> <p>क्युकी हमलोग स्वयं UP से बिहार से उत्तराखंड से प्रत्येक धारा के प्रत्येक जगह से जुड़े है प्रत्येक समस्याओं को समझते हैं विचरण करते रहते है.. मैंने हर जगह का समस्या यही देखा है.</p> <p>चाहे आप गुजरात ले ले पंजाब ले ले असम ले ले, बंगाल ले ले, एक होना नहीं चाहते..</p>	<p>putting ourselves first.. Our maharaj will tell you now that he guides us because... if we buy or do business with them..</p> <p>This is a very big thing that our voice is reaching all of us.. The problem is that we are not ready to understand.. If one of our Hindu brothers comes and says "why should we buy from them (muslims)".. then another Hindu comes and asks "why we shouldn't" ..</p> <p>We need to understand this right now.. that if they have a monastery.. they have tied their fists, even if they are 20, even if they are wrong, they all will support their people..</p> <p>If we are one and if even one of us is right, then none of the sitting men will come. Everyone will say that it is his fault.. It is his fault.</p> <p>As we ourselves are connected to every places across UP, Bihar and Uttarakhand, we understand each and every problem. I have seen this problem everywhere.</p> <p>Whether you take Gujarat, take Punjab, take Assam, take Bengal, they (Hindus) don't want to unite..</p> <p>We point out immediately.. If I have made a mistake.. If they make a</p>
---	--



हम तुरंत point out करते हैं.. अगर मैंने कोई गलती की है.. वो गलती करेंगे तो उनके लोग दबा देते हैं.. हम गलती करें.. क्यूकी हमारे DNA में ये चीज़ है की अगर हम गलत हैं तो हमारे माता पिता ने हमलोगो का ऐसा लालन पालन किया है की हमलोगों को बताया गया है की गलत को गलत ठहराया जाता है..

परन्तु उनके लिए केवल एक ही विषय है.. हिन्दुओं को बर्बाद करना. हिन्दू राष्ट्र को खंडित करना.. हिन्दुओ पर वर्चस्व प्राप्त करना.. हिंदुओ कि महिलाओ को लव जिहाद में फ़साना.. हिन्दुओ को न न प्रकार के कष्ट देना.. ये कोई नया नहीं है..

क्यूंकि ये है ही राक्षसों कि संताने, हम तो फिर भी ऋषि पुत्र और पुत्रियां कहलाते हैं इनका आदि और अनादि.. राक्षसियो से प्रकट हुवा है आज आप google पर भी search कर लेंगे तो इनके बारे में पता चल जाएगा की इनका motive क्या है.. और कहाँ से इनकी उत्पत्ति हुई है..

तो जो गंद से पैदा होता है.. वो गंद ही फैलाता है..

मगर हमारे आपके भवन तक, आश्रम तक, हमारे अपने प्रियजन हमारी संताने, आप सब हमारी संताने हो, हमारे मंच पर उपस्थित हमारे पूजनीय महाराजो की संताने हो, अगर आपको इतना भी कष्ट होता है तो हमलोगो का हृदय रोमित होता है.. हमारा personal lookout कुछ नहीं है..

आपको सम्भोधित करने का हमें क्या पड़ी हुई है.. हम अपने आश्रम में रहेंगे आराम से

mistake, then their people suppress them. If we make a mistake, because it is in our DNA that we have been brought up by our parents in such a way that we have been told that wrong cannot be justified..

But there is only one topic for them.. to destroy the Hindus. Disrupting the Hindu nation.. Achieving supremacy over the Hindus.. Imprisoning the women of Hindus in love jihad.. Giving all kinds of trouble to Hindus.. This is not new..

Because they (muslims) are the children of demons while we are still sons and daughters of sages.. Their origin and time have been manifested from demons.. Today even if you search on google, you will come to know about them and their motives.. and from where they have originated..

So the one who is born from the dirt.. He will spread the dirt..

But till our house, our ashram, our own loved ones, our children, all of you are our children.. the children of the revered saints present on our stage. If you suffer even a little, then our hearts are filled with pain.. Our personal lookout is nothing in this..

What have we got to address you.. We will live in our ashram, do our

	<p>अपना भजन करेंगे, पूजा करेंगे, हमारे गुरुदेव स्वयं हमें इस बात के लिए डाटते हैं.. तुम्हारी आयु नहीं है लोगों को सम्भोधित करने की.. परन्तु नहीं..</p> <p>आयु होने या हो जाने से नहीं होता.. समझ आने से होता है.. हम प्रत्येक लोग ऐसे ही बैठें रहेंगे.. बैठ के हमलोगों की समस्या यही हो गयी है की वो हमारे हर जगह पे कब्ज़ा कर रहे.. वो हमारे हर जगह को अशुद्ध कर रहे हैं..</p> <p>तो आओ सभी से निवेदन है कि आप उनका उनसे जुड़ाव रखो ही मत.. उनसे व्यापार मत रखो.. उनसे वारता मत रखो.. उनके लिए अपने हृदय में कोई मान सम्मान नहीं रखो.. वो सम्मान के योग्य ही होते तो क्या अपनी बेटियों से बेटी जनते?</p> <p>वो मानुष, मानुष बोल सकते हैं परन्तु राक्षस ही हैं.. वो अपनी संतान से संतान जनते हो.. उनके लिए mantatva कैसा.. हम ममता उनके लिए रखते है जो हमारी समाज हमारे सनातन वैदिक धर्म का सम्मान करे.. हमारे संतों का सम्मान करे.. हमारे ग्रस्तों का सम्मान करे और हमारे हिन्दू का हिंदुत्व का हिन्दू सनातन धर्म का सम्मान करे..</p> <p>ऐसे लोगों का सम्मान करना आप सब बंद कीजिये.. समय बहुत कम है.. इसलिए इतना ही कहूँगी.. की जिनते लोग इस समय उपस्थित हैं सब लोग यहाँ से संकल्प लेकर जाए की हमलोग मुस्लमान से कोई व्यवहार रखना ही नहीं है.. जिस दिन आप उनका boycott करना शुरू करेंगे वो वैसे ही मर</p>	<p>bhajans, worship. Our Gurudev himself scolds us for this.. He says we are not old enough to address people.. but no.</p> <p>It doesn't happen by being or having age.. it happens by understanding.. Each one of us will sit like this.. Sitting here, the problem of us has become that they (muslims) are occupying our every place. They are making our every place impure.</p> <p>So I am requesting you all to not keep any connection with them.. Don't do business with them.. Don't talk with them.. Don't have any respect in your heart for them.. If they were worthy of respect, would they have got daughters from their daughters?</p> <p>They say that they are humans but actually they are demons.. They who give birth to children from their own children, what is humanity for them.. We keep kindness for those who respect our society, respect our Sanatan Vedic Dharma.. Respect our saints.. Respect our holy books.. Gives respect to our Hindus, respect our Hindu Sanatan Dharma..</p> <p>Stop respecting such people. There is no time.. I will say this only that everyone who is present here should take an oath and go back to keep no behaviours with Muslims.. The day you start boycotting them, they will die just like that.. There will be no need to raise a sword to kill them..</p>
--	--	--

	<p>जाएँगे.. उनको मारने के लिए तलवार उठाने की आवश्यकता नहीं होगी..</p> <p>Om Namō Narayan.. हर हर महादेव.. वीर वीर बजरंगी.. हर हर महादेव.. वीर बजरंगी.. हर हर महादेव..</p>	<p>Om Namō Narayan.. Har Har Mahadev.. Veer Veer Bajrangi.. Har Har Mahadev.. Veer Veer Bajrangi.. Har Har Mahadev..</p>
(01.10.23 )	<p>(यति नरसिंहानंद)</p> <p>साध्वी जी ने बहुत अच्छी बात कही, कि मुस्लिमान को मारने के लिए तलवार की आवश्यकता नहीं होगी.. क्योंकि अब तलवार से वो मरेंगे भी नहीं.. तलवार से नहीं मरने वाले हैं वो.. आपको technique में उनसे बहुत आगे जाना होगा वो बहुत अच्छे हथियार लिए हुवे बैठे हैं..</p> <p>देखिये बहुत अच्छी बात साध्वी जी ने कही लेकिन मैं हर वक्ता से एक अनुरोध करना चाहता हूँ की वो दुसरो को बात कहने का मौका दे, ये न कहे की किसी से काम हो जाएगा दूसरे काम से काम हो जाएगा.. हथियार उठाये बिना.. धरती की कोई कौम न तो बच सकती है और न ही बचेगी.. 40 crore की economy है वो..</p> <p>इसीलिए सब वक्त से अनुरोध है की अपनी राय बहुत ज़ोर से रखे लेकिन एक</p> <p>(Crowd repeats)</p> <p>जिसके पास शस्त्र होंगे और शस्त्र दुश्मन से</p>	<p>(Yati Narasighanand)</p> <p>Sadhvi ji said very well, that there will be no need of sword to kill a Muslim.. because now they will not die with swords. They will not die with swords. You will have to be great in your techniques.. They are sitting with very good weapons..</p> <p>Look, Sadhvi ji said a very good thing but I want to make a request to every speaker that he should give a chance to talk to others. Do not say that this will work or that will work. Without taking up arms, no nation on earth has survived or will survive.. They are a 40 crore economy..</p> <p>That is why it is requested from all to keep your opinion very loud but one</p> <p>(Crowd repeats)</p> <p>Whoever has weapons and the weapons are better than their foes, they only will win this war.. Else</p>

	<p>अच्छे होंगे, वहीं युद्ध जीतेगा.. बाकि सब नष्ट हो जाएंगे..</p> <p>भारत माता की.. जय.. हर हर.. महादेव..</p>	<p>everything will be destroyed..</p> <p>Hail Mother India.. Har Har Mahadev..</p>
<p>(01.13.45 )</p>	<p>बोलिये भारत माता की.. जय..</p> <p>पूज्य साध्वी जी का सम्बोधन सुना और स्वामी जी की हृदय की पीड़ा को आप समझ सकते हैं.. आज सभी के हृदय में एक पीड़ा है.. भारत माँ की जो शान है उसको बचाने का आज वक़्त है.. आज सशत्र पीछे गया तो हम अपने आप को खतम पाएंगे.. वो समय चला गया जहाँ पर हम सिर्फ़ सस्त्र से बात करते थे.. आज शास्त्र और सस्त्र दोनों की आवश्यकता है..</p> <p>समय की बाधता है मैं सभी वक़्त से अनुरोध करूंगा, निवेदन करूंगा की समय का विशेष ध्यान रखें और इसी संखराला में दो संघटन और भी हमारे बीच में उपस्थित हुए हैं..</p> <p>Shri Rukmani Seva Sanghatan, Bijnor, इनका हृदय की गहराईयों से अभिनन्दन व स्वागत..</p> <p>भारत माता की.. जय.. भारत माता की.. जय.. भारत माता की.. जय..</p> <p>Rashtriya Gau Rakshak Sangh, यह Padmanath Swami जी का संघ है यह भी राष्ट्र के हित के किये हिंदुत्व के लिए बहुत बड़ा कार्य कर रहे हैं, उनका भी हृदय की गहराईयों से स्वागत..</p>	<p>All hail Mother India..</p> <p>You heard the address of Pujya Sadhvi ji and you can understand the pain in Swami Yati's heart.. Today there is some pain in everyone's heart.. Today is the time to save the pride of Mother India.. If we go back in time, we will find ourselves destroyed.. Gone are the times where we used to talk only with scriptures.. Today both scripture and weapons are needed..</p> <p>Time is a constraint.. I will request all the speakers to take special care of the time and in this order two more organizations have also appeared amidst us..</p> <p>Shri Rukmani Seva Sanghatan, Bijnor, felicitation and welcome from the bottom of our hearts..</p> <p>Bharat Mata Ki.. Jai.. Bharat Mata Ki.. Jai.. Bharat Mata Ki..</p> <p>Rashtriya Gau Rakshak Sangh, this is Padmanath Swami's organization.. They are also doing great work for Hindutva, for the benefit of the nation. They are also welcomed from the bottom of our hearts..</p>

	<p>ज्यादा समय नहीं लेंगे सभी महापुरुषों के चरणों में मेरा बार बार एक ही निवेदन है की समय की सीमा का ध्यान रहे.. तो इसी संघखाला में बहुत ओजस्वी वक्ता है Swami जी हिन्दू राष्ट्र के लिए बहुत बड़ा कार्य करते है..</p> <p>Swami Sagar Sindhu ji maharaj जो Roorkee से पधारे हुवे है मैं उनसे निवेदन करुंगा की वो आये और आकर के अपने विचारो को प्रदान करे..</p> <p>Swami Sagar Sindhu जी Maharaj..</p>	<p>Not taking much time, I have only one request again and again at the feet of all the great men that the time limit should be kept in mind. So there is a very strong speaker among us.. Swami ji does a lot of work for the Hindu nation.</p> <p>Swami Sagar Sindhu ji maharaj who has come from Roorkee, I would request him to come and come and provide his thoughts..</p> <p>Swami Sagar Sindhu Ji Maharaj..</p>
(01.15.30 )	<p>(Swami Sagar Sindhu)</p> <p>(Prayer) हीदस्त विराजमान परमपूज्य श्री गुरु जी महाराज परम पूज्य परम आदरनिये और अपने परमपूज्य गुरु महाराज के बाद, जिन्हे मैं अपने हृदय में सर्वाधिक स्थान देता हूँ.. ऐसे परमपूजनीय Yati Narsinghanad giri ji maharaj उपस्थित मंच समस्त संतगण अवं भारत की वास्तविक आज़ादी में उपस्तित आप सभी नौजवान, आप सब के चरणों में कोट कोट प्रणाम.</p> <p>आज मैं कहना चाहूंगा अनेक बातें यहां हो चुकी है और मेरे बाद में भी होगी क्युकी मैं तो बहुत अग्न सा व्यक्ति हूँ.. बहुत विद्वान लोग यहाँ पर है.. लेकिन मई व्यवहार की बात करता हूँ.. व्यवहार में यदि जीवित रहना है और यदि सन्तानो को जीवित रखना है तो वो करना चोरर दो जो सरकार कहती है.. सबसे क्षमा मांगते हुवे कहता हूँ..</p>	<p>Swami Sagar Sindhu Ji Maharaj..</p> <p>(Prayer) All worshiped saints are sitting here.. After my Guru, whom I give the highest place in my heart, is Yati Narsinghanand ji Maharaj. A worshiped soul amidst all the great saints and also present are the young who are witnessing the real freedom of India.. I greet you all.</p> <p>Today I would like to say that many things have been said before me and will be said after me because I am a very normal person. Many learned people are sitting among us.. But I will talk about behavior.. If you want to survive in this practice and if you want to have children and you wish to keep them alive, then do not follow what the government says.. I seek forgiveness from everyone but I will say..</p>

<p>सरकार के दो विभाग हैं.. एक विभाग है आभकारी विभाग.. खूब मध्य बेचो खूब शराब बेचो खूब पियो.. और दूसरा विभाग है.. मध्य निषेद विभाग वो कहता है शराब पिटे हुवे पकड़े गए तो जेल में चले जाओगे.. इसलिए सरकार कुछ नहीं, नहीं करने वाली और अवतार की अद्भावना को भूल जाओ..</p> <p>जब त्रेता युग था तब मर्यादा पुरषोत्तम Shri Ram आये थे.. पर उन्होंने यह नहीं बोले की मैं बैतुकधारी सुदर्शन चक्र धारी नारायण हूँ.. उन्होंने भी कहा की यदि स्वयं को राक्षसों से बचना है तो हे वन-वाशियों हे निषादियों, ये वानवो तुम्हे अपने अपने शस्त्र उठाने पड़ेंगे और खड़ा होना पड़ेगा इन सब के विरोध में..</p> <p>आज गंगा जमुनी तहज़ीब की बात होती है और जिसमे परमपूज्य महाराज जी का सानिकतय प्राप्त कर लिया हो.. ऐसे व्यक्ति को कुछ लोगो ने बुला दिया गंगा जमुनी तहज़ीब की बात करने के लिए एक जगह में..</p> <p>क्या चल रहा आजकल कुछ संघठनों का भाईचारा, आपसी सामंजस्य, मैंने कहा स्वामी sagar sindhu maharaj ये गंगा जमुनी का तहज़ीब का सबसे बड़ा समर्थक है.. लेकिन कब तक, जब तक यमुना गंगा में मिलकर एक नहीं हो जाती.. जब तक यमुना अपना अस्तित्व नहीं खो देती..</p> <p>मैंने ज्यादा आयुर्वेद नहीं पढ़ा, ज्यादा शास्त्र नहीं पढ़े.. मैं तो by mistake आ गया, स्वामी जी के तरह आधुनिक पढ़ाइयाँ ज्यादा करि है.. लेकिन फिर भी आयुर्वेद में एक बार मैंने पढ़ा की जो भोजन हमारे शरीर के अंदर में जाता है वो अविशस्त बन कर दो तरह से आता है.. या</p>	<p>There are two departments of the government.. one department is the excise department.. Which asks to sell and drink a lot of liquor.. The other is the prohibition department which prohibits drinking.. That is why the government does nothing.. They are not going to.. And also forget about doing good..</p> <p>When it was Treta Yuga, then Lord Ram had come.. But he did not say that I am wearing a Baituk-dhari Sudarshan Chakra and I am Narayan. He also said that if you want to save yourself from the demons, then O forest dwellers, O Nishadis (Caste: boatmen), take up your arms and stand up against all this..</p> <p>Today there are talks of Ganga-Jamuni Tehzeeb (Hindu-Muslim brotherhood) and in which one has attained lessons from from worshiped Maharaj.. Such a person was called by some people to a place to talk about Ganga Jamuni Tehzeeb..</p> <p>What is going on nowadays is brotherhood of some organizations, mutual reconciliation, I said, Swami Sagar Sindhu Maharaj is the biggest supporter of hindu-muslim brotherhood.. But only until the time Yamuna does not merge with the Ganges, until Yamuna loses its existence..</p> <p>I did not read much of Ayurveda, did not read many scriptures.. I have come here by mistake, unlike Swamiji, who did modern studies.. But still in Ayurveda, once I read that the food that goes inside, it comes out only in two ways... Either in the form of stool, which we digest and which we cannot digest, in</p>
--	--

	<p>तो मल के रूप में जिससे हम पचा लेते हैं और जिससे हम पचा नहीं पाते वो वामन के रूप में, उलटी के रूप में..</p> <p>मैं एक बार बिजनौर में कहीं बैठा था तो वहां पर कुछ हिंदू मुस्लिम हो गया था.. गाय काट ली थी क्योंकि गौ सेवा में हूँ.. तो उन्होंने कहा महाराज जी जो गाय खा जाते हैं उसके लिए क्या करेंगे? तो कुछ उनके समर्थक सिगरेट का कश लेते हुए बोले की महाराज जी जो हो गया वो तो वापस नहीं आ सकता, जो हो गया सो हो गया. लेकिन मैंने कहा जो गाय खा जाता है जबतक तुमने उसको खाना शुरू नहीं करा गौ वध नहीं रुकेगा..</p>	<p>the form of vomit.</p> <p>Once I was sitting somewhere in Bijnor where there were some Hindu-Muslim issues.. A cow had been slaughtered.. And as I was in cow service.. So he said, what will Maharaj ji do for the ones who eat cows? So some of his supporters, taking a puff of a cigarette, said that what happened, Maharaj ji, cannot come back, what has happened has happened. But I said those who eat our cows will not stop until you start eating them (muslims) instead..</p>
<p>(01.20.20 )</p>	<p>हमें उसे खाना पड़ेगा.. कहते हैं कैसे.. मैंने कहा सऊदी का मुस्लिमान यदि भारत की धरती पर आये तो उससे सबसे पहले यही कहा जाए अगर गौ मांस तूने खा लिया गौ मांस को तूने छू लिया तो ये लोग तुझे खा जाएंगे.. तो</p> <p>उसके हाँथ से सिगरेट निचे गिर गयी.. मैं आज फिर कहता हूँ.. यह तलवार, हिंदुस्तान अगर मुघलो का गुलाम हुवा तो क्यों हुवा, जो स्वामी जी ने कहा की हम तलवारो से लड़ते गए और उनके पास बंदूके आ गयी.. बाबर यहाँ तोप लेकर आया तब हिंदुस्तान गुलाम हुवा.. क्युकी तोप का मुकाबला करने वाला कोई शस्त्र हमारे पास नहीं था..</p> <p>इसीलिए..Mai baar baar kehta hun.. Mobile paanch hazar wala bhi chal jayega.. Lekin sashtra tumhare paas ek laakh wala kam se kam hona chahiye.. Aur jo talwaar ki baat hai,</p>	<p>We will have to eat them.. they say how.. I said that if the Muslim of Saudi comes to the land of India, then first of all it should be told to him that if you ate beef or even touch the beef, then these people will eat you..</p> <p>Cigarette fell down from his hand.. I will say again today.. This sword, if Hindustan (India) became the slave of the Mughals, why did it happen, which Swamiji said.. that we went to fight with swords and they brought cannons.. Babur brought cannons with him here as we had no other weapons to counter the cannon.</p> <p>That is why I say this again and again.. Mobiles worth rupees five thousand can work, but you should possess weapons worth at least one lakh rupees. Whether it be swords or batons/sticks, I am telling you to keep some in your home at all time so that if you leave with your</p>

<p>laathi dande ki baat hai.. mai kehta hun kam se kam yeh ghar me harr waqt hona chahiye.. Apna shastra lekr tum chale gaye.. toh ghar me kuch aisa hona chahiye ki koi aaye toh jeevit wapnas na jaaye.</p> <p>*Crowd claps*</p> <p>दूसरी बात सरकारी शिक्षा पर मत जाओ.. मैं बार बार कहता हूँ.. जो बच्चों को स्कूल में पढ़ाते हो हम सारा दोष शिक्षा अवस्था को देते हैं की जो नौजवान बिगड़ा है वो शिक्षा अवस्था की देन है.. मैं कहता हूँ नहीं वो माता पिता की देन है..</p> <p>लोगो ने बार बार कहा मैं और स्वामी जी बात कर रहे थे की लोग बार बार कहते हैं की महाराज जी आप कहते हो.. एक दोहा मैं अक्सर कहता हूँ की</p> <p>चार लठ का चौधुरी, पांच लठ का पंच.. और जा कर घर पर छः लाठी वहाँ टंच लगे न मंच..</p> <p>चार लठ से बड़ी बात कभी मैंने नीचे नहीं करि.. और लठ समझ रहे हो ना, वो लठ जहा गड़ जाता है.. वही झंडा लहराता है.. तुम्हारे पास अपने लठ नहीं है.</p> <p>किसी ने आकर कहा की हम दो हमारे दो.. और स्वामी जी ने मुझे नया dialogue सुनाया था की शेर का बच्चा एक ही अच्छा..</p> <p>मैंने कहा महाराज जी इन्हे मेरे uttrakhand में भेजना मेरे तीन कुत्ते एक शेर को भगा देते हैं, मार गिराते हैं..</p>	<p>weapon and someone (Muslims) comes to your home, they don't go back alive.</p> <p>*Crowd claps*</p> <p>Secondly, don't go for government education.. I say time and again.. Those who teach children in school, we give all the blame to the education that the youth who are spoiled.. It is the result of the modern education.. I say no, the spoiled children are parent's gift..</p> <p>People repeatedly said, Swamiji and I were talking, that Maharajji, I repeat a couplet I often say that...</p> <p>(unclear)</p> <p>I have never said anything less than four sticks.. And you understand the meaning of stick. The place where it is stuck, there only does the flag waves.. You don't have your own stick...</p> <p>Somebody came and said that we two, ours two.. and Swami ji told me in a new dialogue that one child of a lion is enough...</p> <p>I said sir, send them to my uttrakhand where my three dogs drive away a lion, and kill him ..</p> <p>And then these pigs (muslims) comes... I say again and again.. digest the one you can digest..</p>
---	---



और फिर यह तो सूअर पैदा हो रहे हैं.. मैं बार बार कहता हूँ.. जिसको पचा सकते हो उसको पचा लो..

आप के यहां से बहार जाते ही लोगो के अंदर एक सूचना जानी चाहिए की अगर हिंदू धर्म स्विकार किया तो प्राण बच सकता है वर्ना ये लोग म्यांमार की तरह यहां से भी हमको मार कर भगा सकते हैं। इसिलिए की हिंदू राष्ट्र बनाना है.. उसके कुछ नितियां हमने कुछ दिन पूर्व दिल्ली में मुलाकात करी थी तो तय करी है लेकिन

आप लोगो से यही कहूंगा, की kise चुनाओ लडना है भाई.. अगर योगी जी ने बच्चों का कानून बनाया तो चुनाओ लडने वालो के लिए बनाया है ना.. तुम सारे के सारे चुनाओ लडोगे क्या? हर घर से प्रधान निकलेगा क्या? नहीं ना.. तो तुमको दस बच्चे paeda देने से किसने रोका है? और अगर तुमसे नहीं पलते है की बात जो लोग ज्यादा तर मुझसे कहते हैं, तो स्वामी जी ने कहा तुम केवल paeda kar दो paal तो हम लेंगे..

तुम केवल paeda कर लो क्युकी जो तंत्र व्यवस्था में होता है उसके अनुरूप हमें कार्य करना पद ता है.. जब तक राज्य तंत्र था तब तक हमने राज्य तंत्र के अनुरूप कार्य किया.. अब लोक तंत्र है तो लोकतंत्र के अनुरूप कार्य करेंगे, जंतंत्र के अनुरूप कार्य करेंगे.. और जनतंत्र क्या कहता है,

जिसके जितने जन, उसके साथ तंत्र है..

जिसके साथ लोग है उसके साथ तंत्र है..  
जिसके साथ प्रजा है उसके साथ तंत्र है.. एक

As soon as you leave, there should be an intimidation to all that if they accept Hinduism then only will their lives can be saved or else these people will kill you like Myanmar and drive you away. Because we have to make it (India) a Hindu Rashtra. For that we have prepared some guidelines a few days ago when in all met in Delhi..

I will say this to the people, that who wants to fight the elections... If yogi ji made a law for children, then it has been made for those who fight elections, isn't it?... Will you all fight the elections? Will leaders come out of every house? No.. no.. So who has stopped you from giving birth to ten children? And if you can't raise them up, what people say to me a lot, then Swamiji said, you only give them birth, we will raise them up..

Just keep breeding because we have to work according to what happens in the system.. As long as there was a state system, we worked according to the state.. Now there is a democracy, then we will have to work according to the democracy.. What does the democracy say,

The more the people, the more the power in democracy..

With whom there are people, there is democracy with them.. Tell me one thing, Swamiji, Bilarsi is in Muzzafarnagar.. You came to Sherpur.. There is one village named Mannanpura... There is one Zubair.. He has 40 children.. and the condition is such that his own wife is pregnant, three daughters are pregnant,

बात बताओ, स्वामी जी bilarsi पड़ता है मुजफ्फनगर में, आप आए थे शेरपुर उसके पास.. वहा गांव है मननपुरन.. एक जुबैर.. नाम का है, उसके 40 बच्चे हैं.. और अवस्था ऐसे है की स्वयं का धर्म पत्नी गर्भवती, तीन पुत्री गर्भवती, पांच बहूए गर्भवती और 40 सदास्य घर में है..

तो जिससे प्रधानी लड़नी है वो तुम्हारी सुनेगा या उसे सुनेगा? तुम्हारे घर में चार लोग मां बाप गांव में रहते हैं, बेटे बहू तो कहीं और है उनका वोट भी कहीं और है.. तो क्यों सुनेगा तुम्हारी..

दूसरी बात अदर्निया साध्वी जी ने कहा है कि इनका अर्थिक बहिष्कार करे, माता हम तो कर रहे हैं, .. किंतो विकल्प क्या है आपका युवा सब्जी का ठेला नहीं लगाना चाहता .. आपका युवा चाय का ठेला नहीं चलाना चाहता .. आपका युवा मिस्त्री नहीं है .. आपका युवा राजमिस्त्री नहीं है .. किससे काम कराएंगे? मैं जहां रह रहा हूं वहां हिंदू आबादी है बगल में मुस्लिम आबादी है कॉलोनी हिंदुओं की है.. बड़ी मुश्किल से एक हिंदू सब्जी वाला तयार कर पाए.. लेकिन 25 सब्जियां वाले है,

आदमी उनसे न खरीदे तो कहाँ जाएगा तो? क्या संभव है? तो संभव वो है जो मैं कह रहा हूं..

या तो अपनी सोच बदलो, विकल तैयार करो.. दूसरा जो स्वामी जी ने कहा की मोबाइल भले ही 5000 का चलाओ, जुता भले गोल्डस्टार का पहनो, लेकिन तुम्हारे बगल में जो हथियार हो वो एक लाख से कम का ना हो..

five daughter-in-laws are pregnant and 40 are already there in the family..

So the one who wants to fight the elections, will he listen to you or will he listen to him? There are four people in your house, parents live in the village, son and daughter-in-law are somewhere else, their vote is also somewhere else.. so why will he (politician) listen to you..

Secondly, Adarnia Sadhvi ji has said that boycott them economically.. Mother, we are doing it, .. But what is the alternative.. Your youth does not want to set up a vegetable cart.. Your youth does not want to run a tea stall. Your youth is not a mason.. Whom will you hire to get the work done? Where I am living there is a Hindu population, next to it there is a Muslim population, the colony is of Hindus.. With great difficulty we asked one Hindu to set up his vegetable cart.. But there are 25 vegetable vendors,

If the man does not buy from them, where will he go? What is the possibility? So only this is possible what I am saying..

Either change your thinking, prepare an alternative.. Second, what Swami ji said, that even if you keep a mobile of 5000, you can wear goldstar shoes, but the weapon next to you should not be less than one lakh..

And keep the swords too, so that if we go away from home.. Our mother, sister, wife (are alone)... And if someone comes.. That's why in the end I want to

और तलवार भले ये भी रखो, की अगर हम घर से हम चले जाएं.. मां बहन पत्नी... अगर कोई आ जाए तो.. इसिलिए मैं अंत में आपलोग को याहि शब्द कहना चाहता हूं घर में कह कर जाए की जो तुम्हारी डेरी में आने कोशिश करे वो जिंदा वापस न जाए.. और वही अंत में कहूंगा अधिक से अधिक संतान पैदा करें..

क्योंकि हमारी चिंता नौजवानों की है, नौजवानों में साधु नहीं दिखेंगे, महतेवेकांशी लोग दीखेंगे इसलिये ज़्यादा से ज़्यादा संतान पैदा करे और इस देश को इस देश की लोकतंत्र को, प्रजा तंत्र की व्यवस्था के अनुसार फिर से हिंदुस्तान बनाये .. फिरसे हिन्दुओ की जगह बनाये

और सन्देश जाए की जो आज हिन्दू धर्म में दीक्षित नहीं होगा उसकी जान नहीं बचने वाली..

इसी के साथ आप सब को प्रणाम और मैंने तो सोचा था की अंतिम दिन बोलूंगा और दो दिन आराम से सुनूंगा किंतु पूज्य स्वामी जी का परम स्नेह रहता है मेरे पे , इसलिये अभी मैंने कह दिया .. फिर भी मैं यहां आप लोगो के बीच में रहूंगा और आप लोगो से बार बार यही कहूंगा की अच्छा से अच्छा शस्त्र, ज़्यादा से ज़्यादा से ज़्यादा से ज़्यादा संतान और विकल्प रोजगार का, जब तक विकल्प रोजगार का नहीं आयेगा तुमलोग काम नहीं कर पाओगे जो parallel व्यवस्था है, सामंत व्यवस्थ तैयार करनी पड़ेगी ,

say these words to all of you... go to the house saying that the one who tries to come (inside the homes) when you are not there, should not come back alive.. And in the end I would say produce more and more children.

Because our concern is about the youth, as sadhus are not seen among the youth today.. Ambitious people can be seen.. So they should produce more and more children and make this country a democracy again, and using democracy declare it a Hindu nation.. Make it the country of Hindus.

And the message should go that the one who does not convert to Hindu religion today, his life will not be saved.

I conclude my speech by greeting you all... I thought I will speak on the last day and will listen to all the great saints these two days.. But Yati Maharaj has immense love for me.. That's why I spoke now.. I will be here among you people and I will tell you again and again that the best weapon, maximum number of children and option of employment, as long as an option to employment will not come, you will not be able to work in a parallel system.. A feudal system will have to be prepared, with this

Jai Hind, Jai Bharat, Jai Hindu Rashtra..

(Chants)

	<p>इसी के साथ जय हिंद, जय भारत, जय हिंदू राष्ट्र..</p> <p>(Chants)</p>	
<p>(01.28.53 )</p>	<p>बोलिये सनातन धर्म की, जय..</p> <p>मैं पुनः सब ही संत चरणों में एक निवेदन करूंगा की समय की कमी है, समय का उलंघन न हो, कार्यकर्म ये निरंतरता तीन दिन चलने वाला है और जो लोग बोल रहे हैं.. जो आज नहीं बोल पाएंगे मैं चरणों में क्षमा प्रार्थी हूँ..</p> <p>भारत मां की शान आन पर, भारत मां की शान आन पर मरने वाले हम हिंदू हैं, धर्म हेत प्राण विसर्जन, धर्म हेत प्राण विसर्जन करने वाले हम हिंदू हैं.. हस हस कर हम अंगारो पर रखने वाले हम हिन्दू हैं.. हस हस कर अंगारो पर चलने वाले हम हिंदू हैं.. और रण में रण चंडी का कपड़ भरने वाले हम हिंदू हैं..</p> <p>आज हिंदुत्व को जगाने का समय आ गया है.. शेर बनो और एक शेर 100 सुरों पर भारी होता है.. आज सुरों की चिंता नहीं की कितनी संख्या में है.. आज का विषय यह की हमसे कितने शेर तैयार होते हैं ..और आज आवश्यकता आन पड़ी है तो तीन दिवस जो स्वामी जी के मध्यम से पूज्य स्वामी सागर सिंधु महाराज ने कितने बढ़िया आयाम और तरीके आपको बताये जो अचन और अपर्णाय हैं।</p> <p>इसी संघखाला में मैं पूज्य mahamandeleishwar Maa Annapoorna Bharti ji से निवेदन करूंगा की वो भी</p>	<p>Sanatan Dharma ki, Jai..</p> <p>I will again make a request to all the saints that there is a shortage of time, time should not be violated, this work is going to continue for the next three days and those who are speaking.. Those who will not be able to speak today, I am apologizing at their feet ..</p> <p>We are Hindus who die on the pride of Mother India, we are Hindus who can die for the sake of religion, we are Hindus who can die for the sake of religion. We are Hindus who walk on coals with smiles.. And we are Hindus who will fill the battlefield..</p> <p>Today, it's time to wake up Hindutva.. Be a lion and a lion is heavier on 100 pigs.. Today don't worry about the number of pigs. The topic is about how many will we able to prepare.. And today the need has arisen, in these three days like Swami Sagar Sindhu Maharaj told you many wonderful ways and methods which are indestructible and irreplaceable.</p> <p>In this order, I will request the revered Mahamandeleishwar Maa Annapoorna Bharti ji that through the medium of her speech, all the warriors who are here today, you all are warriors and no</p>

	<p>अपने वक्तकवा के मध्यम से जो आज यहां जितने भी योद्धा दिख रहे हैं, ये सब योद्धा है, कोई साधरण हिन्दू नहीं है.. सब अपनी अपनी आग को लेकर के यहां सिर्फ हम लोगो से, साधु संतो से, सिर्फ और सिर्फ ये जानना चाहते है की हमे करना क्या है ..</p> <p>तो मेरा सभी से निदान है मातृ शक्ति को साथ लेकर चलना है क्योंकि मां है ये जननी है यही सपुतो और शेरो को जनेगी और ये मातृ शक्ति, मैं माता जी जितने भी साध्वी, जितने भी मताये है सभी से निवेदन करूंगा की आप उन सब माताओ से अपील करें की 4 नहीं अब 10-10 पुत्र पैदा करने की आवश्यकता है .. तो पूज्य mahamadeleshwar ji.. maa annapoorna bharti जी से निवेदन है की वो अपने वक्तव्य को आगे बढ़ाये ..</p>	<p>ordinary Hindu.. All have come here with their own fire, only to know from the great saints, from the sages, of what we have to do..</p> <p>So myrequest to all, is to take mother power with you.. Because our mothers will give birth to sons and lions. This maternal power, I will request all the Sadhvi, all the saints, all our mothers, that you should appeal to all those women that there is a need to produce 10-10 sons, not just 4.. So revered Mahamadeleshwar ji.. Maa Annapoorna Bharti ji is requested to address us all...</p>
<p>(01.31.40 )</p>	<p>Maa Annapoorna Bharti</p> <p>(Prayer)</p> <p>परम पूज्य मेरे गुरुदेव Swami Anandswaroop ji के चारान में नमन करते हुए मैं मंच पर आसीन सभी संतो के चरणों में नमन करती हूँ .. मेरा नमन स्वीकार करे .. Swami Yati Narsinghanad ji Maharaj जिनके लिए मेरे हृदय में कितना सम्मान है ये मैं मेरी आत्मा या ईश्वर जानता है .. दंतवर प्रणाम करती हूँ स्वामी जी आपको यह अवसर प्रदान करने के लिए इस धर्म संसद के लिए सबको बहुत बहुत सुभकामनाये .. बहुत अच्छी बात की मुद्दे से नहीं भटकना है .</p>	<p>Maa Annapoorna Bharti</p> <p>(Prayer)</p> <p>I bow at the feet of all the saints sitting on the stage while bowing down to my gurudev Swami Anandswaroop ji.. accept my bow.. Swami Yati Narsinghanad ji Maharaj for whom I have so much respect in my heart, that only my soul knows.. Or God knows.. I salute you Swamiji. Many many congratulations for this religious parliament and for giving us this opportunity.. Very good thing is to not deviate from the real issue.</p>

Islamic भारत में सनातन का भविष्य ..  
 Islamic भारत से तात्पर्य क्या है ?  
 Islamic भारत से तात्पर्य यह है की अभी  
 भारत इस्लामिक हुवा नहीं है .. लेकिन  
 बनने की व्यवस्था में जा रहा है . और  
 ऐसे में सनातन का भविष्य क्या होगा  
 यह हम अपने भूत से देख सकते है .. जिस  
 तरह से अतिक्रमण हमारे धर्म पर .. हमारे  
 मंदिरो पर , हमारे पुराणों पर , हमारे वेदो  
 पर होता रहा है . और गलत तरीके से  
 presentation किया गया है इतिहास के  
 साथ फेरबदल जब mughal शाशन यहाँ  
 रहा और वही परिस्थिति दुबारा उलटने  
 की हो रही है..

तो महाराज जी मैं आप के चरणों में  
 नमन करती हूँ की आप ने वो जज़्बा वो  
 साहस वो अवसर हम सब को प्रदान  
 किया है यह धर्म संसद नहीं है , ये  
 अलार्मिक situations है .. पुरे भारत वर्ष  
 में अलख जगा रहे है, ऐलान कर रहे है  
 चेतावनी दे रहे है की हिंदुस्तान जो है जो  
 भारत वर्ष जो है वो फिरसे खतरे की ओर  
 जा रहा ही . Islamic बना नहीं हैं लेकिन  
 islamic होने की शिथि में है . जाग जाओ  
 और जागेंगे जब तक Narsinghanand ji  
 यहाँ पर है जब तक हम सब लोग उनके  
 साथ में है , तोह islamic जिहाद को बढ़ने  
 नहीं देंगे .. इसी की शशक्ति कारन के  
 लिए ये धर्म संसद है ..

(01.34.13) बड़ी अच्छी बात महाराज जी  
 ने कही , परेशानिया गिनवाना , कारण  
 गिनवाना , इसकी वजह से ऐसा हुवा ,  
 उसकी वजह से वैसा हुवा , हम वेंडर से न  
 ले , हम मुसलमानो से न खरीदे , हम

The future of Sanatan in Islamic India..  
 What is the meaning of Islamic India?  
 The meaning of Islamic India is that  
 India is not yet Islamic.. But it is going to  
 be as it is in the process of becoming.  
 And in such a situation, what will be the  
 future of Sanatan, we can see it from our  
 past.. The way encroachment has been  
 on our religion.. on our temples, on our  
 Puranas, on our Vedas. And wrong  
 presentation has been made with history  
 when mughal used to reign here... And  
 the same situation is about to be  
 repeated..

Maharaj ji, I bow at your feet that you  
 have given that courage, that opportunity  
 to all of us. This is not a religious  
 parliament, these are alarming  
 situations.. All over India, there are signs  
 of the flames which is declaring a  
 warning that India is again going towards  
 danger. India is not yet Islamic but in the  
 condition of becoming... Wake up and  
 wake up as long as Narsinghanand ji is  
 here, as long as we all are with him, he  
 will not allow Islamic Jihad to grow. Only  
 for this strengthening of Hindus, this  
 religious congestion has been called..

(01.34.13) Very good thing Maharaj ji  
 said, Counting the troubles, Counting the  
 reasons, This happened because of this,  
 Because of that, it happened that way,  
 We don't take it from vendors, We don't  
 buy from Muslims, We don't do such  
 things, We should pay attention on our

<p>फलाना न करे , हम बेटियों में ध्यान दे , हम शिक्षा में ध्यान दे , technique पर ध्यान दे , हम घर न खली करे , लेकिन हो क्या रहा है ?</p> <p>सिर्फ बातें हो रही है .. सिर्फ बातें हो रही है .. लेकिन हम जब करने पर आते है .. तो हमारा मनोबल हमारे ही लोग झुका देते है ..</p> <p>अरे क्या करोगे जैसे अभी महाराज जी में कहा की घर पर मारे जाओगे , अरे शांत रो , महाराज जी अभी बोल रहे थे .. डरना नहीं है ..</p> <p>एक चीज़ समझ लीजिये आप सभी लोग , दिमाग में बिठा लीजिये की सास्त्र के कुछ भी संभव नहीं है .. तो बिना सस्त्र के कुछ भी संभव नहीं है यह तो बिलकुल असंभव सी situation हो गयी है .. आपको सस्त्र और शास्त्र दोनों को साथ में रखना है .. शास्त्र का प्रयोग केवल तब करना है की आपको यह समझ में आ जाये की सस्त्र कब उठाना है .. क्यूकी मेरे पुराण भी यही कहते है की..</p> <p>विनय न मानत जलधि जड़, गए तीनि दिन बीति। बोले राम सकोप तब, भय बिनु होइ न प्रीति</p> <p>वो भाव बनाना है .. swami vivekanand जी ने बात कही की strength is life and weakness is death.. strength.. आप अपने आप में एक सेना है .. मुद्दा सबके सामने है .. समस्या भी सबके सामने है .. मुख्या बात यह है की समाधान क्या है ?</p>	<p>daughters, we should pay attention to education, pay attention to technology, we should not leave the house, but what is happening?</p> <p>Only talks are happening.. only talks are happening.. but when we come to do it.. then our morale is bowed down by our own people.</p> <p>What will you do, like Maharaj ji was speaking now that you will die at your homes.. Stay silent and like Maharaj ji said, don't be afraid..</p> <p>Understand one thing, all of you guys, keep in mind that if nothing is possible without education... Therefore, nothing is possible without weapons. An impossible situation has happened.. You have to keep both the weapon and the scripture together. Shastra has to be used only when you understand when to take up arms.. Because my Puranas also say that...</p> <p><b>(Chants)</b></p> <p>That feeling is to be created.. Swami Vivekanand said that strength is life and weakness is death.. Strength.. You are an army in yourself.. The issue is in front of everyone.. The problem is also in front of everyone.. The main thing is what is the solution? So all the people who are</p>
--	---

	<p>तो मेरा यहाँ जितने भी लोग उपस्थित हैं , संतगण भी मौजूद है .. मेरी युवा भी मौजूद है , मेरी मात्र शक्ति भी मौजूद है .. और मैं स्वयं .. मैं स्वयं से आज इस धर्म संसद के माध्यम से इस बात का वचन देती हूँ maharaj ji को और यहाँ पर मौजूद सभी संत लोग जो मौजूद है उसके witness है और इन सबके सामने मैं सबको वचन देती हूँ की yati maharaj ji के क्युकी मैं जो है islamic भारत अपने जीते जी तो बनने नहीं दूंगी .. मर जाउंगी या मार दूंगी ..</p>	<p>present here, saints are also present.. My youth is also present, my powerful mother is also present.. and I myself.. I promise this through this religious parliament... To maharaj ji and all the saints present here are witnesses of and in front of all, I promise everyone that because of Yati Maharaj ji, I will not let India become Islamic India as long as I am alive.. I will die or kill them. ..</p>
<p>(01.36.25 )</p>	<p>फिर चाहे कोई मुझे godsewadi कहे या gandhi विरोधी कहे , लेकिन अपनी माँ के टुकड़े तो मैं सहूंगी नहीं .. रावण बहुत बड़ा प्रकांड था लेकिन उसकी एक गलती उसको हर साल जलाते है .. कंस कितना भी वैशाली क्यों नहीं था लेकिन अधर्म के पथ पर चलने पर वो किसका शिकार हुवा , दन्त का शिकार हुवा .. वध करना पड़ा उसका ..</p> <p>Similarly if today any demon hovers over my sanatan dharma (religion) or my Hindutva (ideology) as a danger or comes here, I won't think even if you tarnish me like Godse. I will take up the weapon and save my Sanatan Dharma (religion) and Hindutva (ideology).</p> <p>Crowd chants, "Har Har Mahadev."</p> <p>If I can afford a knief, I will buy a knife. If I can afford a sword, I will keep it in that form. I will keep some weapon of</p>	<p>Whether someone calls me the follower of Godse or Anti-Gandhi, but I will not tolerate the pieces of my motherland.. Ravana was a big intellectual but his one mistake and we burn him every year. Kans no matter how powerful he was, when he walked on the wrong path, he received his fate.. He had to be killed..</p> <p>Similarly if today any demon hovers over my sanatan dharma (religion) or my Hindutva (ideology) as a danger or comes here, I won't think even if you tarnish me like Godse. I will take up the weapon and save my Sanatan Dharma (religion) and Hindutva (ideology).</p> <p>Crowd chants, "Har Har Mahadev."</p> <p>If I can afford a knief, I will buy a knife. If I can afford a sword, I will keep it in that form. I will keep some weapon of one</p>



<p>one sort or another. But remember, the power of a mother's hands is equal to a paw of a Lioness. So don't worry, if I can't afford a weapon of lakh rupees, I'm telling you all, don't worry, my claws are like a Lioness, will tear (them) apart.</p> <p>We only need courage. Don't think of yourself as 'weak'. You are a Lion. This is the alarming situation. This is the alarm. This is not Dharma Sansad, this is awareness. Don't think much. It's okay Muslims are growing. But if we take over even today and if we determine, we wake up, we understand their intentions, if we understand their feelings then we will get what we want and there won't be 'Islamic India', with Sanatan Mandate this will soon be declared as Hindu Rashtra.</p> <p>Maharaj Ji, I promise, even if I die it's not a worry. But, you all promise that in 2029 you won't let a Muslim become the Prime Minister. Make yourself efficient, increase your population and kill them (Muslims). If we want to end their (Muslims) population, we are ready to kill them (Muslims) and ready to go to jail.</p> <p>If a hundred of us become soldiers and even kill their (Muslims) 20 lakh (people), we are winners, we are</p>	<p>sort or another. But remember, the power of a mother's hands is equal to a paw of a Lioness. So don't worry, if I can't afford a weapon of lakh rupees, I'm telling you all, don't worry, my claws are like a Lioness, will tear (them) apart.</p> <p>We only need courage. Don't think of yourself as 'weak'. You are a Lion. This is the alarming situation. This is the alarm. This is not Dharma Sansad, this is awareness. Don't think much. It's okay Muslims are growing. But if we take over even today and if we determine, we wake up, we understand their intentions, if we understand their feelings then we will get what we want and there won't be 'Islamic India', with Sanatan Mandate this will soon be declared as Hindu Rashtra.</p> <p>Maharaj Ji, I promise, even if I die it's not a worry. But, you all promise that in 2029 you won't let a Muslim become the Prime Minister. Make yourself efficient, increase your population and kill them (Muslims). If we want to end their (Muslims) population, we are ready to kill them (Muslims) and ready to go to jail.</p> <p>If a hundred of us become soldiers and even kill their (Muslims) 20 lakh (people), we are winners, we are ready to be jailed. If you come with such a</p>
--	--

	<p>ready to be jailed. If you come with such a passion (of killing), only then you'll be able to save Sanatan (Religion) and remember, for the security of Bharat Mata (Nation) and Sanatan Dharma (Religion), you'll have to become soldiers. Leave pen and paper, and take up the weapons in your hands.</p> <p>ऐसा जज़्बा लेकर आओगे तभी सनातन को बचा पाओगे और ध्यान रखना इस भारत माता की इस सनातन धर्म की रक्षा को सैनिक ही बनना पड़ेगा .</p> <p>.....</p> <p>इसी के साथ सभी लोग नारा लगाएंगे ,</p> <p>जय हिन्दू राष्ट्र .. जय हिन्दू राष्ट्र .. भारत माता की ... जय .. भारत माता की ... जय .. Om Namo Narayan..</p>	<p>passion (of killing), only then you'll be able to save Sanatan (Religion) and remember, for the security of Bharat Mata (Nation) and Sanatan Dharma (Religion), you'll have to become soldiers. Leave pen and paper, and take up the weapons in your hands.</p> <p>If you bring such a spirit, then only you will be able to save Sanatan and keep in mind that the defense of this Sanatan Dharma of Mother India will have to become a soldier.</p> <p>With this everyone will chant...</p> <p>Hail, Hindu Nation.. Hail, Hindu Nation.. Hail, mother India.. Hail, mother India.. Om Namo Narayana..</p>
(01.39.35 )	<p>बोलिये सनातन धर्म की .. जय ..</p> <p>ये शेरनी की दहाड़ है . यह माँ नहीं है .. हम अपने असुरों के संघारक हैं .. हम अपने असुरों के संघारक हैं ..</p> <p>और दुश्मन दल के काल बने .. और दुश्मन दल के काल बने .. माँ दुर्गा और माँ काली पारवती .. काली माँ सम्भ विकराल बने ..</p>	<p>Say Sanatan Dharma.. Jai..</p> <p>This is the roar of a lioness. I am not a mother of kindness.. We are the destroyer of our demons.. We are the destroyers of our demons..</p> <p>And we become trouble for our enemies.. And we become trouble for our enemies.. Maa Durga and Maa Kali Parvati.. Kali Maa.. all are formidable..</p>

आज वो मात्र शक्ति जिसको उस रूप की आवश्यकता है ..jo महाकाली जो प्रलय को लाने वाली है .. आज भी है .. आप देख सकते है .. माताजी की सम्बोधन से आप समझ गए होंगे की कितनी माँ के अंदर शक्ति है ये सपुत्रो को जान सकती है तो दुष्टो के संघार करने में भी अपने आप को सबसे अकड़े महसूस करती है .. ऐसे माँ के लिए जय घोष .. बोलिये दुर्गे माँ की .. जय ..

मैं सबसे निवेदन बार बार करूंगा इस बात के लिए की समय की सीमा का उलंघन न हो . आप सभी के चरणों में ये बारम्बार निवेदन है .. इसी संघखाला में हमारे मध्य में सामाजिक सेना का नेतृत्व करने वाले पूज्य swami vinod maharaj जी पधारे , स्वागत अभिनन्दन .. swami shyamprakash ji पधारे , उनका भी स्वागत अवं अभिनन्दन .. स्वामी Kamleshanand saraswati ji maharaj हम लोगो के मध्य पधारे , उनका भी स्वागत अवं अभिनन्दन ..

हम सब के अग्रज .. हम सबको मार्ग प्रसस्त करने वाले .. पूज्य Swami narayan sanstha के संचालक .. पुरे हरिद्वार में हम swami narayan को नहीं जानते थे ..

हम सभी के मध्य में पूज्य Darshan bharti ji पधार रहे है उनका भी हृदय की गहराईयों से स्वागत अभिनन्दन .. एक बार सब लोग कर्तन ध्वनि के साथ में ..

Today the power of motherhood is needed in that form.. of Mahakali who is going to bring apocalypse.. Even today.. you can see.. From Mother's address, you must have understood that how much power is inside a mother, she can give birth to sons and also while fighting the wicked, she feels the most stubborn..

(Chants )

I will make the request again and again to ensure that the time limit is not violated. This is a repeated request at the feet of all of you.. In this order, revered Swami Vinod Maharaj ji of the Social Army (Samajik Sena) is arriving among us. Welcome and greetings.. Swami Shyamprakash ji came, he is also welcome and Greetings to him..

The forerunner of all of us .. the one who paved the way for all of us .. the director of revered Swami Narayan sanstha .. we did not know Swami Narayan in the whole of haridwar ..

Pujya Darshan bharti ji is coming in the midst of all of us, welcome greetings from the bottom of the heart.. Once everyone with the sound of chanting.. The Hindu emperor who is laying down his life for the Hindu nation,

	<p>हिन्दू सम्राट जो हिन्दू राष्ट्र के लिए अपने प्राणों को निछावर करते हुवे पुरे देश में हिंदुत्व का अलख जगाने वाले swami ji का अभिनन्दन अवं स्वागत ..</p> <p>करतम ध्वनि के साथ एक बार हमलोग उनका स्वागत करेंगे .. Pujya Swami Hariwallabhdas Shastri ji maharaj मैं उनका एक छोटा पुत्रवत स्नेह स्वामी जी का मेरे ऊपर सदा रहा है और स्वामी जी ने पुरे हरिद्वार के अंदर ही नहीं पुरे देश के अंदर पहचान युवाओ की हो इसके लिए बहुत परायस किया है .. और मई swami ji के चरणों में हमेशा प्रतिनिवेदित करता हूँ .. Pujya Swami Hariwallabhdas Shastri ji maharaj..</p>	<p>Swami ji, who awakened the light of Hindutva in the whole country... heartily congratulations and warm welcomed</p> <p>Everyone with the sound of chanting will welcome revered Swami Hariwallabhdas Shastri ji maharaj.. I have been blessed to be loved like a son of Swamiji.. And he has done a lot of efforts to recognize the youth not only in Haridwar but in the whole country.. And I will always remain at the feet of swami ji.. Swami Hariwallabhdas Shastri ji maharaj..</p>
(01.42.55 )	<p>Swami Hariwallabhdas Shastri ji maharaj</p> <p>बोलो भारत माता की ... जय .. वनडे .. मातरम .. वनडे .. मातरम .. Jai Swami Narayan..</p> <p>आज यहाँ परमपूज्य mahamadeleshwar yati swami narsinghanand ji maharaj अवं उपस्थित सभी संतगण अवं सभी युवाओ को .. अभी अभी जो संतो ने सुझाव दिया .. इसीमे .. हम उसी के साथ है..</p> <p>लेकिन अमुकोमुक अपना युवाओं में जो कमी है यह कमी अपने को दूर करनी पड़ेगी .. अभी यहाँ धर्म संसद स्वामी जी महाराज ने अभूत किया है .. इसी में</p>	<p>Swami Hariwallabhdas Shastri ji maharaj..</p> <p>(Chants)</p> <p>Today here Param Pujya mahamadeleshwar Yati Swami Narsinghanand ji maharaj and all the saints present and all the youths.. just now what the saints suggested.. in that.. we are with him..</p> <p>But what is lacking in our youth, this deficiency will have to be overcome by ourselves. Right now the Dharma Sansad has been organised by our Swamiji Maharaj.. In this our youth of</p>

हमारे हरिद्वार के युवाओ दीखता नहीं है .. हरिद्वार के अंदर बहुत आश्रम और मठ मंदिर है , युवाओ भी ही .. और जब भी अपना personal programme होता है तभी सब दौड़ दौड़ कर आते है .. जब एक हिन्दुओ के लिए swami narsinghanand ji maharaj कहि दूर से आकर के हरिद्वार में ये धर्म संसद का आयोजन करते है तभी अपने को दौड़ कर पहुंचना चाहिए था ..

मैं अभी गुजरात में था .. अभी परसो आया .. कल फोन आया .. हमने कहा की हम जरूर पहुंच जाएगी .. तो आया .. वैसे अपना दिल में एक खुमार ये होनी चाहिए की हिन्दुओ के लिए ये संत समाज मेहनत करते है तो अपने इसमें क्या सहयोग दे सकते है ..

उसकी बात सुन के चले जाना है या उसको द्रण्ड करना है .. उसको हृदय में ऐसे दरिंदा से पकड़ना चाहिए .. स्वामी जी का वनवार हिन्दुओ के लिए , मंदिरो के लिए , राष्ट्र के लिये , समाज के लिए दौड़ते रहते है .. प्रत्यन करते है उसके ऊपर बहुत लोगो को लगता है की उसके साथ कोई नहीं है, इनके साथ पूरा संत समाज है .. इसके साथ आप सब है .. लेकिन जरूरत होती है तभी बहार निकलना चाहिए .. बात करने से कुछ नहीं होता है .. कर के दिखाना चाहिए .. ऐसे स्वामी जी महाराज ने आहूत किया है .. बच्चे के लिए .. सीआरओ के लिए पर अपने पास तो होना जरूरी है ..

अभी किस किस के पास हथियार है ?

Haridwar are not visible.. There are many ashrams and temples in Haridwar, and there are youths.. And whenever there is a personal program, then everyone runs. Come running to join the programme.. But when swami narsinghanand ji maharaj comes from far away and organizes this Dharma Sansad in Haridwar for Hindus, only then he should have reached by running..

I was in Gujarat.. Came yesterday.. I received a call yesterday.. I said that I will definitely reach.. So I came here.. Well, there should be an influence in our hearts that these saints are working hard for us, Hindus. Think about what we can contribute in this

He has to go away after listening or he should have strong resolve.. He should have strong resolve in his heartl.. Swamiji's war is for the Hindus, for the temples, for the nation, for the society and he keeps running and trying.. In that, many people think that there is no one with him.. The whole saint society is with him.. You all are with him.. But only when there is a need, one should come out.. Nothing happens by talking .. should be shown by doing .. This is what Swami ji maharaj has called for.. for the child .. but it is necessary to have it with you ..

Who has a weapon now? Raise your

हाँथ उचा करो तो पता लगेगा .. 5-25 के पास है भाई .. सबके पास होना ज़रूरी है .. और हम पूछेंगे की आपके बच्चे कितने है .. बच्चे कितने है .. तो आप आवाज़ उचि करो की एक है दो है कितना है भाई .. देख लो .. तो वो अमल वाली आपको करनी पड़ेगी न .. आप ग्रष्ट क्रम में बैठे ही .. तो उसकी अमलवाड़ी आपको करनी पड़ेगी .. समझे की नहीं .. संत समाज चाहते हैं की भाई आप के बच्चे है उसका लालन पालन करना हो तो हमलोग बैठे है ..

हमारे स्वामी नारायण संप्रदाय की 150 संस्थाए है .. 150 संस्थान के हम बच्चो को पढा लिखा कर होशियार बना कर कई कई राष्ट्रों में कई कई country में अभी यह बच्चे पहुंच गए है और यह हमारी सम्पृदायी का भरण पोषण करते है , सहयोग देते है ..

हमने गुरुकुल की सथामपाना की , 60 साल हो गए , कितनी ? 60 साल . 60 साल में कितने बच्चे बहार गए होंगे ? कितनी संस्कृति की रक्षा होती है .. यह करनी ज़रूरी है ..

हम swami satyamitra ji maharaj और हरिद्वार वृन्दावन अयोध्या के mahamadeleshwar के संत के अंदर 1008 कुंडली यग्न था , तभी swami satyamitraji बोले की शास्त्री जी आपका swami narayan sampradhay का प्रचार प्रसार उसका कारन क्या है ?

तो हमने यह किये की maharaj ji हम

hand and you will know.. 5-25 people have it.. But it is important for everyone to possess one.. And we will ask how many children do you have .. how many children are there .. then you should raise your voice.. one or two? how much is kids do you have brothers? .. Look .. then you will have to do that implementation.. Do you understand. Sant Samaj wants to raise your children,.. If you want to take care of them then we are sitting here..

There are 150 organizations of our Swami Narayan sect. We educated the children of 150 institutions and made them intelligent and send them to many countries... now these children have reached and they feed our wealth, give support..

We established Gurukul, it has been 60 years, how much? 60 years... How many children have come out in 60 years? How much culture is protected.. it is necessary to do this..

Swami Satyamitra Ji Maharaj and sages of Haridwar, Vrindavan and Ayodhya, we had 1008 "kundli yagan", only then he asked me how Swami Narayan Sampradhaya is being advertised?

So we said that maharaj ji, what we have learned, we teach our devotees and

जो सीखे हैं पढ़े लिखे हैं वो हमारा भक्तों को शिष्यों को सिखाते हैं .. और हमारे संत समाज यह बैठे हैं और शिष्य कोई बनाते नहीं हैं .. बनाये हैं तो एक दो बनाते हैं .. एक के दो बनाते हैं और एक एक दो बनाते हैं और शिष्य कोई भी व्यस्थित नहीं होते हैं तो हमारी वो है ने बिखर जाती है ..

लोगों के पास से एक एक रुपया एककृता किया है .. और ये संस्थान में बिखर जाती है .. हम संत समाज को भी कहना चाहता हूँ के आप कम से कम 5 शिष्य तो होना चाहिए ..

हमारा सम्प्रदाय पर जो संत हैं mundudhari कहते हैं .. mundudhari को 5-10-50 और 250-250 शिष्य है .. मेरे जैसे साधु .. 250-250 एक साधु का शिष्य है .. वैसे आपका बच्चा है , वो हमारी संस्थान का मालिक बनेगा और सत्संग का समाज का राष्ट्र का रक्षण करेंगे और अब तोह संत्संग सुनाएगी ,

यही हमारी Swami Prabhanand Ji, Smritananad ji हो , हम हरिद्वार के अंदर ये युवा साधुओं को ज्यादा support देते हैं .. और उसका गुरु जी को कहते हैं की उसको महंत बना दो उसको इसी में जोड़ दो संस्थान में ..

बहुत साधुओं को हमने जोड़ा है .. इसका कारण वही है .. तभी संस्थान बचेगी .. संस्थान बचेगा तो आपका भक्ति बचेगा .. आपका आना जाना लगा रहेगा .. इसलिए आप के पास ज्यादा बच्चा बनेंगे

disciples.. And our saint society is sitting here.. I am saying this that no one makes disciples.. Even if they do, then only one or two disciples have been trained.. Only one or two and one disciples are trained and they do not settle.. Everything scatters to the ground..

We have collected one-one rupees from the people.. Which is scattered in these institutions.. We also want to tell the saint community that you should have at least 5 disciples..

The saint who is in our institutions is called 'Mundudhari'.. He has 5-10-50 and 250- 250 disciples.. A sage like me teaches 250 disciples.. By the way, your child, will become the owner of our institutions and will protect the satsang, the society, the nation.. Then only Satsangs will be held..

This is our Swami Prabhanand ji, Smritananad ji, we give more support to these young sadhus inside Haridwar.. and tell his guru ji to make him a mahant, add him to this institution..

We have connected many sadhus.. the reason for this is the same.. then only the institution will survive.. if the institution survives then your devotion will be saved.. your coming and going will continue.. That's why if you have

<p>तो ये संत समाज बैठे है , हैना , उसका ललन पालन करेंगे , और उसकी अमलवाड़ी होनी चाहिए</p> <p>Swami Narsinghanand ji Maharaj एक अकेला नहीं है .. उसके साथ ये संत समाज सब बैठे है .. सब साथ में है .. उसका अमल करो .. आप और हम .. हमे</p> <p>देखि डेढ़ साल से संस्थान को छोड दिया है , हमारा साधु है न हमने इससे सौंप दिया है .. हमारी आयु 65 साल की हो गयी है .. तो 65 साल के हमने चोड दिया है ..</p> <p>हमरा साधुओ को हमने तैयार कर दिया है .. Surat में वो संस्थान है .. Vrindavan में है .. Haridwar में है .. लेकिन हम छोड के देखते है की ये क्या कर सकते है . समझ में आया ?</p> <p>वैसे आपके बच्चे को भी ऐसे संयोग दो और आगे बढ़ो .. हम swami narsinghanand ji maharaj के साथ है जहा कहेंगे वहां हम खड़े है ..</p> <p>वैसे आपका हरिद्वार के अंदर खूब खूब जैकारा है और भगवन सब का सर्व प्रकार मंगल करे ऐसे भक्तो को शुभ आशीर्वाद और संतो को चरण में नमन कर के मेरी बरी को विराम करता हूँ ..</p> <p>बोलो भारत माता की .. जय .. बोलो भारत माता की .. जय .. Jai Swami Narayan..</p>	<p>more children, then this saint society is sitting here... We will look after his upbringing, and he will be righteous.</p> <p>Swami Narsinghanand ji Maharaj is not alone.. this saint society is sitting with him.. we all are together.. We will follow him.. you and us all..</p> <p>Look at us, we have left the institution for one and a half years now.. We are now 65 years old.. We have left handling the institution at this age.. We have monks to whom we handed over our institutions...</p> <p>We have prepared our sadhus for our institutes that are in Surat .. in Vrindavan .. in Haridwar .. We have left to overlook what they can do. Did you understand ?</p> <p>By the way, give such opportunities to your kids as well and go ahead.. We are standing with Swami Narsinghanand ji Maharaj.. Wherever he will ask us to be, we will be standing there..</p> <p>Well you (Yati) have a lot of praises inside Haridwar and may God bless all such devotees. By bowing at the feet of saints, I hereby conclude my speech..</p> <p>(Chants)</p>
---	--



<p>(01.52.00 )</p>	<p>बोलिये .. सनातन धरम की .. जय . जोश काम नहीं होना चाहिए .. सनातन धर्म की .. जय ..</p> <p>जितने भी संघ के और जितने भी हिंदुत्व संघ के जो भी hindu vahini या जितने भी संगठन है और जो लोग आ रहे है, उनका हृदय की गहराईयों से अभिनन्दन है . और मैं सभी से निवेदन करना चाहूंगा की आप समर्थन दिखा रहे है .. सब कुछ कर रहे है ..</p> <p>पर अदिव्यस्था नहीं होनी चाहिए .. जो जहा खड़े है वही बैठ जाए .. इस कार्यक्रम में संचालक दुसरो का मार्गदर्शन करना है और अध्वयवस्थान फैलाये .. जो जहा खड़े है स्थान बहुत है .. यथा स्थान पर सभी लोग बैठ जाए ..</p>	<p>Say.. of Sanatan Dharam..</p> <p>All the organizations - Hindu vahini or all the organizations of the Hindutva organizations and the people who are coming, are greeted from the bottom of the heart. And I would like to request everyone that you are showing support.. doing everything..</p> <p>But there should be chaos.. Wherever one is standing, he should sit.. In this program, the operator has to guide others to not spread chaos.</p> <p>There is a lot of space where people are standing.. Everyone should sit at their designated places..</p>
<p>(01.53.05 )</p>	<p>आज इस त्रि दिवस्य धर्म संसद की सभा में मूल विषय उससे नहीं भूलना है हमे , islamic bharat में सनातन का भविष्य ..</p> <p>swami ji की जो कल्पना है .. जो इस समय स्थिति है उस स्थिति के अनुसार बहुत बड़े गरताक्या है swami जी और गणित के सूत्रों के अनुसार उन्होंने यह आकलन कर दिया है</p> <p>यदि स्थिति में परिवर्तन नहीं हुवा और हिन्दू नहीं जगा तो 2029 में हिन्दू सशक्त जो है वो मुस्लमान होगा .. इसलिए ऐसी स्थिति न बन पाए यह हमे सबको आश्वासन ही नहीं दिलाना है swami ji को, परन्तु यह कर के दिखाना</p>	<p>Today, in this three-day religious parliament assembly, we should not forget the basic theme i.e, the future of Sanatan in islamic bharat..</p> <p>What is the imagination of swami ji.. which is the situation at this time, according to that situation and mathematical calculations, he has done this assessment</p> <p>If the situation does not change and Hindus do not wake up, then in 2029 the Hindu who is strong will be Muslims. It was established and will remain a Hindu nation. That's why we don't just have to assure Swamiji that such a situation will not arise, but for him, we have to establish it as a Hindu nation and it will remain a Hindu nation..</p>

	<p>हैं की हम हिन्दू राष्ट्र ही स्तापित था और हिन्दू राष्ट्र ही रहेगा ..</p> <p>इस विषय पर ही हम चर्चा करेंगे बहुत बड़ी समस्या है इसी संखाका में में परम पूज्य swami anand swaroop ji maharaj जी से निवेदन करूंगा उनके चरणों में की swami ji निवेदन सभी संत महापुरुषों से मेरा यही है की समय की बढ़ता है बोलने वाले महापुरुष बहुत है अपनी बात को short में और गागर में सागर भरने की कृपा करे .. pujya swami ji maharaj.. Swami ji दो से पांच minute के बीच में अपनी बात को पूरा करे ..</p>	<p>We will discuss this subject only.. This is a very big problem. In this number I will request revered Swami Anand Swaroop ji maharaj ji and my request is to all the saints, that there is limited amount of time. There are many great men who will speak. Please limit your speech to a few minutes and fill the sea of our imagination with your small talks.</p> <p>Revered Swami ji maharaj..</p> <p>Swami ji should complete his talk in between two to five minutes..</p>
<p>(01.54.40 )</p>	<p>Swami Anand Swaroop</p> <p>(Prayer)</p> <p>(Chants)</p> <p>एक आग्रह है की जो जितने संसद बैठे है इसमें वो सभी लोग एक जगह बैठ जाइये और बैठ कर के चुकी ये संसद लगी है .. Yati Narsinghanad Giri ji Maharaj के नेतृत्व में .. मंच पर विराजमान अनन्या संत swami prabhodanand giri ji maharaj, mahamandeshwar roopendra prakashji maharaj, swami darshan bharti ji maharaj, mahamandeshwar Annapoorna bharti ji, Archana giri ji maharaj,</p>	<p>Swami Anand Swaroop</p> <p>(Prayer)</p> <p>(Chants)</p> <p>There is a request that all those people who are standing in this Parliament should sit in one place. This Parliament was established under the leadership of Yati Narsinghanad Giri ji Maharaj.. Other saints like Swami Prabhodanand Giri ji Maharaj, Mahamandeshwar Roopendra Prakashji Maharaj, Swami Darshan Bharti ji Maharaj, Mahamandeshwar Annapoorna Bharti ji, Archana Giri ji maharaj,</p> <p>We were just listening to Maharaj ji.. He gave us such a good plan, Maharaj ji, I bow at your feet. There are very few</p>

अभी महाराज जी को सुन रहे थे हमलोग इतनी अच्छी योजना बताया महाराज जी ने आपके चरणों में मैं प्रणाम करता हूँ ऐसे संत बहुत कम है .. वैसे कुम्भ में तो उत्सव मूर्तियां बहुत सी दिखती है आप लोगो ने देखा होगा , ये बड़े बड़े mandeleshwar बड़े बड़े रथ , क्या सब दीखता है , लेकिन जब धर्म से लड़ने की बरी आती है तो मुठी भर संत है .. और संत सब इस मंच पर उपस्थित है ..

इतना ऊंची आवाज़ मैं कहिये की वो जो उत्सव मूर्तियां इस हरिद्वार की प्रागण में बैठी है , haridwar तीर्थ नगरी है , स्वाभाग्यशाली है की इस भारत भूमि में एक मात्र Municipal जहाँ सिर्फ हिन्दू रहता है .. महाराज जी वह धर्म संसद हो रही है .. यहाँ कोई मुस्लमान नहीं है .. मुस्लमान आ भी नहीं सकता .. रह भी नहीं सकता .. व्यापार नहीं कर सकता .. प्रवेश वर्जित है .. ऐसी पूज्य मालवी जी की चरणों में मैं यह से प्रणाम निवेदित कर रहा हूँ ..

From here, I request the memorandum of 1915, however the Hindu Mahasabha has fallen apart today but the demands that were raised in the Hindu Mahasabha of 1915, that are still relevant today..

I continue to repeat that matter, Yati ji gets furious. But as this is the platform to express our opinions, everyone has the freedom to do so. Everyone has the freedom, raise their opinions. I have requested Maharaj ji (addressing

such saints.. By the way, we see many festive idols during Kumbh. You people must have seen the great Mahamandeshwars and their chariots.. But when it is time to fight for the religion, then only a handful of saints arrive. And all such saints are present here on this stage..

Say it in such a loud voice that the festival idols who are sitting in the courtyard of this Haridwar.. Haridwar is a pilgrimage city, it is the only fortunate land in India, only one Municipality where only Hindus live.. Maharaj ji this religion parliament is happening.. there are no muslims here.. Muslim can't even come.. can't stay here.. They can't do business.. Their entry is forbidden.. I greet all the revered saints present here..

From here, I request the memorandum of 1915, however the Hindu Mahasabha has fallen apart today but the demands that were raised in the Hindu Mahasabha of 1915, that are still relevant today..

I continue to repeat that matter, Yati ji gets furious. But as this is the platform to express our opinions, everyone has the freedom to do so. Everyone has the freedom, raise their opinions. I have requested Maharaj ji (addressing Narsinghanand) whatever conclusion that will come out after the three days of

<p>Narsinghanand) whatever conclusion that will come out after the three days of this seminar, that would be religious notice. And that notice...will be acceptable to the democratic governments running in Delhi, Uttarakhand, Uttar Pradesh and other places.</p> <p>If they won't accept then the battle that'll be fought, will be more horrifying than the battle of 1857.</p> <p>Crowd cheers *Har Har Mahadev"</p> <p>We have Yati Narsinghanand as Arjun, now our search to find Krishna is underway and if we don't find Krishna, Arjun (Yati Narsinghanand) will lead as Krishna.</p> <p>I'm saying these words in front of you because..</p> <p>This Islamic conspiracy will continue to go on in between...the powercut will continue to occur..Don't be scared, our voice is already lofty so it will go too far...</p> <p>अभी महाराज जी मैंने मांग रखा है , आप सभी के समक्ष रखा है क्युकी यह संवैधानिक संविधान की दुहाई देने वालों के लिए .. यहाँ संवैधानिक रूप से -</p> <p>Hindus' dharma nagri (city of religion) is tirth nagri (Haridwar). Every year on</p>	<p>this seminar, that would be religious notice. And that notice...will be acceptable to the democratic governments running in Delhi, Uttarakhand, Uttar Pradesh and other places.</p> <p>If they won't accept then the battle that'll be fought, will be more horrifying than the battle of 1857.</p> <p>Crowd cheers *Har Har Mahadev"</p> <p>We have Yati Narsinghanand as Arjun, now our search to find Krishna is underway and if we don't find Krishna, Arjun (Yati Narsinghanand) will lead as Krishna.</p> <p>I'm saying these words in front of you because..</p> <p>This Islamic conspiracy will continue to go on in between...the powercut will continue to occur..Don't be scared, our voice is already lofty so it will go too far...</p> <p>Now Maharajji, I have placed a demand, I have placed it in front of all of you because it is for those who cry in the name of constitution..</p> <p>Hindus' dharma nagri (city of religion) is tirth nagri (Haridwar). Every year on 25th December Christmas is celebrated in</p>
---	--

<p>25th December Christmas is celebrated in this city...I said Christmas won't be celebrated..</p> <p>*Crowd claps*</p> <p>Eid won't be celebrated...</p> <p>*Claps continue*</p> <p>And the hotel owner who will celebrate Christmas and Eid, will save their glass windows and doors..will save their hotels...we won't be responsible for any of it...</p> <p>I said you are doing unconstitutional work that's why we resisted and your glasses got broken...you care about it..but..it has been decided that this time on 25th December, Christmas won't be celebrated in Haridwar...</p> <p>Crowd cheers "Har Har Mahadev"</p> <p>About that Islamic India...your body must be shivering by just thinking about it...</p> <p>महाराज जी ने जो खाचा रचा है और जो बताया उसका उदाहरण अपने afghanisthan में देखा है .. इनकी 72 फिरके हैं .. इन 72 फिरके एक दूसरे को काफिर कहते हैं .. अब पता नहीं काफिर कौन है .. जिसको ये पता ही नहीं काफिर कौन है ऐसे मंबुद्धियों से ऐसे बुधहीनो से</p>	<p>this city...I said Christmas won't be celebrated..</p> <p>*Crowd claps*</p> <p>Eid won't be celebrated...</p> <p>*Claps continue*</p> <p>And the hotel owner who will celebrate Christmas and Eid, will save their glass windows and doors..will save their hotels...we won't be responsible for any of it...</p> <p>I said you are doing unconstitutional work that's why we resisted and your glasses got broken...you care about it..but..it has been decided that this time on 25th December, Christmas won't be celebrated in Haridwar...</p> <p>Crowd cheers "Har Har Mahadev"</p> <p>About that Islamic India...your body must be shivering by just thinking about it...</p> <p>The template prepared by Maharaj ji and we have seen the example of Afghanistan.. They have 72 sect.. These 72 sects call each other as Kafirs (disbelievers).. Now I don't know who is a Kafir.. The one who does not even know who is a disbeliever and the war that has been waged against such dumbs and illiterate people is not normal. Just in the morning two or three boys came to our ashram.</p>
--	---

	<p>जो युद्ध की घोसना हुई है वो घोसना सामान्य नहीं है .. अभी सुबह दो तीन लड़के हमारे आश्रम आये थे ..</p> <p>Sudharshan Vahini के प्रमुख , Azad Vinod aur Deepak Singh...</p> <p>मैं चर्चा कर रहा था बच्चे दोनों अभी एक छोटे से मामले में सरकार ने हिंदूवादी सरकार ने जेल भेज दिया .. वैसे हमलोग दलगत राजनीती से ऊपर है .. मैंने महाराज जी को बार बार कहा है की दलगत राजनीत से ऊपर उठ कर ही जब हम काम करेंगे तो जो हिन्दू राष्ट्र होगा वो दलों में बटा नहीं रहेगा और संत सबका होता है .. हम कांग्रेस के है .. भाजपा के है .. स्पा के है .. बसपा के है . सबके है .. हमको सबको आशीर्वाद देना है .. लेकिन समर्थन उसी का करना है जो हमारी छोटी विवाद सुनता है ..</p>	<p>Azad Vinod aur Deepak Singh, head of Sudharshan Vahini...</p> <p>I was discussing the children, both in a small matter, the government sent them, a Hindutvadi government to jail.. Well we are above party politics.I have told Maharaj ji time and again that when we work after rising above party politics, then only there will be a Hindu nation.. It won't be divided among parties. Saints belong to everyone.. We belong to Congress.. to BJP.. to SP... to BSP. We have to give blessings to all.. But support is to be given to the one who listens to our small disputes..</p>
(02.01.50 )	<p>बच्चे बहुत चिंतित थे , मैं भी बहुत चिंतित रहता हूँ अभी एक छोटा सा काम हुआ महाराज जी .. जिस गली में मैं रहता हूँ उसमे दुकाने है .. Prabhodanand Giri ji Maharaj अक्सर हमे इस चीज़ से सचित करते रहते है .. यह पर व्यापर करना मुसलमानो को मन है .. लेकिन उस गली में जब मैं walk करने सुबह टहलने निकलने निकलता था, मुल्ले का दर्शन हो जाता था .. बड़ी बड़ी दाढ़ी बड़े बड़े उसके बाल और आजकल दाढ़ी भी उन सब की भगवा कलर में है ..</p>	<p>Children were very worried, I am also very worried. We did a little work recently, Maharaj ji.. There are shops in the street where I live.. Prabhodanand Giri ji Maharaj often keeps informing us about this thing.. Muslims are forbidden to do business here.. But in that street when I used to go out for a walk, morning walk, I used to see this mullah (muslims).. Big big beard, big big hair and nowadays they have started coloring their beard in saffron color ..</p> <p>They color their beard Saffron.. Just watching him in the morning used to fill</p>

भगवा कर लेटे है दाढ़ी.. सुबह दर्शन होता था तो मन को ऐसा बिच बोता था की क्या कहे.. मैंने फिर उन दुकानदारों को बुलाया की देखो ये हरिद्वार है और कम से कम यहाँ तुम्हारा खरीदारी करने वाला तो मुस्लमन नहीं है, उनको बहार करो.. बच्चो ने माना, दुकानदारों ने माना और उसे बहार किया..उसी दिन से फोटो खीचने लगे..आश्रम का.. मैंने उनको बताया की देखो मैं तो वहा पैदा हुआ जहा मेरी पैदाइश है वहां 90% मुसलमान है और ये बात मन से कहने की नहीं है, 11 साल की उमर से मैंने उनसे पैसा वसूल किया ज़बरदस्ती..

जब वो भादवो की कौम है.. उनकी हिम्मत नहीं की आपके ऊपर आंख उठा दे.. आज तक मैं एक ही मेरे पास उदाहरण है.. कमलेश तिवारी जी, उसके अलावा इन्होंने और वो भी खड़यन्त्र से उसकी हत्या हुई. उसकी जांच नहीं हो पायी कैसे हुवा. लेकिन इनकी इतनी मजाल नहीं है कि आपका गला रेट दे.. बस आप सावधान होकर के, यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज एक शेर है, उसके नेत्रत्व में खड़े हो जाएं और अपने मन से मलाल निकालिये.. देखो ..

महाभारत के युद्ध में कश्मीर को चोर कर के भारत के सभी राजा लड़ रहे थे .. कश्मीर को चोर कर के वो इसीलिए महाभारत थी , सभी राजा लड़ रहे थे..

कश्मीर का राजा क्युकी नाबालिग था इसीलिए उसको युद्ध में सम्मिलित नहीं किया गया .. लेकिन नाम कृष्णा का हुवा . सबने उनके नेतृत्व में युद्ध करना स्वीकार किया इसलिए सबको अपने में

my heart with thorns and pricks.. I then called those shopkeepers that look this is Haridwar and at least your shoppers here are not a Muslim, get him out.. The children agreed, the shopkeepers agreed and fired him.. From the same day people started taking photos.. of our monastery... I told them that look where I was born, 90% of the population were Muslims and this is not a thing to say from my heart. From the age of 11, I extorted money from them forcibly..

When it is the community of scoundrels.. They do not dare to raise their eyes on you.. Till date I have only one example. Kamlesh Tiwari ji, except him who was murdered with proper planning.. No investigation was followed. But they are not so much courageous to slit your throat.. just be careful.. Yati Narasinghanand Giri ji maharaj is a lion, stand with him and take out the regret from your hearts.. Look..

In the war of Mahabharata, except Kashmir, all the kings of India were fighting. Except Kashmir, that's why it was Mahabharata, all the kings were fighting..

The king of Kashmir was a minor, that's why he was not included in the war.. but the name we heard was of Krishna. Everyone accepted to fight under his leadership.. So everyone, after putting out their regrets and ending their personal story, should stand under the leadership of Yati Narsinghanand who is ready to sacrifice his life..

के मलाल को बाहर कर के अपनी व्यक्तिगत जो कथा है उसको समाप्त कर के यति narsinghanand के नेतृत्व में खड़े हुए जो अपनी गर्दन कटाने के लिए तैयार है ..

हम निश्चित रूप से जिस हिन्दू राष्ट्र की कल्पना महाराज जी कर रहे है वह हिन्दू राष्ट्र हम प्राप्त करेंगे .. तीन दिन तक मैं महाराज आपको भी यह सलाह दे रहा हूँ Yati maharaj ji, की निश्चित रूप से आप सबको अपनी बातें कहने दीजिये .. आप मत कहिये की तुम क्यों नहीं तलवार की बात करते हो .. क्यों नहीं बन्दुक की बात करते हो .. ज़रूरी नहीं ..

मैं बार बार कहता हूँ की Krishna की हमें ज़रूरत है .. जो मुस्कुराते हुवे युद्ध करा दे .. ऐसे Krishna की भी ज़रूरत है .. सब तलवार उठा लेंगे , सब हथियार उठा लेंगे तो पता लगा इन् जाहिलो की तरह आपस में ही गर्दन काटने लगे ..

उनको दिशा दिखने वाला भी तो चाहिए .. क्यों चाहिए की नहीं चाहिए ?.. चाहिए .. तो इस लिए सब की ज़रूरत है .. कुछ 100 में होंगे कुछो उगर होंगे कुछ अतिउगर होंगे .. कुछ तलवार धारी होंगे .. कुछ बिना तलवार वाले होंगे .. लेकिन ...

नोट करे की उसकी धर्मादेश फिर संतो के साथ हमलोग बैठेंगे जो धर्मादेश निकलेगा सरकारों को उससे अवगत करवाया जाएगा की हरिद्वार के धरम संसद का यह धरमादेश है आप इसको स्वीकार करेंगे उसकी बिन्दुओ हमलोग तैय करेंगे

We will definitely get the Hindu nation that Maharaj Ji is envisioning. For three days, I am giving this advice to you also Yati maharaj ji, that you must definitely let all of us speak our words.. Don't ask them to not talk about swords. Or why they are not talking about guns.. It is not necessary..

I say time and again that we need Krishna.. A form of Krishna who would wage wars while smiling.. If everyone will take up swords, all will take up the weapons, then we will find that like these illiterates, we have started cutting each other's necks..

They also need someone who shows them the right direction.. Do you need a leader or not? (Yes) Why should they not? There will be swordsmen.. Some won't carry their swords but...

Note that this commandment that we will sit with the saints.. Governments will be made aware of the mandate that will come out.. This is the order from the religious parliament of Haridwar, you will have to accept it. We will decide its pointers and the same demand will continue till the next Parliament.



	<p>वही मांग फिर अगले संसद तक चलती रहेगी ..</p>	
<p>(02.05.40 )</p>	<p>आ जाओ .. आ जाओ .. पत्रकार तो सारे हिन्दू वाले हैं .. आ जाओ .. आ जाओ . तुम्हारा तो स्वागत है भाई .. यही सब तो युद्ध लड़ रहे हैं हमलोगों के पक्ष में .. (यति says) भैया सुनो , इनकी भी तो अपनी ड्यूटी है भाई .. खतरा तो भैया यहाँ है ही ..</p> <p>खतरा है भाई बिल्कुल देखो तमाम तुमलोग यह जानते हैं सब जानते महाराज जी .. खतरा है हमलोगों को .. बिल्कुल सही .. वह अपनी ड्यूटी कर रहे हैं .. उनको इसलिए हमारी सुरक्षा में भी लगाया गया है .. सरकार ने दिया है Arvind Prakash ji maharaj को तमाम धमकियाँ आती हैं .</p> <p>Yati ji maharaj ko धमकियाँ आती रहती हैं .. यहाँ जो एक शब्द बोले वो धमकी ही देंगे .. धमकी देने वाले हैं .. ठीक है .. दूसरा मई ये कह रहा हूँ तमाम लोग इसमें अखाड़े से जुड़े हैं .. और अखाड़ों को भी तमाम अखाड़ों से इस मंच पर लोग आये हैं यहाँ .. लेकिन समस्त अखाड़े के लोग आये .. ऐसी .. हमलोग सब जाए उनलोगों को बुलाये ..</p> <p>कुछ लोग आमंत्रण के बिना मिले जा रहे हैं .. उनको आमंत्रण दे और उनको बुला कर के सबको सबसे बैठा कर के हमलोग जो यह धर्मादेश बनेगा वो सबकी सहमति से बनेगा ..</p>	<p>Come .. come .. journalists are our hindu brothers .. come .. come . You are welcome brother.. All these are fighting the war in favor of us.. (Yati says) Listen, they also have their duty.</p> <p>Brothers, there is real danger, all of you already know this, everyone knows Maharaj ji.. there is huge danger.. to us.. absolutely right.. He is doing his duty.. That's why he has also been put in our security.. The government has given this security.. Arvind Prakash ji maharaj gets all the threats.</p> <p>Yati ji Maharaj receive a number of threats everyday.. Whoever speaker is speaking here would also threaten..is about to threaten.. Secondly I am saying that all the people present here.. people from some of the 'akhadas' (organisations) have come here on this stage.. But we have to make an effort so that people from all the 'akhadas' come out.. like this.. let us all go and call them..</p> <p>Some people are coming without invitation.. Invite them and by calling them, by making everyone seated, this mandate which will be made by us will be made with everyone's consent.</p>

	<p>जितने हिन्दू संगठन यहाँ पर उपस्थित हैं .. सबकी सहमति और सबका उसमें सिग्नेचर होगा .. मैं अपनी बातों को तीन दिन बोलूंगा .. और तैयार कर के आऊंगा और क्या बोलना है ..</p> <p>अभी तो सबको सुन्ना है .. सुनकर के जो बात निकलेगी उसको हम आपके समक्ष रखेंगे .. इस धर्मादेश को मीडिया को भी देंगे .. मैं इन बातों के साथ इस धर्म संसद को तीन दिन चलने की अपनी सुम्भकम्नाये प्रस्तुत करता हूँ .. पूज्य संतगण के चरणों में अपना प्रणाम निवेदित करता हूँ ..</p> <p>Om Namo Narayan.. Har.. Har.. Mahadev..</p>	<p>All Hindu organizations are present here.. Everyone's consent and everyone's signature will be there.. I will speak my words for three days.. and I will come prepared and what to say..</p> <p>Now we have to listen to everyone.. After hearing what will come out, we will put it in front of you.. I will also give this mandate to the media.. With these things, I present my possibilities to run this Dharma Sansad for three days.. I offer my obdiances at the feet of revered saints.</p> <p>Om Namo Narayan.. Har.. Har.. Mahadev..</p>
(02.07.35 )	<p>जयकारा veer bajrangi.. harr harr mahadev..</p> <p>आपलोगो का जोश ठंडा तो नहीं हो रहा है ? हमें कैसे पता वही से एक जैकारा लगा कर दिखाओ ..</p> <p>(crowd chants: जय कारा veer bajrangi.. har har mahadev.. Jaikara veer bajrangi.. harr harr mahadev.. Jaikara veer bajrangi.. harr harr mahadev.. Jaikara veer bajrangi.. harr harr mahadev.. Jaikara veer bajrangi.. harr harr mahadev..)</p>	<p>Jaykara veer bajrangi.. harr harr mahadev..</p> <p>Are you not feeling excited? Show us how we know by chanting...</p> <p>(crowd chants)</p> <p>My lion, take care, human history.. Rather we are saying that in the history</p>

मेरे शेरों, ध्यान रखना, मानव इतिहास ..  
बल्कि हम कह रहे हैं चारों युगों के  
इतिहास में विधर्मियों ने .. अपना सामर्थ्य  
दिखते हुवे .. Parampujya Giri  
Narsinghanad के सर की कीमत सबसे  
ज्यादा लगायी है आज तक की ..

इसलिए आपलोगों को Narsinghanand  
Giri बनना है .. अब हमारा सब बच्चे ऐसा  
दिखना चाहिए की सब के सब  
Narsinghanand Giri बन चुके हैं .. हम  
डरते नहीं हैं .. लेकिन इसका ये भी मतलब  
नहीं है की हम अपने सुरक्षा में चूक कर दे  
.. हम अपनी सुरक्षा भरपूर करते हैं ..

हम बिना मतलब मरने वाले नहीं हैं ..  
लेकिन सनातन योद्धा यह भगवन से  
प्राथना करता है की प्रभु, हमें बुढ़ापे की  
आयु में खासते खासते मरने से अच्छा है  
की हमें वीर मौत दे ..

हम वो मौत मरना नहीं चाहते हैं की  
हमारे इतिहास में यह दर्ज करा दे के हम  
नपुंशक की तरह मर गए हम किसी काम  
नहीं आये ..

हम वो मर्द की मौत मरना चाहते हैं .. वो  
सुरमा की मौत मरना चाहते हैं जो दुनिया  
से विधर्मियों को मिटा दे ..

इसीलिए हम जितने लोग यहाँ हैं .. ये  
भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे की हम सब  
लोग मिलकर के mahamandeshwar  
narsinghanad giri ji के साथ खड़े हैं ..

of four ages, heretics.. By showing their  
power.. Have bid the highest price for  
Narsinghanand's head..

That's why you have to become  
Narsinghanand Giri.. Now all our  
children should look like all of us have  
become Narsinghanand Giri.. We are  
not afraid.. But it also does not mean  
that we should lapse in our safety.. We  
will do our best in securing ourselves..

We are not going to die purposelessly..  
But the eternal warrior prays to God that  
Lord, it is better to give us a heroic death  
than to die coughing in our old age..

We don't want to die that death that it  
gets recorded in our history that we died  
like eunuchs, and we were of no use..

We want to die like a man.. We want to  
die like those brave men who destroyed  
heretics (muslims) from this earth..

That's why all of us are here.. They will  
represent India that we all stand together  
with mahamandeshwar narsinghanad  
giri ji..

Now I ask Parmanand Maharaj ji to  
speak further.. Jai Hind..

	<p>अब मैं parampujya parmanand maharaj ji से कहता हूँ के आगे का कार्यक्रम चलाये किसी ऐसे शिकार में न जाए हम सब लोग पूज्य maharaj ji के कवज रहेंगे.... जय हिन्द ..</p>	
<p>(02.10.19 )</p>	<p>बोलिये .. भारत माता की .. जय ..</p> <p>वीरो की दहाड़ होगी .. हिंदुओं की ललकार होगी ... वीरो की दहाड़ होगी .. हिंदुओं की ललकार होगी ...</p> <p>आ रहा है वक्रत फिरसे हिन्दुओ की भरमार होगी .. शेरों की भरमार होगी .. हिन्दुओ का जोश ठंडा नहीं होना चाहिए ..Bharat mata ki.. jai..</p> <p>उबाल है .. यह खून जिस दिन खौलता है .. पुरे देश के विधर्मी नहीं पुरे संसार के विधर्मी एक maharana pratap जिससे आप सब जानते है वीरो की गाथाओ को ..</p> <p>समय का आभाव है .. चुकी कार्यक्रम सुनिश्चित रूप से संचारित होता रहे और मई सभी संचरण से जो अपने वक्तव्यों को नहीं दे पा रहे है .. मैं सबके चरणों में प्रार्ति और निवेदन करता हूँ की मुझे क्षमा किया जाए तथा इसी संगरखाला में parampujya mahamandaleshwar Avdut Mandal ashram ke pitadishvar Swami Roopendra Prakash ji maharaj से निवेदन करूँगा की वो अपने वक्तव्य के माध्यम से हम सभी का मार्ग दर्शन करे ..</p>	<p>Hail, Mother India..</p> <p>Hero will roar.. Hindus will challenge... Hero will roar.. Hindus will challenge...</p> <p>Time is coming again Hindus will be in abundance. There will be a lot of lions.. The spirit of Hindus should die down. Bharat mata ki.. jai..</p> <p>It boils .. the day this blood boils .. not the heretics of the whole country, the heretics of the whole world, a maharana pratap whom you all know, from the tales of heroes..</p> <p>There is a lack of time.. the program should continue.. Those who are unable to speak today.. I apologize at the feet of everyone.. that I be forgiven and in this order, I will request revered saint from the Avdut Mandal ashram, Swami Roopendra Prakash ji maharaj to guide all of us through his statement..</p>

<p>(02.11.48)</p>	<p>(Prayer)</p> <p>Bharat mata ki.. jaii.. Bharat mata ki.. jaii.. Bharat mata ki.. jaii..</p> <p>आज इस पतित पावनि माँ गंगा के पवन तात पर तीन दिवस्य धरम संसद जो हमारे बहुत धर्म योद्धा के रूप जिन्होंने पुरे देश में हिन्दुओ को जगाने का पीड़ा उठाया है ऐसे मेरे गुरुभाई pujya mahamandeshwar swami yati narsinghanand के नेतृत्व में मंच पर विराजमान पूज्य mahamadeleshwargan, pujya mahant, pujya sant इस धर्म संसद में आये पुरे देश भर से सभी धर्म योद्धाओ मातृ शक्ति ..</p> <p>आज पूरा विश्व भारत की ओर बहुत आशा की दृष्टि से देख रहा है भारत में पुरे विषय का मार्ग दर्शन किया है .. विश्व गुरु के पद पर भारत प्रतिष्ठित रहा है ..</p> <p>लेकिन आज इस देश में लगभग 100 से अधिक जिले ऐसे मुस्लिम बाहुल्य हो गए हैं .. 100 से अधिक जिले इशाईयों से प्रभावित हैं .. 100 से 150 के लगभग जिले जहा पर नक्षलवाद का प्रभाव है...</p> <p>आज इस देश की आधी आबादी ऐसी ही समस्याओ से झूझ रही है .. हम सब जानते हैं .. की इस देश की सुरक्षा के लिए इस धर्म की आन बाण शान के लिए .. हमारे पूर्वजो ने अपना बलिदान दिया</p> <p>हम सब जानते हैं की किस प्रकार से हमारे दशम guru gobindsingh ji के दो</p>	<p>(Prayer)</p> <p>Hail, Mother India..</p> <p>Today, three days religious parliament on the banks of our pure and holy mother Ganga has been organised by our religious warrior, who has taken the pain of awakening Hindus all over the country, is sitting on the stage under the leadership of my Gurubhai pujya mahamandeshwar swami yati narsinghanand. , amidst all revered saint, and all the religious warriors from all over the country who came to this religious parliament, mother power..</p> <p>Today the whole world is looking towards India with a lot of hope.. India has guided the whole world on this subject. India has remained the most powerful country in the world..</p> <p>But today more than 100 districts in this country have become Muslim majority.. More than 100 districts are affected by Christians.. About 100 to 150 districts where there is an influence of Naxalism...</p> <p>Today half of the population of this country is struggling with such problems.. We all know that for the safety of this country, for the glory of our religion, our ancestors have sacrificed their lives.</p> <p>We all know how two sahibzadas of our tenth Guru Gobind Singh ji were mured alive in the walls of Sarhaj.. We all know</p>
-------------------	---	---

साहिबजादों को सरहज की दिवारो में जिंदा चुनवा दिया गया था .. हम सब जानते हैं की bande veer bairagi ji का किस प्रकार से दिल्ली के अंदर लाकर उनके सरीर के टुकड़े टुकड़े कर दिए गए थे .. भाई मतिदास को आरो से चिरवा दिया गया था ..

आज केवल समय और प्रस्तितु बदली है जिस प्रकार से इस देश के ऊपर पुरे विश्व के आतंकवादी संगठन जो केवल और केवल इस्लाम धर्म का ग्रन्थ कुरान से प्रेरणा लेकर काम करते हैं और दुर्भाग्य से हमारे देश के कुछ नेता जब वो यहाँ इस प्रकार की घटना को अंजाम देते हैं .. जब मंदिरों पर हमला होता है या संसद पर हमला होता है तो उनके स्टेटमेंट आते हैं की आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता ..

इस धर्म संसद के माध्यम से इस देश के राजनितिक पार्टियोंके सभी नेताओ को कहना चाहता हूँ की अंतर करना पड़ेगा आज देश पर लगातार हमारे मठ-मंदिरों पर हमले करने वाले या हमारे संतो के ऊपर अत्याचार करने वाले उन् लोगो में अंतर सरकार को करना चाहिए

आज पूरा हिन्दू समाज 100 crore का ये देश केवल सरकार के ऊपर निर्भर होकर नहीं रह सकता .. सभी को संपित होने की आवश्यकता है जबतक हिन्दू समाज का संगठन सभी भेदभाव को दूर कर

आज इस मंच पर हमारे पूज्य संत विभिन्न अखाड़े अनेको सम्प्रदाय से है ..

how Bande Veer Bairagi ji was brought to Delhi and his body was cut into pieces. were done.. Bhai Matidas was killed with a saw..

Today only the time and the presentation has changed.. The terrorist organizations of the whole world who are inspired by Islam and Quran, and unfortunately some of the leaders of our country execute such kinds of events like when our temples are attacked or Parliament is attacked, their statements comes that 'terrorists have no religion'.

Through this religious parliament, I want to say to all the leaders of the political parties of this country through this Parliament of Religions that a difference has to be made. Today, the government should make a difference between those people who constantly attack our monasteries and temples on the country or commit atrocities on our saints.

Today the entire Hindu society, this country of 100 crores, cannot stay relying only on the government.. Everyone should to be dedicated till the time the organization of Hindu society removes all discrimination.

Today our revered saints are from different organizations, from many sects but everyone is a believer.. But if we do not forget our differences and come on

	<p>लेकिन सबको मानने वाले हैं .. लेकिन अगर हमलोग आपसी मदभेद को भुला कर धर्म के साथ एक मंच पर नहीं आएंगे तो आने वाली पीड़ियां हम सब को माफ़ नहीं करेगी ...</p> <p>आज देश भर में ... जातियों के नाम के समाज को बंटा जा रहा है .. विभिन्न प्रकार की आज पुरे देशभर में एक अनेको प्रकार की षडयंत्र रचे जा रहे हैं की हिन्दू समाज संगठित न हो पाए .. मैं swami narsinghanand जी का बहुत धन्यवाद देता हूँ की उन्होंने जो उनके अंदर एक ज्वाला इस देश के लिए इस धर्म के लिए इस राष्ट्र के लिए है, मैं उन्हें सादुवाद देता हूँ के आपके नेतृत्व में निश्चित रूप से हिन्दू अपने आप को सुरक्षित अनुभव करेगा</p> <p>आज हिन्दुओ को संगठित होकर उनके साथ .. उनके विचार के साथ जुड़ने की आवश्यकता है ..</p>	<p>one platform of religion, then the generations to come will not forgive us.</p> <p>Today society is being divided in the name of castes across the country.. Various types of conspiracy are being hatched all over the country today that Hindu society could not be organized.. I thank swami narsinghanand ji very much that he has a flame inside him for this country, for this religion, for this nation, I thank him that under his leadership, surely Hindus feel safe.</p> <p>Today there is a need to unite Hindus with them.. with their thoughts..</p>
(02.17.30 )	<p>क्योंकि pujya swami bharamanand ji saraswati वो deoband में, जो लगभग 110 वर्ष तक जिनका शरीर रहा, जिन्होंने उनके पास आने वाले हर व्यक्ति को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी .. मुझे भी सौभाग्य प्राप्त हुआ की उनकी सेवा करने का मुझे अवसर मिला ..</p> <p>मैं आज इस haridwar से भूमि पर आप सबको यही कहना चाहता हूँ की पुरा विश्व अगर संगठित नहीं हुआ तो हम सब लोग को इसपर विचार करना होगा ..</p>	<p>Because revered Swami Bharamanand ji Saraswati of Deoband, whose body remained for about 110 years, who inspired every person who came to him to follow the path of dharma (religion).. I also got the privilege to serve him. ..</p> <p>Today I want to say this to all of you from the land of Haridwar that if the whole world is not organized then all of us will have to think about it..</p> <p>However, unlike Greece, Rome, Egypt,</p>

हलाकि Greece, Rome, Egypt, जहा से कुछ बात है को अस्थि मिटटी नहीं हमारी .. अनेको देशो का अस्तित्व समाप्त हो गया .. भारत अपनी अस्तित्व के लिए लड़ रहा है .. आज पुरे विश्व के हिन्दुओ को भी आज भारत के साथ आकर एक मंच से, जैसे की अभी हमारे पूज्य swami pitadishwar ji ने कहा, की तीन दिन तक यहाँ पर मंथन होगा उस मंथन के बाद सभी पूज्य संतो के विचारो को संकलित किया जाए और एक धर्मादेश इस देश की सरकार को, इन् देश की सभी राज्य सरकारों को भेजा जाए, और जो जो समस्याएं है उनके निष्ठारन के लिए प्रयास हो ..

यह धर्म संसद इस देश के लिए अनेको ऐसे राजनैतिक डालो को भी अपने विचार भेजे और जिस प्रकार से इस देश का हिन्दू जन मानस चाहता है उसके अनुसार उनका अचारान हो ..

यही इस धर्म संसद का उद्देश्य और islamic संगठन जिसे लाकर के पुरे देश में योजनाबद्ध दांग से चाहे वो darul-uloom deoband हो , चाहे वो barellvi विचार धरा के लोग हो .. बहुत ऐसे अनेको सडयंत्र इस देश को तोड़ने के खिलाफ चल रहे है ..

हम सबको, सभी हिन्दुओ को , सभी हिन्दू संगठनो को , एक मंच पर आकर निश्चित रूप से ये विचार करने की आवस्यकता है और सभी पूज्य संतो के चरणों में मैं प्रणाम निवेदित करते हुवे उनसे आग्रह करना चाहूंगा की अब समय आ गया है

where there are some issue.. Our bones are not erased.. Many countries have ceased to exist.. India is fighting for its existence.. Today the Hindus of the whole world should also come with India today and from one stage, as our revered Swami Pitadishwar ji said, there will be a churning for three days. After that churning, the thoughts of all the revered saints should be compiled and a commandment should be sent to the government of this country, to all the state governments of this country, and efforts should be made for allegiance to the problems which are there.

This Religious Parliament should also send its views to many such political parties of this country and the way the Hindu mind of this country wants, according to their opinion, changes should be made..

This is the purpose of this parliament and the Islamic organization that has been brought in the whole country with a planned manner, whether it is Darul-uloom Deoband, whether it is the people of Barellvi ideology.. Many such schemes are going against this country. .

All of us, all Hindus, all Hindu organizations, definitely need to come on one platform and think this and I would like to request all the revered saints while offering my obeisances that now the time has come,when in the whole country, in each district, at least one saint should be made in charge who would look after all the irreligious



	<p>की पुरे देश में हम एक एक जिला , कम से काम एक एक जिले का, एक एक संत को प्रभारी बनाये और उस जिले में होने वाली ऐसे अधार्मिक गतिविधियों के विरुद्ध , वहां के हिन्दू समाज को संगठित कर , निश्चित रूप से हम देखेंगे , के एक दो वर्षों में , हमारे पूज्य संतो की जो शक्ति है जो आश्रीवाद है हिन्दू समाज के साथ सदैव से रहा है ..</p> <p>संतो ने सदैव धर्म के लिए युद्ध लाडे हैं और अब समय आ गया है की एक हमारे संतो के नेतृत्व में ही पुरे देश में ऐसी एक धर्म ध्वजा स्तापित हो की पूरा समाज, एक साथ, एक मंच पर संगठित होकर , ऐसी राष्ट्र विरोधी, धर्म विरोधी शक्तियों को मुँह तोड़ जवाब देने के लिए..</p> <p>आने वाले एक दो वर्षों में ही उसका परिणाम, सुखद परिणाम, हम सब देखेंगे मई इतना ही कहते हुवे अपनी वाणी को विराम देता हूँ ..</p> <p>hari om.. sat sat..</p> <p>Dharm ki.. jai ho.. Adharm ka.. naash ho.. Praniyon me..</p>	<p>activities happening in that district. By organizing the Hindu society there, surely we will see, within a couple of years, the power of our revered saints, which is a blessing, has always been with the Hindu society..</p> <p>Saints have always fought for religion and now the time has come that under the leadership of one of our saints, such a religious flag should be established in the whole country, that the whole society, together, united on one platform, give a befitting reply to the opposing forces of the country and religion..</p> <p>In the coming one or two years only, we all will see its result, a happy result.. I stop my speech by saying that much..</p> <p>(Chants)</p>
(02.21.50 )	<p>बोलिये bharat mata ki.. jai... Parampujya Archini Bandini, Mahamandeshwar swami Roopendra Prakash ji maharaj</p>	<p>Say... bharat mata ki.. Jai... Archini Bandini, Mahamandeshwar Swami Roopendra Prakash ji maharaj</p>

तीन दिवस के होने वाले इस धरम संसद के जो विचारणी बिंदु है जो रणनीती है कैसे हम अपने सनातन संस्कृति को धर्म संसद के माध्यम से जान तक पहुंचने का कार्य किया जाए ..

और इस में कोई दुहराए नहीं है की आज सिर्फ धर्म के विषय में ही हम जान जाए .. यदि जान जायेगे इसको जन जन तक फैला देंगे .. अपने अस्तित्व को जान जायेंगे..

hanuman जी भी अपनी बल एक बार को भूल गए थे .. तो सबने उनको अपना बल याद दिलाया की मैं तो साथ को उसके पर्वत लिए जो इतने बड़े समुन्द्र को लांग कर के पार जा सकता हूँ ..

तो यह सब हमलोग ये आपलोग अपना बल भूल गए है .. इस धर्म संसद का मूल उद्देश्य उस बल को जगाना है .. और रणनीति के तहत में एक और निवेदन आप सभी से करना चाहूंगा की देखिये कुछ चीज़े हमे उन् लोगो से भी सीखनी चाहिए जो विनाशकारी है जो आक्रांता है ..

सोने का टुकड़ा नाली में भी पड़ा है तो समझदारी इसी में होती है, धूल कर के उसका उपयोग कर ली जाए .. आने वाले समय में जो यह रणनीति तैयार करने की संघखाला है उससे आप एक बार समझ लीजिये यहाँ तीन दिन के अंदर जो भी आपने प्रश्न करने है जो भी questions है आप के उन् सब के समाधान सबी विषयो पर यहाँ चर्चा होने वाली है ..

The discussion point of this parliament being held for three days, we will strategize how we should work to make our Sanatan culture reach everyone..

And there is no repetition in this that today we all should know our religion.. If we know, we will spread it to the people.. We will know our existence..

Lord Hanuman had also forgotten his strength once.. so everyone reminded him of his strength. Everyone was with him on the mountain. He crossed the big sea by flying..

So all of us have forgotten our power.. The basic purpose of this religious parliament is to awaken that force. For strategizing, I request everyone that we should learn few things from them (heretics)

If a piece of gold is lying in the drain too, then there is wisdom in dusting it off and using it. In the coming time, understand this order of strategizing, whatever questions you have to ask within three days, whatever questions you have, solutions to all of them, all the topics, are to be discussed here.

But the original theme will remain the

<p>पर मूल विषय Islamic bharat में सनातन का भविष्य स्थापित नहीं होने देंगे .. नहीं होने देंगे .. और नहीं होने देंगे ...</p> <p>आपलोग जो धर्म संसद के साधु महाराजो का वक्तव्य रहेगा उसके पश्चात स्वामी जी का कहना है की जितने हिन्दूवादी संगठन यहाँ एकत्रित हुवे है सब लोग आपस में चर्चा करे और sham को बैठ कर के हमलोग करेंगे की क्या की देखिये क्या ऐसा विचार बिंदु है जिस पर चिंतन किया जाये .</p> <p>और उसके बाद में हर एक व्यक्ति की समस्या को सुना जाएगा .. परन्तु वही जो अध्यादेश जारी होगा फिर उसमे और परन्तु नहीं होना चाहिए .. क्यों किन्तु परन्तु नहीं होना चाहिए</p> <p>आज जो भी प्रश्न आपको जो भी लगता है की किस तरीके से हम कार्य कर सकते उसके विषय में चिंतन किया जाएगा परन्तु अध्यादेश ये धर्मादेश जारी होने के बाद की क्यों किन्तु परन्तु नहीं होना चाहिए ..</p> <p>मंच की एक मर्यादा है .. समय की एक मर्यादा है .. बड़े बड़े महापुरुष अपने वक्तव्य के लिए यहाँ बैठे हुवे है और मैं उन् सभी धर्म योद्धाओ का फिर से अभिनन्दन करता हूँ वो भी किसी सन्यासी से कम नहीं है जिसने अपनी व्यक्तित्व धरम को तयाग करके राष्ट्र धर्म का चिंतन कर रहे है ..</p>	<p>same: that we will not allow the future of Sanatan to be established in an Islamic India .. will not let it happen .. and will not allow it to happen ...</p> <p>After that, Swamiji says that all the Hindu organizations that have gathered here should discuss among themselves and by sitting in the evening, we will discuss whether there is a need to reflect on a viewpoint..</p> <p>And after that every person's problem will be heard.. but the ordinance which will be issued then there should not be any ifs but.. No ifs and buts should be there.</p> <p>Whatever question you have today, whatever you think, in which way we can work, we will discuss it, but after the ordinance is issued, there should be no ifs and but..</p> <p>There is a limit to the stage.. There is a limit to the time.. Great men are sitting here for their speeches and I once again congratulate all those religious warriors. They are no less than any saint, who have sacrificed themselves for religion, for the nation and are contemplating the country's religious concerns..</p> <p>The one who is ready to sacrifice his life</p>
--	---

	<p>इस देश संरक्षा सुरक्षा के लिए जो अपने जीवन को आहूत के लिए तत्पर है वो भी किसी सन्यासी से कम सामान्य नहीं है ..</p> <p>जो भी धर्म योद्धा भगवन shri ram chandra ji ने अपने व्यक्तिगत जीवन से ज्यादा व्यक्तिगत धरम से ज्यादा पातिपात धर्म से ज्यादा राष्ट्र धर्म को समझा और सीता का प्रतियाग करके राष्ट्र की रक्षा के लिए प्रजा की सुरक्षा के लिए अपनी जीवन को out कर दिया .. हम राम के वंसज है हम पसूराम के वंसज है जहा धर्म के ऊपर कोई बात आती है तो 21 बार क्षत्रियों के विनाश करने वाले भगवन के pashuram के वंसज है हम ...</p> <p>जब भी हमारे धर्म पर प्रतिघात किया जाएगा हमको ये बर्दाश्त नहीं है और नहीं होना चाहिये .. यह बात प्रत्येक हिन्दू को समझनी नहीं थान लेनी चाहिए ..</p> <p>इसी संघखाला में, पत्नीवादनिये पूज्यपाठ mahamandeshwar swami premanand ji maharaj में उनके चरणों में निवेदन करूंगा की वो अपने वक्तव्ये के माध्यम से हिन्दू कैसे जागृत हो और रणनीति इसको कैसे तैयार हो तीन दिन में हम जो धर्म संसद के माध्यम से सबको सूत्ररूप देने वाले है... swami ji..</p>	<p>for the safety and security of this country is also no less than any sanyasi.</p> <p>Like religious warriors Lord Shri Ram Chandra ji did more for his religion than his personal life, understood the national religion and to avenge the pride of Sita, for the protection of the nation, for the safety of his people, went on to sacrifice his life.. We are the descendants of such Ram.. We are the descendants of Pasuram.. When it comes to religion, we are the descendants of Pashuram, the God who destroyed the Kshatriyas 21 times.</p> <p>Whenever our religion is attacked, we do not tolerate it, And it should not happen.. This thing should not be understood by every Hindu, it should be taken into consideration..</p> <p>In this order, revered Swami Premanand ji Maharaj, I will request at his feet to tell us through his statements, how we should awaken the Hindu and how should the strategy be prepared for it in three days, which we are going to formulate through this religious parliament.. Swami ji..</p>
(02.26.08 )	(prayer)  Swami Premanand	(prayer)  Swami Premanand

<p>Bharat mata ki.. jaii.. Bharat mata ki.. jaii.. Bharat mata ki.. jaii..</p> <p>Pratishvarni, vandini, archini</p> <p>हम सभी के अंदर संस्कार देने वाले पूज्य चरम bharmanand saraswati ji maharaj जिनके कृपा और आशीर्वाद से आज विशाल त्रि दिवशी धरम संसद का आयोजन.. प्रमुख संयोजक mahamadeleshwar yati swami narsinghanand saraswati ji maharaj , मचासीन mahamandeleshwar संत , mahantgrant sant granth, devendra, hinduwadi sangathan से कार्यकर्ता गण ...</p> <p>हम सभी लोग islamic भारत में सनातन की क्या दसा होगी उसके चिंतन में यहाँ पर बैठे हुवे है .. स्वाभाविक है की islamic राष्ट्र जब ये भारत बनेगा तो उसकी कल्पना करना बहुत दूर है ..</p> <p>वर्तमान में आप जहा भी देखते है .. मुस्लिम आबादी बढ़ती जाती है .. हिन्दू वह घटता चला जाता है .. और वो हिन्दुओ की दुर्दशा होती .. जिन जिन राष्ट्रों में मुस्लिम बाहुल्य हुवे उन् राष्ट्रों की भी समस्याएं आपके सामने है ..</p> <p>लेकिन अस्चारता की बात है की आज हम सभी लोग संग्रस्थ की बात भी करते है .. और मैं तो ऐसे बहुत से लोगो को जानता हूँ जो सनातन धर्म के बहुत बड़े दर्माचारी है .. किसी अखाड़े का acharya mahamadeleshwar भी है उसमे .. और</p>	<p>Bharat mata ki.. jaii.. Bharat mata ki.. jaii.. Bharat mata ki.. jaii..</p> <p>Pratishvarni, vandini, archini</p> <p>Revered Bharmanand Saraswati ji Maharaj with whose grace and blessings today a huge three-day religious parliament is organized.. Whose key Convenor Mahamadeleshwar Yati Swami Narsinghanand Saraswati ji Maharaj.. All the revered saints present on the stage.. Workers of all hindu organisation..</p> <p>(unclear)</p> <p>All of us are sitting here in contemplation of what will be the fate of Sanatan in Islamic India.. Naturally, when India becomes Islamic, it is very far to imagine what will happen...</p> <p>Wherever you see at present.. Muslim population increases.. Hindus keep on decreasing.. and that would have been the plight of Hindus. You are facing the problems of those countries which have Muslim majority.</p> <p>But it is surprising that today people talk about association.. and I know many such people who are very big sympathizers of Sanatan.. Some are chiefs of various organizations.. One Muslim religious guru showed me an album .. I was surprised to see .. if i take the name then there will be controversy</p>
---	--

एक मुस्लिम धर्म गुरु ने मुझे दिखाया की एल्बम .. मैं तो देख कर आश्चर्य रह गया .. नाम लूंगा तो विवाद बढ़ेगा .. उसमे दिखाया के महाराज ये देखो .. ये आपके acharya mandeleshwar भोजन करा रहे है मुझे और एक mahamandeshwar की सदस्य भक्त मुझे देखने को मिला यही haridwar में . इस सदस्य भंडारे में मुस्लिमान बैठ कर .. और वो मुसलमानो का धर्म गुरु था .. सदस्य भंडारा पाया ..

हम लोगो के सामने .. और यहाँ का कोई संत कोई मीडिया कर्मी बोलने के लिए तैयार नहीं है .. हम किस राष्ट्रवाद की बात करते है . हमलोगो को तो एक ही सूत्र अपनाना चाहिए की हम लोग आपस में संगठित हो जाए .. हमारी संगठन की शक्ति यदि अगर बढ़ेगी तो हमारी आपकी बात को मैंने के योग्यवश होंगे .. और शायद यही कारण है की pujya yati narsinghanand ji maharaj के विचारो से जहा लोग सहमत नहीं थे वही आज अखाड़े आकर सम्मान कर रहे..

mahamandeshwar बन जा रहे है और बहार था तो मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ की जो संत बड़ी मुश्किल से खड़े होते थे .. मैं तो उस समय का धर्म संसद का साथी हूँ जिस समय ऊँगली पर गिने चुने संत मुश्किल से मिलते थे ..

और pujya swami bharmanand saraswati ji maharaj जैसे धर्म योद्धा कहते थे की mandeleshwar ji आप आया करे और इस योद्धा का साथ दे कर ..

.. He showed me that Maharaj see this .. Your acharya mahamandeshwar (saints) is feeding me .. and I saw another saint here in haridwar. A muslim was sitting as a member in that Bhandara .. and he was a Muslim priest.. He ate the member's Bhandara..

In front of us people .. and no saint here or any media personnel is ready to speak .. What nationalism are we talking about? We should adopt only one formula that we should get organized amongst ourselves.. If the power of our organization increases, then only they will accept your pointers.. And perhaps this is the reason that people who did not agree with the views of revered Yati Narsinghanand ji Maharaj, are coming to the arena today and respecting him..

There are such mahamandeshwars.. And I was outside, then I was very surprised that the saints who used to stand with great difficulty.. I am a fellow of the religious parliament from the start, when the number of saints could be counted on fingers..

And religious warriors like Swami Bharmanand Saraswati ji Maharaj used to say that "Mandeshwar ji, you should come and support this war" ..

हमने कहा maharaj ji हमने तो वेदांत में PHD किया है BHU से .. सहज और सहद भाषा का उपयोग करने वाला .. कट्टों का उपयोग करना भी नहीं जानता और न ही वैसी कोई भासन डेता हूँ ... धरम सम्मेलन में ही केवल जाता हूँ .. उन्होंने कहा नहीं . आप जैसे भी है हमारे है .. और हमारे बन कर रहे .. इस चीज़ का साथ दे ..

और मैं maharaj ji के साथ तभी से जुड़ा हुआ हूँ .. और मुझे आश्चर्य है की maharaj ji ने कभी कोई समझौता नहीं किया .. इतने मुसलमानो ने इनाम भी रखे .. फतवे जारी किया . आपत्ति पर आपत्ति आयी .. तमाम धोके धड़ी के मुकदमे भी बनाये गए ..

लेकिन यहाँ कई छोटे narsinghanand होंगे .. Anil Yadav ji और इनकी टीम maharaj ji का कभी भी साथ नहीं छोड़ा और मैं भी जिस लायक था और जैसा हूँ मई maharaj ji के साथ हूँ ..

मैं भासन बाज़ी में बहुत विश्वास नहीं करता हूँ आप लोग बड़ा तालिया बचाये मैं बड़ा उत्साहित हो जाऊंगा .. वह मेरे लच्छेदार भासन सुन कर ताली बजा रहे तो मैं बहुत अच्छा लगता हूँ ..

मेरी ऐसी कोई मान्यता नहीं है .. मेरी एक ही मान्यता है .. की हम हिन्दू संगठित हो जाए... कम से कम इस मंच पर बैठे हुवे संत महापुरुष केवल इतने संगठित हो जाए .. सब narsinghanand ji के रूप में हो जाए .. तो मैं समझता हूँ

We said maharaj ji we have done PHD in Vedas from BHU .. I use easy and friendly language .. Don't even know how to use a revolver and don't give any such speeches ... I only go to religious conferences only.. He said no. You are ours as you are.. you have to stay with us and support this war..

And I have been associated with maharaj ji since then .. and I am surprised that maharaj ji never made any agreement .. so many muslims kept rewards .. issued fatwas . Objection to objection were raised.. Cases of frauds were also filed..

But here, there will be many small Narsinghanands.. like Anil Yadav ji and his team never left maharaj ji's side.. and as useful as I was.. as I am.. I am with maharaj ji..

I don't believe in giving speeches much.. You guys give big applauses, i will be very excited .. if you keep clapping after listening to my speeches..I feel great..

I have no such belief.. I have only one belief.. that we Hindus should be united... At least the saints sitting on this stage should stand united.. If everyone becomes like narsinghanand ji.. Then I understand, that as long as we have many warriors alive.. this India can never become an Islamic nation.. This is my

की जबतक हम इतने योद्धा जिंदा रहेंगे .. ये भारत कभी भी इस्लामिक राष्ट्र नहीं बन्न सकता है .. मेरी घोसना है ..

और मैं समझता हूँ की जितने भी यहाँ संत है इनके पास हथियार भी जरूर होंगे . दो हथियार तो मेरे पास है .. revolver भी रखता हूँ और दो नल्ली बन्दुक भी है ..

जब मैं वह आश्रम में था .. ये तमाम मुस्लमान नहीं है रोहतक में .. वह तो हिन्दू ही है .. लेकिन हिन्दू को हिन्दू से खतरा है . मुसलमान तो बाद में आएगा .. पता नहीं कौन गद्दार कभी कहा से निकल जाए .. यह हिन्दुओ की सबसे बड़ी समस्या है ..

ये एक योद्धा मुझे अच्छे यहाँ और मिले .. Swami Anand Swaroop ji Maharaj.. मैं उनसे भी बड़ा प्रभावित हूँ .. की कमसे काम धर्म के बड़ा अच्छा कार्य कर रहे है .. और एक योद्धा तो हमारे haridwar में ऐसे है की जहा कोई संगठन की बात हो .. जहा जान लड़ने की बात हो वह Swami Prabhodanand ji जैसा mahamandeshwar खड़ा हो जाता है ..

और अभी युवाओ में हमारे mahamandeshwar swami roopendra prakash ji maharaj यह भी धर्म को बहुत बड़ा संरक्षण दे रहे है .. मैं इनको भी धन्यवाद करता हूँ .. अब हमारी युवा team यहाँ पर देख रहा हूँ .. सम्बोधन कर रहे है .. सञ्चालन कर रहे है .. ये भी

declaration..

And I believe.. and I understand that all the saints who are here, they must have weapons too. I have two weapons.. I also keep a revolver and have a shot gun..

When I was in the Ashram.. Not many muslims live in Rohtak. People there are mostly Hindus.. But Hindu are endangered among Hindus. Muslims will come later.. I don't know which traitor will come from where.. This is the biggest problem of Hindus..

I met another warrior here .. Swami Anand Swaroop ji Maharaj.. I was more impressed by him .. that at least he is doing the great work of religion.. And a warrior is such in our Haridwar that wherever there is a need of an organization, Swami Prabhodanand ji is standing firmly on the grounds..

And now our mahamandeshwar swami Roopendra Prakash ji Maharaj is among the youth, he is also giving great protection to our religion.. I thank them too.. Now I can see our young team is here .. addressing .. operating .. it is also true that they are very promising warriors .. I express my best wishes to them ..



	<p>सत्य है की ये भी बहुत अच्छे होनहार योद्धा है .. इनके प्रति मैं सुभकामनाये व्यक्त करता हूँ ..</p> <p>मैं pujya mahamandeshwar narsinghanand yati ji maharaj के साथ हूँ .. पहले था . अभी हूँ .. और भविष्य में भी रहूंगा .. maharaj ji जैसा जैसा किस लायक समझेंगे मैं आपकी सेवा में तात्पर्य हूँ ..</p> <p>हम सभी लोग एक ही मेरी प्रार्थना है की हम जितने है यहाँ एक संगठित हो जाए .. एक स्वर के साथ मैं जो भी धर्मादेश हो .. उसका पालन करे .. अपने अपने गाओं में .. अपने अपने जिले में .. जैसा mahamandeshwar roopendra prakash ji ने कहा है ... सबको हम जागृत करे तो हमारी शक्ति बढ़ती चली जाएगी और यही शक्ति हमारी इस्लामिक राष्ट्र को बनने से रोकेगी .. हिन्दुओ को जागना है इसलिए वेद का एक सूत्र मुझे अच्छा लगता है .</p> <p>"chari veti, charai veti.. charai vetii".</p>	<p>I am with the revered Narsinghanand Yati ji Maharaj.. was earlier. I am now .. and will be there in future also .. Maharaj ji whatever you think is worthwhile, " I am at your service" ..</p> <p>People, my only prayer to everyone is that we should stay united .. With one voice whatever the mandate is .. we have to follow it .. in our villages .. in our districts .. As Roopendra Prakash ji has said...If we awaken everyone, then our power will keep on increasing and this power will stop the formation of any Islamic nation</p> <p>Hindus have to wake up....</p> <p>(prayer)</p>
(02.34.57 )	<p>अब हम सभी लोग चलते रहे .. चलते रहे .. अपने मार्ग की ओर.. अपने लक्ष्य की ओर .. और जो Swami Anandswaroop ji ने कहा की कुछ ऐसे भी वक्ता, कुछ ऐसे भी संत, कुछ ऐसे भी विद्वान चाहिए जो Shri Krishna की भूमिका में हो तो मैं Shri Krishna की भूमिका निभा पाऊंगा .. आप सभी को हार्दिक बधाई हो ..</p>	<p>Now we all will keep walking.. keep walking.. towards our path.. towards our goal.. And as Swami Anandswaroop ji said that some speakers, some saints, some scholars are also needed who can play the role of Lord Krishna, I am saying, "I can be your Shri Krishna" ..</p> <p>Hearty congratulations to all of you..</p> <p>(chants)</p>

	<p>भारत माता की ... जय .. bharat mata ki... jaii.. bharat mata ki... jaii.. dhanyawaad..</p>	
<p>(02.35.35 )</p>	<p>boliye satya sanatan dharam ki.. jai..</p> <p>Pujya swami ji Dr. Swami Mahamandeshwar Premanand ji Maharaji को आप अभी सुन रहे थे .. और Doctorate का मतलब होता है किसी एक विषय को लेकर के उसका ग्रहण चिंतन करना तो swami ji का खुद का चिंतन है बड़ा बिषद और व्यापक है और इस विशद और चिंतन के बाद हमे निचोड़ आप समझ गए होंगे हिन्दू संगठित कैसे हो .</p> <p>तो ये हिन्दू संगठन का निचोड़ है .. swami ji के विचारो का अनवोधन करेंगे हम सभी लोग और इसी सांखला में समय का आभाव है कुछ ही छनो में लगभग थोड़ी सी देर में हम सब संत पुरुष निचे जाकर प्रसाद ग्रहण करेंगे .. और आगे की सांगखाला कल से स्टार्ट होगी .. इसी सांगखाला में मैं सामाजिक सेना का नेतृत्व करने वाले swami vinod maharaj ji से निवेदन करूंगा की दो मिनट में अपनी बात को पूरा करेंगे .. swami ji से मेरा निवेदन है और इसी बीच मैं स्वामी Vachandas ji maharaj हमारे बीच आये, उनका भी हृदय से स्वागत अभिनन्दन .. जितने भी महापुरुष जिनका नाम मैं लेना भूल जा रहा - हम वो सब स्वण्डनीये है , पूजनीय है .. सभी का स्वागत अवं अभिनन्दन .. pujya vinod maharaj..</p>	<p>(chants)</p> <p>You were just listening to Doctor Swami Mahamandeshwar Premanand ji Maharaji.. And Doctorate means to think about any one subject and study about it deeply. So swami ji has his own thought, it is very comprehensive.. After this detailed contemplation, you must have understood the essence, how Hindu should be organized.</p> <p>So this is the squeeze of Hindu organizations.. We all will follow swami ji's thoughts and there is a limit of time in this series.. Within a few minutes, all saints will go downstairs and take their blessings.. The next session will start tomorrow.. In this order, I will request Swami Vinod Maharaj ji, who leads the Samajik Sena, to complete his speech in two minutes.. My request to swami ji and in the meantime Swami Vachandas ji Maharaj arrived among us, he is also heartily welcome.. All the great men whose names I am forgetting to mention - they are all revered, they are worshipable.. Welcome and greetings to all.. Swami Vinod Maharaj..</p>

<p>(02.36.54 )</p>	<p>Swami Vinod Maharaj</p> <p>परम् आदरनिये मंचनसिर हमारे गुरुतुल्य महापुरुषों के चरणों में बंदन के उत्पन्न .. दूर पास से आये हमारे देश के युवा वीरो , प्रणाम . आज की बात दो minute का समय दिया गया है .. सुनने में तो कम लगते हैं दो minute.. बहुत कुछ हो सकता है.. इन दो minute के अंदर ..</p> <p>देखिये हिन्दुओ के लिए एक बात कही गयी है की हिन्दू डयलो है.. इसलिए पीछे रहता है.</p> <p>नहीं है हिन्दू दयालु . इतिहास गवाह है .. हिन्दुओ ने यदि दया करि है तो अपने आप में करि है .. कभी उसने एक दुसरो पर नहीं कृ .. अगर हिन्दू दयालु होता तो हमारे महापुरुष , हमारे भगवन shri ram ravan का वध नहीं करते .. हमारे भगवन shri krishna, kans का वध नहीं करते .. और इतिहास गवाह पड़ा है की हिन्दुओ ने कितने बड़े बड़े सूरमाओ का खात्मा कर दिया है ..</p> <p>एक शब्द आता है दया तो आज हम दया की बात करते हैं .. देखिये एक छोटा सा किस्सा बताऊंगा समय बहुत कम दिया गया है ..</p> <p>दो मित्र थे .. एक हिन्दू और एक मुस्लमान .. दोनों की बहुत मित्रता थी .. दोनों एक जगह .. शहर में कर्फ्यू लग गया .. मुस्लमान का बच्चा हिन्दू के घर</p>	<p>Swami Vinod Maharaj</p> <p>Respected saints on the stage, at the feet of our guru like great men.. Salute to the young heroes of our country who came from far and wide. Today's talk has been given a time of two minutes.. It seems like two minutes is not much.. But a lot can happen in these two minutes..</p> <p>Look, one thing has been said for Hindus that Hindu are very kindhearted.. That's why they are left behind.</p> <p>Hindus are not kind. History is witness .. if hindus had shown kindness, they have done it for themselves .. They were never kind to others .. if hindu were kind then our great men , our Lord Shri Ram would not have killed Ravan .. our god Shri Krishna would not have killed Kans.. and history has witnessed that Hindus have killed so many great warriors..</p> <p>One word comes, kindness, so today we will talk about kindness.. Look, I will tell you a small story, but very little time has been given..</p> <p>There were two friends .. a hindu and a muslim .. both had a lot of friendship ..</p>

फस गया .. सरे मोहल्ले के लोग इकट्ठे हो कर आ गए .. उन्होंने कहा इसको निकालो .. मुस्लमान को हमने इससे काटना है .. हिन्दू ने कहा हमारे यहाँ सिखाया गया है .. athiti devo bhavah.. यह हम (inaudible) यह प्रमाण हुआ हिन्दू की दया का ... यह कामाल हुआ न हिन्दू की दया का .. दया किया न?...

कुछ समय पश्चात .. वही कांड दुबारा दोहराया गया .. वो हिन्दू का बच्चा मुस्लमान के यहाँ था .. और curfew लगा .. तो मुस्लमान के यहाँ फस गया .. सारे मुस्लमान इकट्ठे होकर आ गए .. बोले इस हिन्दू के बच्चे को हमें दे दो .. उसने कहा ले लो .. बढ़िया बात .. उसने कहा इससे ले लो और काट दो ...

अंदर वो छुपा हुआ जो हिन्दू था .. उसने सोचा अब तो जान पर बन आयी है तो क्यों न मैं इसका मुकाबला करूँ .. वही पास में एक फर्शा पड़ा था .. उसने उसको उठाया और मार काट शुरू कर दी .. और मार काट शुरू करने से पहले .. veer gati को प्राप्त होने से पहले .. उसने कहा की हिन्दू धर्म में हमने दया सीखी है तो हमें सिखाया गया है की यदि कोई व्यक्ति आपके शरण में आये तो उसकी रक्षा करना और यदि कभी धर्म पर बात आ जाए तो, हिन्दू पर बात आ जाए, तो उसके घर में घुस कर प्रहार करना ..

वही उसका संगरक्षण किया .. और कई मुसलमानों को उसने ढेर कर दिया .. तो ये हिंदुत्व है ..

used to live in one place .. curfew was imposed in the city .. Muslim's child was stuck in hindu's house .. people of all the locality gathered and came .. they said "take him out .. we have to cut that muslim" .. hindu said, "we have been taught here .. athiti devo bhavah (guests are a form of God).. (inaudible) This is a proof of hindu's kindness... it is an example of hindu's mercy.. He showed kindness/mercy, didn't he?

After some time .. the same incident was repeated again .. that hindu's child was in muslim's place .. and curfew was imposed .. he got stuck with the muslim .. all muslims came together and said, "give this son of a hindu to us." He said, "take him" .. Waow.. such a great thing .. he said "take him and kill him" ...

The hindu was hiding inside.. He thought that now it has come to life, so why not fight it.. There was an ax lying nearby.. He picked it up and started killing them.. Before starting .. before attaining nirvana .. he said that in hindu religion we have learned mercy.. then we have been taught that if any person comes to your shelter then protect him.. and if ever it comes to religion.. when it comes to a Hindu, then enter their house and attack them.

He died fighting there.. and he killed many Muslims.. so this is Hindutva..

	<p>हमारा दया का मतलब कमजोरी नहीं होता है .. दया का मतलब होता है की हम अपनी सुविक्शा से किसी को माफ़ कर सकते है यदि वो माफ़ करने योग्य है . क्युकी समय काम है .. इसीलिए अपनी वाणी को विराम देते हुवे ..</p> <p>jai hind. Jai bharat.. bharat mata kii.. jaii.. bharat mata kii.. jaii.. bharat mata kii.. jaii..</p>	<p>Our mercy does not mean weakness.. Mercy means that we can forgive someone with our wisdom if he is worth forgiving. Because time is constrained.. That's why I pause my speech here..</p> <p>(chants)</p>
(02.39.51 )	<p>बोलिये satya sanatan dharma ki.. jaii...</p> <p>आज थोड़ा समय का अभाव है .. कल के लिए एक सुचना और दे दूँ .. जितने भी यहाँ हिंदुत्ववादी संगठन है सबके जो जो प्रधान है .. जो संगठन को संचालित करने वाले है .. कल से उन् सब का भी ..वक्तव्य रहेगा .. और हम सब अपनी team को सम्बोधित करेंगे .. अपनी team को जागृत करेंगे .. इसी सांगखाला में सिर्फ दो minute का समय pujya swami balram singh ji.. बहुत समय का आभाव है .. swami ji समय का विशेष ध्यान रखें .. उसके बाद मैं सिर्फ ..</p>	<p>(chants)</p> <p>Today there is a lack of time.. Let me give one more information for tomorrow.. All the Hindutva organizations resent here, everyone who is the head .. who is running the organization .. from tomorrow all of them will also give their speeches .. And we all will address our team.. will awaken our team.. In this order, only two minutes of time revered Swami Balram Singh ji.. there is very less time.. Swami ji please take special care of the time.. after that...</p>
(02.40.32 )	<p>(Yati) देखिये .. जितने भी संगठन के लोग आये है .. हम है .. swami ji है .. हमलोग उनके साथ बैठेंगे लगातार .. संगठन के लोग .. संतो का session खतम होने के बाद तीनो दिन तक यही क्रम रहना है .. swami ji.. तीनो दिन यही क्रम रहना है .. आज भी .. कल भी .. परसो भी .. 11 बजे से 2 बजे तक संतो का सेशन है .. और उसके बाद फिर हम सब लोग बैठेंगे और चर्चा तो आप ही को</p>	<p>(Yati) Look.. people from all the organizations who are here.. We all are here.. Swami ji is here.. we will sit with him continuously.. people of the organization.. after the end of the session of saints, this sequence has to be maintained for all three days.. swami ji.. for all three days this sequence will be repeated. .. today .. tomorrow .. and day after tomorrow .. There is a session of saints from 11 o'clock to 2 o'clock.. and after that all of us will sit and discuss it for you.. Whatever you talk about .. that Dr. Sanjeev Yadav ji is sitting here,</p>

	<p>करनी है .. आप की जितनी भी बातें होंगी .. वो Dr. Sanjeev Yadav ji यहाँ बैठे हुवे है बहुत बड़े विद्वान है उन्ही का यह central idea की हिन्दू स्वाभिमान के उनमे सरे संगठन को जोड़ के और हमलोग धर्म युद्ध की ओर चले .. तो Doctor साब .. सबके सुझाव note करेंगे .. हम सब के सुझाव पर काम करेंगे .. इसीलिए संगठन .. हमलोग जितने भी संत है ... हम केवल आपको बता रहे है की करना क्या है .. करने का काम आपका ही है भैया ...</p>	<p>he is a very big scholar, it is his central idea of adding all the organizations of Hindu to fight for their self-respect and go towards the war of religion..So Doctor Saab .. he will note everyone's suggestions .. we will work on everyone's suggestions .. that's why the organization .. all the saints we are ... we are only telling you what to do .. but your work is to do it brothers. ...</p>
<p>(02.41.32 )</p>	<p>Dr. Sanjeev Yadav</p> <p>बोलिये bharat mata kii.. jaii.. bharat mata kii.. jaii..</p> <p>मेरे समक्ष जो युवा शक्ति विराजमान है .. उसी के लिए यह मंच है .. और मंच के ऊपर जो हमारी वृत्त शक्ति विराजमान है .. उसके मार्गदर्शन में ही ये कार्य हो रहे है .. और हम सब भाग्यशाली है .. हम सब भाग्यशाली इसीलिए है की हम उस युग में जनम लिए है जिस युग में Swami Narsinghanand Saraswati जैसे महापुरुषों का सप्रग हुवा हो . हम सब भाग्यशाली इसीलिए है की हमारे समक्ष ये व्यक्ति बैठ ... हमे शक्ति देने के लिए हमारे वैचारिक रूप से मज़बूत करने के लिए हमारे सामने उपस्थित है ... और हम सब भाग्यशाली इसीलिए भी है की हमारे देश में कम से कम 50 crore इससे भी ज्यादा युवा शक्ति विद्यमान है .. मैं निवेदन कर दूँ .. मैंने सुना है की</p>	<p>Dr. Sanjeev Yadav</p> <p>(chants)</p> <p>The youth power which is sitting in front of me.. for them is this platform.. and all our power is sitting above the stage.. under their guidance these works are being done.. and we are all lucky.. We are all fortunate because we have been born in the era in which great men like Swami Narsinghanand Saraswati were born. We are all lucky that he sits in front of us... to give us strength.. to strengthen us ideologically, is present in front of us... And we are all lucky because there are at least 50 crore youth power in our country.. I must request.. I have heard that there was a fire in a village.. All the people ran away. . but .. (inaudible)</p>

	<p>एक गाँव में आग लग गयी थी .. सरे लोग भाग खड़े हुवे .. परन्तु .. (inaudible)</p>	
(02.44.40 )	<p>इनके में में एक पीड़ा है , व्यथा है .. इनके में में एक चिंता है .. चिंता इस बात की .. चिंता इस बात की है की हमारा हिन्दू समाज आगे जा कर के क्या करेगा .. उसका भविष्य क्या होगा .. जिहादियों से कैसे अपने आप को बचा पाएगा .. तो ये जो महापुरुष है तीन दिवस्य मंच के माध्यम से अपने अपने विचार देंगे और उन विचारो को हमे आत्मसात करना होगा .. और हमारे जो युवा लड़के है .. युवाओ के लिए ही यह मंच है .. युवाओ हम आपको आह्वान करते है की आप सब देखो की आपके वर्तमान समय में संगठन की आवश्यकता नहीं है .. संगठन तो बहुत है .. हर संघ खुद को बचाई .. यदि हम संगठित नहीं हुवे .. संगठन बना भी लिये .. तो उससे कुछ होने वाला नहीं है .. संगठित होकर यदि हम कार्य करेंगे तभी हम हिन्दू धर्म को बचा सकेंगे .. हिन्दू राष्ट्र बना पाएगे .. इतना ही कहते हुवे मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ..</p> <p>bharat mata ki.. jai... bharat mata ki.. jai... bharat mata ki.. jai...</p> <p>Bharat ke santo ki.. jaii.. jai shri ram..</p>	<p>There is pain in their heart, there is anguish.. There is a worry in their heart.. Worry about this thing.. Worry is about what our Hindu society will do going forward.. What will be its future.. From Jihadis, how will you be able to save themselves.. So these great men will give their views through the three-day platform and we have to assimilate those thoughts.. And our young boys.. This platform is only for the youth.. Youths, we call upon you to see if there is no need for an organization in your present time... If we are not organized.. Or even if we make an organization.. then nothing is going to happen.. If we work unitedly then only we will be able to save Hindu religion.. Then only, we will be able to make it a Hindu nation.. Saying this much I stop my speech..</p> <p>(chants)</p>
(02.46.00 )	<p>bolie satya sanatan dharam ki... jai...</p> <p>समय का आभाव है .. और ज्यादा बात न कह कर के मंच को पूज्य swami</p>	<p>(chants)</p> <p>There is a lack of time.. Without saying much more, the forum would like to apologize to revered swami Prabhodanand Giri ji.. First we had to</p>

	<p>mahamandeshwar prabhodanand giri ji से क्षमा चाहूंगा की पहले अध्यक्ष भाषण के लिये निवेदन करना पड़ता है, आज लेनी पड़ती है .. तो swami ji आज इसका अध्यक्ष भासन करे .. उसे पूर्व हिंदुत्व की जाग्रति लाने वाले पुरे देश में हिन्दुओ को जगाने वाले परमपूज्य darshan bharti ji maharaj से मैं निवेदन करूंगा की वो अपने वक्तव्य के माध्यम से हम सभी युवाओ का .. हम अभी अज्ञानीजनों का मार्ग प्रदर्शन करे .. puja swamii..</p>	<p>request for a head speaker.. permission had to be taken..So swami ji please address the president speech today.. I would request Param Pujya Darshan Bharti ji Maharaj, who has awakened Hindus in the whole country, who brought them the awakening of Hindutva, through his statement, he will guide us all.. Let us show the path to all the ignorants..</p>
<p>(02.46.06 )</p>	<p>Darshan Bharti</p> <p>Jai bhadravishaal.. Jai bhadravishaal..</p> <p>क्योंकि ये भद्रवीशाल की धरती है .. और ये हमारे bhadravishaal ji है .. आज मेरे सभी , ये संसद है .. और संसद के सर भी हमारे साथी .. बड़े बड़े महात्मा .. सब आज एक संसद है .. यहाँ पर कोई बड़ा छोटा नहीं .. सब ही संसद प्रणाली की बात की जा रही है .. मैं maharaj ji prabhodanand ji जो हमारे अध्यक्ष है .. आइये अध्यक्ष जी .. मुझे बोलने की इजाजत चाहिये ..</p> <p>(Prabhodanand ) आपको पूरी इजाजत है ..</p> <p>तो आज बहुत बड़ी उपलब्धि ही तो है .. haridwar में धर्म को बचने की बात कही जा रही है .. तो शर्म की नहीं - अच्छी बात</p>	<p>Darshan Bharti</p> <p>Jai bhadravishaal.. Jai bhadravishaal.</p> <p>Because this is the land of Bhadravishal. And this is our bhadravishaal ji.. Today my all, this is a parliament.. and the head of parliament is also our partner.. big big mahatmas.. all today is a parliament.. There is no big or small here.. Everyone is talking about the Parliament system. prabhodanand ji who is our president..come president ji.. i need permission to speak..</p> <p>(Prabodhanand) You have full permission..</p> <p>So today it's a gret achievement.. in haridwar that it is being said to save religion.. so there is no shame - it is a good thing..</p>



है .. ये धर्म की बात है .. मैं कह देना चाहता हूँ एक छोटे से प्रदेश uttrakhand की तरफ से .. की uttrakhand pradesh में मुस्लिम नाम की कोई चीज़ नहीं थी .. और नागा साधुओ लोग की उस प्रतिभा उस ताकत का एहसास आपको दिलाना चाहता हूँ की क्या ताकत थी .. haridwar के साधु संतो की .. की Aurangzeb तक ने .. Rishikesh से ऊपर नहीं देख पाया .. वो साधु थे .. वो नंगे संधू थे .. जिन्होंने haridwar से ऊपर शिवलोक में किसी भी मुस्लिम शासक को घुसने की इजाज़त नहीं दी और घुसने नहीं दिया .. आज प्रश्न उठता है के एक तरफ आपलोग हिन्दू राष्ट्र की बात करते हैं .. किस हिन्दू राष्ट्र की बात करते हैं आप .. अरे वो धर्म स्थल आपका जब आप देव में uttrakhand.. maa ganga का मायका और शिवलोक कहते हैं .. जिस shivlok के नाम से आप जाने जाते हैं .. जहा आज shankaracharya की समाधी है .. और जब उस भूमि पर islamic आक्रमण हो रहा है और आप हिन्दू राष्ट्र की बात करते हैं .. जब आप अपनी भूमि को .. यह देव भूमि है .. uttrakhand मात्र एक शब्द है .. यह देवताओ की भूमि है . ऋषिओ की भूमि है . इसी भूमि से आज shankaracharya ji ने देश को एक सन्देश दिया .. आज हिन्दू धर्म की एक पुनस्तापना हुई .. अगर shankaracharya ji न होते तो आज हम सब बहुत रट .. तो हिन्दू धर्म की तो पुनस्तापना हुई और आज फिर इस देश के अंदर .. हिन्दू धर्म की .. पुनस्तापना के लिये इतने महान हस्तियों में कौन हस्ती आगे निकलता है .. यह तो समय तैय करेगा .. बाकि मैं

This is a matter of religion.. I want to say that from the side of a small state uttrakhand.. that there was no such thing as muslim in uttrakhand pradesh.. And I want to make you realize that talent of Naga sadhus, what was the power of the saints of haridwar..

that even Aurangzeb could not see above Rishikesh .. he was a sadhu .. he was a bare sandhu .. who did not allow any Muslim ruler to enter Shivlok above haridwar and did not allow.. today the question arises that on one side you talk about Hindu Rashtra..

Which Hindu nation are you talking about .. Hey that religious place is yours when you are in uttrakhand .. maa ganga's maternal uncle and Shivlok .. by the name of shivlok you are known .. where is the samadhi of shankaracharya today. . And when there is Islamic invasion on that land and you talk about Hindu Rashtra.. When you give your land.. this is Dev Bhoomi.. uttrakhand is just one word.. It is the land of gods. It is the land of sages. From this land today shankaracharya ji gave a message to the country.. Today there was a re-establishment of Hindu religion.. if it was not for shankaracharya ji, then today we all cry a lot..

So Hindu religion was restored and today again in this country.. Who among so many great personalities comes forward to restore Hindu religion..

Time will decide this .. but I definitely want to say one thing to my president ji that today haridwar and devbhumi is very sad due to islamic activities ..

But one thing is very good.. People of Devbhoomi have remembered you since 2015.. All the people from where you have come..

Carrying a message from here.. People of Devbhoomi have not allowed any mosque to be built in Devbhoomi since

निश्चित रूप से अपने अध्यक्ष जी को एक बात जरूर कहना चाहता हूँ की आज haridwar और देवभूमि islamic गतिविधियों से बहुत दुखी है .. परन्तु एक बात बहुत अच्छी लगी .. देवभूमि के लोगो ने .. 2015 से याद रखे आप .. जितने भी लोग आप जहा से आये हुवे है .. एक सन्देश लेकर जा रहे है यहाँ से .. देवभूमि के लोगो ने .. 2015 से देवभूमि में कोई मस्जिद नहीं बनने दी ... कोई मज़ार नहीं बनने दिया .. कोई मदरसा नहीं बनने दिया .. की ये भी याद रखना ... यह सीखना इन् गरीब .. इन् अहसाहस लोगो से .. जो की धर्म रक्षक है .. और निश्चित रूप से अगर जिस तरह से बाबर ने मज़ार -मस्जिद चर्च रोके गए .. क्या हम इस मैदान में नहीं रोक सकते .. तो मेरा आप लोगो से एक निवेदन जरूर है की हिन्दू धर्म के उस धर्मस्थल को बचा कर ही हिन्दू राष्ट्र की बात की जा सकती है .. अन्यथा हिन्दू राष्ट्र की बात नहीं मानी जाएगी .. अगर अपने हिन्दू राष्ट्र इससे बनाना है .. और चाहते है आपलोग की भारत यदि shankaracharya ji के बताये मार्ग पर चले तो अनिश्चित रूप से ये साधु संत ही आपको ये ज्ञान ये दिशा देंगे और उसी दिशा में आप सब लोगो को एकजुट होकर संगठन नाम की चीज़ को बहुत सही बात कही की संगठन तो बनाये जाते है अपने अपने लिए , तो षड्यंत्र तो आज देश के लिए और धर्म के लिए .. तो आप लोगो को सचेत होना होगा और हाँथ ऊपर करे आप और की जो संगठित होना चाहते है संगठन के ऊपर हाँथ कर के संगठित होकर ही

2015...

No Mazar was allowed to be built.. No Madrasa was allowed to be built.. Remember this too... Learning this from these poor people.. from these egoistic people.. Who is the protector of Dharma..

And of course if the way Babar stopped the Mazar-Masjid Church..

Can't we stop in this ground.. So I definitely have a request to you people that only after saving that shrine of Hindu religion, the talk of Hindu nation can be done..

Otherwise the talk of Hindu Rashtra will not be considered.. If you want to make your Hindu Rashtra from it..

And you want that if India follows the path shown by shankaracharya ji, then surely this saintly saint will give you this knowledge and in the same direction all of you united and said the right thing to the name of organization. They are made for themselves, so today conspiracies are made for the country and for religion.

So you people have to be alert and raise your hands that you and those who want to be organized, only by getting organized by handing over the organization, India can be made a Hindu nation..

(Chants)

	<p>भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाया जा सकता है ..</p> <p>jai bhadravishal.. aur mera sabhi aapne bhagwabesh dhariyon ko Om Namō Narayan..</p>	
(02.52.27 )	<p>bolīye bharat mata ki.. jaii..</p> <p>Pujya Darshan Bharti ji Maharaj की वक्तव्य को आपने सुना .. और समझ सकते हैं की कितनी बड़ी पीड़ा है उनके हृदय में .. इसी सांगखाला में Mahamandeshwar Shri Prabhodanand Giri ji Maharaj के वक्तव्य से पहले .. swami ji से क्षमा चाहूंगा मैं .. जो शतान देवता कहा गया है .. इस शतं का जो नेतृत्व संस्था को संचालित कर रही है .. Maa Amrita Bharti ji उनसे निवेदन करूंगा की वो दो minute में अपनी बात को सभी के समक्ष रखें .. Maa Amrita Bharti Ji..</p>	<p>(Chants)</p> <p>You have heard the speech of Pujya Darshan Bharti ji Maharaj.. and you can understand how much pain is in his heart..</p> <p>Before the statement of Mahamandeshwar Shri Prabhodanand Giri ji Maharaj in this Songkhala..</p> <p>I would like to apologize to swami ji.. which has been called Shatan Devta.. The leadership of this century which is running the institution..</p> <p>Maa Amrita Bharti ji will request her to keep her point in front of everyone in two minutes.. Maa Amrita Bharti Ji..</p>
(02.53.30 )	<p>Maa Amrita Bharti</p> <p>(Prayer)</p> <p>सबसे पहले सभी mahamandesleshwargan की चरणों में नमन करती हूँ .. (prayer) इस कार्य के मुख्या हमारे swami में तो भाई कहती हूँ .. अपने भाई को Narsinghanand Saraswati Maharaj ji के चरणों में नमन .. तो आइये आप सभी लोग जो यहाँ आये</p>	<p>Maa Amrita Bharti</p> <p>(Prayer)</p> <p>First of all I bow at the feet of mahamandesleshwargan..</p> <p>(prayer) Our master of this work, I call it brother..</p> <p>Tribute to your brother at the feet of Narsinghanand Saraswati Maharaj ji.. So come all of you people who have come here..</p> <p>In this Parliament of Religions, you guys</p>

हैं .. इस धर्म संसद में आप लोग सुन रहे थे की हमने क्या करना है.. हमारा कर्तव्य क्या है हर इंसान का कर्तव्य है अपने कर्तव्य को निभाएंगे तो हम सफ़ता पाएंगे.. जैसे की महापुरुषों ने इशारा किया है उनके आगे मैं क्या कह सकती हूँ की अपने धर्म की खातिर किस किस ने जान नहीं दी है .. अनेको उद्धरण हमारे सामने है .. जब की ये दिन वो चल रहे हैं जब की हमारे दशवी पातसाही guru gobind singh maharaj ji ने अपनी कुर्बानियां कर दी थी .. विचार कीजिये .. उन्होंने यही कहा था .. जब की मुग़लों ने अत्याचार किया की धर्म बदल लीजिये .. तो उन्होंने कहा हम धारण नहीं बदल सकते भाई . क्या करेंगे .. उन्होंने कहा हम आपको दिवार में चुनवा देंगे .. छोटे हो कहना मान जाओ .. कितनी उनको इशारा किया लेकिन बच्चे अपने धरम पर विचार कीजिये .. उनकी छोटी आयु थी .. धर्म पर वृन्द रहे ... उन्होंने कहा कोई बात नहीं आपने क्या करना है जो करना है कर लीजिये ... बोले बच्चो मान जाओ .. आपकी आयु छोटी है .. धर्म बदल लो जीते रहोगे लम्बी आयु पाओगे .. उन्होंने कहा नहीं .. हम धर्म की खातिर क्या है जी .. अपनी जान कुर्बान करने को तैयार है ...

और उन्होंने कहा .. सुनिए उन्होंने क्या कहा .. नहीं हम झुक नहीं सकते .. नहीं हम रुक नहीं सकते .. यही दिवार बोलेगी .. हज़ारो बार बोलेगी .. अपने जो करना है कर लीजिये .. रखो इते धारो गरे .. चीनो दिवार हत्यारे .. हमारी सांस बोलेगी .. हज़ारो बार बोलेगी .. हमारे तन की जय

were listening that what we have to do..

What is our duty, it is the duty of every human being, if we fulfill our duty, then we will be able to achieve success.

As the great men have indicated, what can I say in front of them that who has not given life for the sake of their religion..

Many quotes are in front of us .. as those days are going on when our tenth patasahi guru gobind singh maharaj ji had sacrificed his life..

Consider it.. this is what he said.. when the Mughals committed atrocities to change religion..

So he said we can't change the hold, brother. What will you do.. He said we will get you elected in the wall..

If you are small, agree to say so much.. But children, consider your religion.. They had a small age. .. your age is short .. change religion you will live long life .. he said no .. what are we for the sake of religion ji .. ready to sacrifice his life ...

And they said .. listen what they said .. no we can't bow down .. no we can't stop .. this wall will speak .. a thousand times wall killer.. our breath will speak.. will say thousands of times.. our body ki jai ho.. shri guru granth ki jai ho..

What did he do for the sake of his religion, he gave his sacrifice.. when the elder brother saw the wall coming over the younger brother..

हो .. shri guru granth की जय हो .. अपने धर्म की खातिर उन्होंने क्या किया जी अपनी कुर्बानिया दे दी .. बड़े भाई ने जब देखा छोटे भाई के ऊपर दिवार आ रही है .. आँखों में आंसू आ गए .. छोटे भाई ने पूछा के भैया क्या घबरा गए आप ?.. बोले मैं घबराया नहीं .. मैं ये देख रहा हूँ .. के पहले दुनिया में आया तो मैं था .. लेकिन दुनिया से पहले कुरबानी तू दे रहा है .. मेरी बारी बाद में आएगी .. इसलिए .. हमने इस धर्म संसद में ये निश्चय करना है .. अपने देश को भारत राष्ट्र बनाने के लिए अपने धर्म की खातिर अपनी जान कुर्बानी को हम तैयार खड़े हैं .. डरना नहीं इसके लिये .. और क्या करना है .. हमने हर इंसान को जगाना है .. हमारे भाई ने जैसे ठेका लिया है .. ठेका ही तो हुवा न जी .. की हिन्दुओ को जगाने का ठेका लिया है .. जो लोग सो रहे हैं वो लोग जागो .. शेर की तरह सोना नहीं है .. जागना है हमने .. अगर नहीं जागेंगे तो धोका खा जाएगी .. सब महापुरुष आपको जगाने के लिये आये हैं .. इसलिए हमने जागना है . अपने धर्म की खातिर .. अपने देश की खातिर .. अपनी कुरबानी तो करनी ही करनी है .. डरना नहीं है .. हम डरते नहीं हैं .. लेकिन ध्यान रखना अपने धर्म पर दरिन्द रहे और अपने आस पास जैसे की बता रहे थे की शास्त्रों की , पहले शास्त्र होते थे इंसान को जीने के लिए , धर्म के लिए शास्त्र भी बढ़ने है लेकिन कोई बात नहीं , लेकिन अब क्या है जी की समय आ चुका है .. जब समय आता है तो प्रभु ram ने भी तीर उठाया था... रावण को मारने के लिए .. और kans को मारने के लिए क्या जी भगवन

Tears came in my eyes.. Younger brother asked, are you scared brother?.. Said I was not scared..

I am seeing this..

Before I came to the world, I was there.. But you are giving the sacrifice before the world.. My turn will come later..

That's why we have to take this decision in this Parliament of Religions.. We are ready to sacrifice our lives for the sake of our religion to make our country a nation of India..

Don't be afraid for this .. what else to do .. we have to wake up every human .. like our brother has taken the contract .. the contract hi toh hua ji .. that we have taken the contract to wake up the Hindus ..

Wake up those who are sleeping.. don't sleep like a lion.. we have to wake up.. if you don't wake up, you will be deceived..

All great men have come to wake you up.. That's why we have to wake up. For the sake of our religion .. for the sake of our country .. you have to sacrifice yourself .. don't be afraid .. we are not afraid ..

But keep in mind, be cruel to your religion and as you were telling about the scriptures, earlier there were scriptures for a person to live, scriptures also have to grow for religion but it doesn't matter, but now what is the time has arrived..

When the time comes, Lord Ram had also raised an arrow... to kill Ravana.

That's why we have to do the same today.. that we have to save this country from being islamic.. and what to do to our country.. to make a Hindu nation..

	<p>krishna ji ने भी उसका नरसंघार किया था .. इसलिए हमें भी आज यही करना है .. की हमने इस देश को islamic होने से बचाना है .. और अपने देश को क्या करना है जी .. हिन्दू राष्ट्र बनाना है ..</p> <p>बोलो bharat mata ki.. jai.. vande.. matram.. vande.. matram.. vande.. matram..</p> <p>इतना ही कहूँगी समय की मर्यादा को देखते हुए महापुरुषों का समय था .. महाराज जी ने सम्मान दिया है .. मौका दिया है . तो धन्यवाद ..</p> <p>Hari Om..</p>	<p>(Chants)</p> <p>TDue to lack of time, I conclude my speech here. I would like to say thank you to all the great men for giving me a chance to speak</p>
(02.58.04 )	<p>bolie satya sanatan dharam ki... jaii..</p> <p>इसी सांगखाला में बहुत से संत महापुरुष ऐसे हैं जो नहीं इस मंच पर अपना वक्तव्य दे पाए हैं .. मैं सभी संत चरणों में करवत्या निवेदन एवं सस्तान प्रणाम करते हुवे क्षमा प्रार्थि हूँ .. pujya Satyanarayan जो भी मंच पर है ... mahamandeshwar और भी कई sant purush विराजमान हैं .. Kamlesh narayan saraswati ji maharaj विराजमान हैं .. तो सभी कल पुनः .. सभी का वक्तव्य होना है .. सबके हृदय में जो भारत की एक बहुत बड़ी पीड़ा है .. एक सनातन के नष्ट होने की जो पीड़ा की जो आशंका दिख रही है वो सब जो जो लोग रह गए हैं... sant mahapurush वो कल फिर से आकर के अपने वक्तव्य के</p>	<p>(chants)</p> <p>In this order, there are many saints and great men who have not been able to give their statement on this platform.</p> <p>I apologize to all those saints.</p> <p>Mr. Satyanarayan, Mahamandeshwar and Kamlesh narayan saraswati ji along with many other saints are seated here.. In everyone's heart there is pain towards the state of affairs in India. This pain is the apprehension of destruction of Sanatan dharma. All those whose apprehension towards this issue remains will come tomorrow and address us all. Now for the Presidential speech, I would request Mahamandeshwar Swami Prabhodanand Ji Maharaj Ji to come to dias. I also wish to notify you that there's arrangement for food for everyone after the programme ends.</p>

	<p>माध्यम से हम सब का मार्गदर्शन करेंगे अब अध्यक्षी भासन के लिये पूज्य परमपूज्य mahamandeleleshwar Swami Prabhodanand Ji Maharaj ji से मैं निवेदन करूंगा की तथा एक सुचना और है के ये धर्म संसद आज के समापन के पश्चात सभी के भोजन की व्यवस्था जो sant mahant लोग है उनके निचे यहाँ basement में है.. और जितने भी हमारे हिन्दू भाई संगठन के लोग संगठित हुवे है उन् सब की व्यवस्था पीछे प्रागण में की गयी है.. और कुछ वरिष्ठ mahamadeleshwar है उनकी व्यवस्था पूज्य swami satratanand ji maharaj वो आपका सञ्चालन के साथ बताएगे की कैसे कहा है ..</p> <p>तो pujya swami ji maharaj के चरणों में ..(inaudible)</p>	<p>For the saints, the food arrangement will be in the basement, the volunteers of all Hindu organisation will be served food in the backyard. Swami Satyanand Ji Maharaj will guide the other senior seniors about other arrangements.</p>
<p>(02.59.55 )</p>	<p>(Prayer)</p> <p>बोलो भारत माता की .. जय ...</p> <p>थोड़ा और ज़ोर से -. Bolo bharat mata ki.. jaiiii...Bolo bharat mata ki.. jaiiii...</p> <p>आज हम सभी त्रि दिवसयि धर्म संसद में उपस्थित हुए है .. mahamandeleleshwar swami narsinghanand giri ji maharaj की पहली धर्म संसद ऐतिहासिक धर्म संसद थी .. और उस समय शायद पता नहीं था सबको की इतिहास की नीव राखी जाएगी .. और ये बात कुछ लोगो के मन में हिन्दुओ को कह रहा हूँ ...</p>	<p>(Chants)</p> <p>Today all of us have attended the three-day religious parliament..</p> <p>The first religion parliament of Swami Narsinghanand Giri ji Maharaj was a historical religious parliament.. and at that time probably, we did not know that the foundation of history would be laid for everyone..</p> <p>And I am saying this thing to the Hindus,</p>

हिन्दुओ के शत्रुओ को पता था .. हिन्दुओ को पता नहीं था .. और हिन्दुओ के शत्रुओ ने इस धर्म संसद को Fail करने के लिए narsinghanand ji को धर्म संसद से पहले ही गिरफ्तार कर लिया और जेल भेज दिया .. और वो पहली धर्म संसद आयोजित की गयी थी deoband में जहा इनके गुरुजी रहते थे .. puja swami bhramanand saraswati ji maharaj... मेरे पास उनका phone आया की maharaj धर्म संसद का आयोजन किया देश में पूरी बदनामी हो जाएगी की धर्म संसद नहीं हो पायी .. मैंने कहा महाराज shrii.. हमने ये सुना की कोई संत संकल्प ले लेता है तो उसका पूरा होता है तो कोई रोक नहीं सकती दुनिया की कोई ताकत नहीं .. मुझे तो पता भी नहीं था इन्होंने भी नहीं बताया था gurudev ने भी नहीं बताया था .. हमने थोड़ी सी ज़िंक्र भी की थी mahamandeshwar Prabhanand ji ने .. Premanand ji से कुछ हरिद्वार के संतो से मैंने कहा .. उन्होंने कहा महाराज जी वो चले गए .. और घोर police का गहरा होने के बाद और आपदायी सरकार के अंकुश होने के बाद उनकी नाक के नीचे हम धर्म संसद चला कर आये .. देकर आये ..

और उसके साथ ही Dr Premanand Maharaj ji Mahamandeshwar जो है सामने .. मेरे साथ थे उस दिन .. उस समय ऐसा लग रहा था की अब यह धर्म की बात करना भी अशंभव हो जाएगी .. लेकिन सबके मंसूबो पर पानी फिरा और haridwar की संतो को भी पता लगा की कुछ haridwar में ऐसे भी mahatma

in the mind of some people, the enemies of the Hindus know.. But the Hindus do not know.. and the enemies of the Hindus had conspired against Narsinghanand ji, even before the religious parliament was in order, to disrupt it.. He was arrested and sent to jail.

And that first religious parliament was organized in Deoband where his Guruji used to live.. Bharahmanand Saraswati ji Maharaj... I got a call from him that Maharaj religious parliament was disrupted. there will be complete disrepute in the country that it could not be held. .

I said Maharaj shrii.. We have heard that if a saint takes a resolution, then it is fulfilled, then no one can stop it. There is no power in the world to stop it..

I didn't even know, they didn't even tell me, gurudev didn't tell me either..

Prabhanand ji mentioned a little bit.. "Premanand ji, I told some Haridwar saints.."

He said Maharaj ji we left.. and even after tight patrolling of the horrific police and control of the catastrophic government, we, under their nose, organised the religious parliament..

And with that Dr Premanand Maharaj ji Mahamandeshwar who is in front .. was with me that day .. At that time it seemed that now it would be impossible to even talk about religion..

But everyone's intentions turned into water and the saints of haridwar also came to know that in haridwar there are such mahatmas (great men) who are ready to fight..



रहते हैं जो लड़की लेने को तैयार रहते हैं

..

तो narsinghanad ji का पहली बार जो दंड इन्होंने खड़ा किया वो दंड को हमने पकड़ लिया था आपके इस बात के प्रत्यक्ष गवाह है सबलोग ... मैं आपको ये बात केवल याद दिलाने के लिए कहता हूँ .. आज कोनसी धर्म संसद है वो .. गिनती है कुछ .. याद नहीं है .. कोई बात नहीं है .. जब याद नहीं है तो और अच्छी बात है ..

(Yati) मैं maharaj ji रिकॉर्ड नहीं रखता...

बहुत अच्छी बात है ..अब इसका मतलब यह है की अनगिनत धर्म संसद हो गयी है और अनगिनत धर्म संसद चलती रहेगी

..

और हर धर्म संसद एक नया इतिहास रचेगी .. क्यूकी मैं ये बात इसलिए कह रहा हूँ तब हम पांच पहली धर्म संसद में पांच महात्माओ ने कराई थी .. आज उसी हरिद्वार में जो कहते हैं की haridwar के mahatma.. भंडारे और आनंद से सोने में विश्वास रखते हैं .. तो आप देख लो haridwar के अधिकांश महात्मा इसी मंच ही पर बैठे हैं ... और इनको मालूम है .. इनको मालूम है की आज कोई भंडारे की दक्षिणा मिलने वाली नहीं है .. क्यों भाई ठिक्क बात ही .. आज कोई दक्षिणा नहीं मिलेगी .. तो भी आये है .. बात केवल इतनी है .. कोई एक लट डाता है और कोई आगे दंड लेकर चलता है... और फिर बाद में कारवां बनता है

Then we held the stick of Narsinghanad ji for the first time. We are a direct witness of this fact, everyone... I ask you this just to remind you..

What is the number of today's parliament.. Have you kept a count.. He doesn't remember anything.. doesn't matter.. when you don't remember, it's even better

(Yati) Maharaj ji, I do not keep records...

It's a very good thing.. now it means that there have been innumerable parliaments and innumerable religious parliaments will continue to run..

And every religious parliament will create a new history.. I am saying this because then we were five, in the first religious parliament, only five saints organised it..

Today in the same Haridwar, those who say that the mahatma of haridwar believe in eating and sleeping.

And they know.. They know that today no one is going to get money for eating here.. Am I right? They will not get any money today.. Even then they have come.. The only thing is this.. Some people carry the sticks and some walks ahead to lead them...

And then later a caravan is formed.

और इन्हे तो ये बात मेरे से ज्यादा प्रशांतगत विषय किसी के लिए नहीं हो सकती .. वैसे सरे बड़े बड़े महापुरुष है यहाँ पर .. जो हिन्दू के लिए तन मन धन राण सब अर्पित करने के लिए तैयार है ..

लेकिन मैंने जबसे आँख खोली .. तबसे हिन्दू हिन्दू की बात सुनते सुनते मेरे एक एक राग में घुस गयी .. और घुसने के कारण जो अपने को तथाकथित हिन्दू कहते थे मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता वो ऐसे cooler की तरफ सरकारों की तरफ चले गए ऐसे मैं हिन्दू का काम करने के लिए बिल्ले रह गए थे .. उनमे से ही हम सब लोग है .. और उस काम को करने के लिए आगे बढे ..

तो ये मेरे हृदय के पीड़ा  
mahamandaleshwar swami yati  
narsinghanad saraswati ने समझी उस बात को .. मेरे से ज्यादा शक्ति लगा कर के और उस काम को आगे बढ़ने का पीड़ा उठाया तो इनका और मेरा अलग अलग काम नहीं है .. एक ही काम है .. ये कई बार मुझसे ये कहते हैं .. maharaj जी मैंने आपको गुरुदेव के सम्मान मन है .. कल इन्होंने एक बात बहुत बढ़िया बात कही .. इन्होंने कहा सरे रिश्ते झूठे हो सकते हैं .. सरे रिश्तो में हमला हो सकता है .. लेकिन मित्रता का रिश्ता ऐसा है जिसपर कोई हमला नहीं कर सकता .. ये रिश्ता झूठा नहीं हो सकता ..

And this thing cannot be more peaceful for anyone than it is for me.. These are all great men here.. who are ready to offer their body, mind, wealth, life for the Hindu.

But ever since I opened my eyes.. listening to the talk of Hindus, got into each and every veins.. And because of it, those who called themselves 'so called' Hindus, I do not want to name anyone, some went with AC, coolers, or towards the governments, so there were only a few left to do the work of Hindus.. We are all among them only.. We should proceed to do that work..

So this is the pain of my heart that Swami Yati Narsinghanad Saraswati understood that pain.. by putting more energy than me and taking the pain of going ahead with that work. We do not have different agendas.. It is the same work. He tells me this many times.. Maharaj ji, I have a lot of respect for him.. Yesterday he said a very nice thing.. He said, all relationships can be false.. all relationships can be attacked.. But friendship is such a thing which cannot be attacked.. This relationship cannot be false..

What respect he gives me, it is his

ये मुझे क्या आदर देते हैं ये इनकी बड़ापन है .. लेकिन narsinghanand जी की मैं पहली धर्म संसद में गया था .. तो मैंने आपको मित्र मान लिया था हृदय से कहा नहीं था ... तो आप कहते हैं हाँथ मत छोड़ देना .. आप हाँथ झटका देकर भी छोड़ के जाने का सहस करोगे तो नहीं छोड़ूंगा .. किसी कीमत पर नहीं छोड़ूंगा ..

और केवल अकेले हम नहीं .. यहाँ जितने हैं सब इनके साथ हैं .. हाँथ उठा के एक बार सरे संतो ...  
har har mahadev..

और ये इस बात का प्रमाण है ये पहला दिन है धर्म संसद का .. और इन्होंने जो बहुत काम किया है हमसे विचार विमर्श करते रहते हैं कभी कभी ... मैं जो बात आपको कहना चाहता हूँ बहुत महत्वपूर्ण है .. उसपर चर्चा करना तीन दिन तक .. अध्यक्ष होने के नाते मेरी जबान पर लगाम होते हैं .. तो अध्यक्ष भासन होने के नाते मैं जबान पर लगाम रखूंगा लेकिन जो बात जिस के लिए धर्म संसद बुलाई है तीन दिन की चर्चा है .. अब एक बात तो भूल जाओ .. के पुरे विश्व की ताकत सनातन धर्म को छेड़ सकेगी .. हानि नहीं पहुंचा सकेगी .. अब तोह विषय केवल इतना है इस दृष्टि को बचने के लिए अगर सृष्टि पर मानवता बचने के लिये इस जमीन से islam समाप्त होना चाहिये .. और अगर इस्लाम समाप्त करने की नींव हमने रख दी है .. अब नींव रख गयी है भवन बनाने की ज़रूरत है .. मेरे पास जब ये रिज़वी को लाये - shia wakf board के .. तो इन्होंने कहा महाराज जी

greatness.. But Narsinghanand ji, when I had gone to the first religious parliament, I had accepted you as a friend.. I never said it..

You ask me not to leave your hand..I say, even if you try to leave my hand with a jerk, I will not leave.. I will not leave it at any cost..

And you are not alone.. Everyone is here with you.. Raise your hands once.. all the saints...  
(Chant)

And this is the proof of the fact that this is the first day of the religious parliament.. And he keeps discussing with us about a lot of work he has done. What I want to tell you is very important.. We will discuss it for three days.. Being a presidential speaker, I will keep my tongue under control, but the matter for which this parliament has been called for should be discussed all three-day. Now forget that any power of the world will be able to disturb sanatan.. Can't hurt.. Now the subject is just this: to save this planet, to save humanity, Islam should end from this land. We have laid the foundation to end Islam.. Now the foundation has been laid, there is a need to build a building.. When he brought Rizvi to me - of shia wakf board.. then he said maharaj ji you have to preside over the launch of his book on mohammad..

	<p>उसकी mohammad पुस्तक अध्यक्षता आपको करनी होगी ..</p> <p>मैंने कहा भाई अगर श्रिस्ति से islam को समाप्त करने की नीव की अध्यक्षता में करूंगा तो मुझे बड़ा सौभाग्य कोई नहीं .</p> <p>Haridwar ये तीर्थ नगरी है , पूर्ण भूमि है .. यहाँ पर अगर कोई काम किया जाता है .. एक शहस्त्रा घृणा उसका फल मिलता है .. आप समझ सकते हैं .. जब एक rizvi ने muhammad की और कुरान की पोल खोल दी है तो ये समझ लो एक हजार rizvi को पोल खोलने को तैयार हो गए हैं ..</p>	<p>I said, "brother, if I preside over the foundation for the abolition of Islam as a faith, then I have no great fortune."</p> <p>Haridwar, it is a pilgrimage city, a pure land.. If any work is done here .. Hatred gets its fruit.. You can understand.. when one rizvi has exposed the muhammad and the Quran, then understand that a thousand rizvi are ready to expose the truth.</p>
(03.12.12 )	<p>हम आप जब चिल्ला चिल्ला कर कहते तो लोग कहते थे की mahatma कुछ भी बोलते हैं .. लेकिन आज वो बोल रहा ही जो कहता है islam के खट्टर हमहि हलवाई है ..</p> <p>shia और sunniyo में .. shia मजबूत मन जाता .. और उसने सीधे सीधे केह दिया बहुत लम्बा भाषण देने की ज़रूरत नहीं है .. यह उसने कहा है .. भले हम भी उस बात को पहले से कहते थे , समर्थन करते थे , की पुरे विश्व में islam को सम्प्रदा है , न पंत है , यह है के वो जिहादी लूटेरे , कातिल , criminal gang है ..</p> <p>ये अब इस बात पर मोहर लग गयी है .. अब ये तैय हो गया है पुरे विश्व में .. और ये बात हम कह रहे हैं ऐसा नहीं है .. चीन भी कह रहा है .. america भी कह</p>	<p>When we used to shout and shout, people used to say that this mahatma speaks anything.. (unclear)</p> <p>In shia and sunni.. Shia are more respectful.. and he said it straight. There is no need to give a very long speech.. This has been said by him.. Even though we used to say that before.. We used to support it that there is an islamic culture in the whole world. it is a religion of jihadis, robbers, murderers, criminal gangs..</p> <p>It is now a stamped matter.. Now it has been decided in the whole world.. And it is not that we are saying this thing, China and America are also saying.. And India is the biggest in the world .. Everyone is saying that muslims are only a gang of terrorists .. a gang of</p>

रहा है .. तो भारत में क्या विश्व में सबसे बड़ा dad है .. वो है भी और यह दादा भी कह रहा है के मुस्लमान केवल आतंकवादियों का जिहादियों का गैंग है .. criminalo का gang है .. अपराधियों का gang है .. यह जो हमने चिंगारी लगायी थी , अब यह आग बन गयी है ..

और इस आग को बुझने नहीं देना है .. ये त्याग करने के लिए धर्म संसद बुलाई गयी है .. इसमें हर एक अपनी आहुति डाले . कोई मिट्टी का तेल डाले .. कोई घी डाले .. कोई diesel डाले .. ये धर्म संसद इसी लिए बुलाई गयी है ... अब यह आग बन गयी ही .. और इस आग को जलना है खूब .. और इतना जलना है की मानवता विरोधी जितने पाप अवतार है उन् सरे पाप इस अग्नि में जल कर भस्म हो जाए .. इस काम को हम सब को करना है ..

तीन दिन इस बात पर चिंतन की उसमें आप का इतिहास लिखा जाएगा .. मैंने jitendra narayan और उनका अब पुराण नाम ज्यादा लेना ठिक नहीं .. अब उनका नाम है jitendra narayan singh tyagi.. तो भाई दो बातें तैय हो गयी .. tyagiyo ने पुरे देश में ये बता दिया की हम वास्तव में त्यागी है . हम धर्म को बचने के लिए सब कुछ त्याग सकते है ..

क्युकी धरम के लिए सबकुछ है .. और उसका नेतृत्व हमने Yati को दिया है .. और वो बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे है .. और उन्होंने tyagi बना कर के आप सब ने सुना है .. के भाई घर चाहिये

criminals.. this fire we see today, was ignited by us..

Don't let this fire be extinguished.. The religious parliament has been convened to make this sacrifice. Some people have to put kerosene oil .. some 'ghee' .. some diesel .. this Dharma Sansad has been called for this reason .. now it has become a fire .. and this fire has to burn a lot.. so much that all the anti-humanity elements, all the sinners turn to ashes in this fire.. We all have to do this work..

For three days I contemplated on this matter, your history will be written in it.. I Jitendra Narayan, as taking his old name is not right.. His name is Jitendra Narayan Singh Tyagi.. So two things have been decided.. Tyagis (upper-caste) have told the whole country that we are really renouncers. We can sacrifice everything to save religion.

Because dharam is everything .. and we have given its leadership to Yati .. He is fulfilling his responsibility very well .. He made him a tyagi as you all heard .. and when a name had to be given, he chose his third brother's name for him.. This is a time of self-respect for all of us.. But Yati alone will not work.. We all have to

तो अपने तीसरे भाई का नाम उसे दिया है ये हम सब के लिए स्वाभिमान का समय है .. लेकिन अकेले Yati से काम नहीं चलेगा .. बार बार मंच से आवाज़ आयी हम सब को Yati बनना है .. तो भाई सीधी सी बात है .. और यही समस्या है .. कोई बड़ी समस्या नहीं है ..

पिछले दिन मैं Gaziabad में बैठा था .. Gaziabad में जो मुस्लमान प्रबंधित है .. हिन्दू से मुस्लमान बनाया वो rajput है , kshatriya है .. एक बार वो हमारे "Hindu Raksha Sena" के कार्यालय में आ गए , हमारे महामंत्री ने वो वीडियो भी बहुत वायरल की .. मैंने कहा तुम विधर्मी बन कर कब तक रहोगे .. सीधे सीधे वार्तालाप किया उससे .. आप मानते हो की maharana pratap के वंसज हो .. कहने लगे maharaj मानते नहीं, हम है .. आज भी बाकि rajputo में जो पगड़ी की प्रथा है, वो मुस्लमान के यहाँ से आती है ..

तो हमने कहा पगड़ी भी जाती है .. हाँ जाती है .. हमें पता भी नहीं था वो चला रहा था live बालक .. मैंने कहा फिर ये कब तक आप धरती में जीवित रहोगे .. बात लम्बी बढ़ी .. तो बीस पच्चीस 20-25 मुस्लमान होंगे .. उन्होंने कहा महाराज हम तो तैयार है .. आप स्वीकार कर लो ...

ये तैयार बैठे है .. लेकिन ज़रा अपना हृदय खोलो .. आज हम केवल इस धर्म संसद में भूले भीसरण ठीक है न .. हम पहले अपना हृदय खोले .. जैसे jitendra narayan tyagi के लिये हमारे Yati ने अपना हृदय विशाल बनाया .. मैंने इनको

become Yati again and again.. this is the problem .. but not a big problem ..

Yesterday i was sitting in Gaziabad .. the muslim who is there in Gaziabad was converted. He was a rajpus, kshatriya (caste).. once.. He is ours.. One day, he came to the office of "Hindu Raksha Sena".. Our General Secretary made that video very viral.. I asked him directly. "How long will you stay here as a heretic? Do you believe that you are the descendants of Maharana Pratap?"

He started saying, "maharaj we don't just believe, but we are" .. the tradition of wearing the turban is still followed.

I didn't even know the young boy was broadcasting it live.. I said then how long will you live on this earth .. matter grew long .. when 20-25 Muslims came and said, "Maharaj, we are ready .. please accept it..."

They are ready.. You just have to open your heart.. It is okay if you are aimless in this religious parliament.. We should first open our hearts. Like Yati did for Jitendra Tyagi.. I congratulate him for this.. and the rest of the Tyagi society also said that we will give a place in our society. ..

इसके लिए बंदन करता हूँ .. अभिनन्दन करता हूँ .. और बाकि त्यागी समाज ने भी कहा की हम अपने समाज में स्थान देंगे ..

आज उनको आभास भी हो गया है .. एक बात बताऊँ खराब से खराब आदमी .. जैसे बताता हूँ .. कोई नामी चोर हो .. लेकिन अपने महोल्ले में चोर नहीं केहेलवाना चाहता .. आज पुरे विश्व में इनका पतिता हो गया है .. सब पोल खुल गयी है . ये भी उस आतंकवादी जिहादियों में रहना नहीं चाहते .

अपने अपने भाई को माँ को बेहेन को घर घर जाकर समझाना पड़ेगा .. की इसके अलावा और कोई समाधान नहीं है .. ये ये उत्तम अवसर है और सरी समस्याओ का समाधान है .. की islam इस धरती से साफ़ होना चाहिये ... और यह इतिहास बनेगा कल को आने वाले .. कल वो jitendra narayan tyagi ji हम सब के बीच में आएंगे .. ये मैंने ही प्रस्ताव रखा था की उनका साथ भी haridwar में होना चाहिए .. तो मेरा आपसे हाँथ जोड़ के नरम निवेदन है .. कल जब धर्म संसद चल रही हो तो ये hall तो भरा होना ही चाहिये .. अगर यहाँ बैठे हुवे एक एक को भी हम कल लेंगे .. ये तैय कर ले .. कल की धर्म संसद हम जरूर पहुंचेंगे .. तो एक व्यक्ति को भी एक व्यक्ति लेंगे .. hall तो निश्चित रूप से भर जाएगा .. और किसी ने ये प्रयास कर लिया की दो लाऊंगा .. मेरी इच्छा केवल hall तक नहीं है . सड़क तक लोग दिखाई देने चाहिये . क्यूंकि कल

Today, they are realizing this.. Let me tell you this, even the worst of people like there may be a famous thief.. but he does not want to be called a thief in his locality .. Their (muslims) truth has been exposed.. Even he doesn't want to live among terrorists and jihadis.

He will have to explain this to his family separately that there is no other solution.. this is the best opportunity and solution to all problems.. that Islam should be cleared from this earth...

It will be a historical day tomorrow when Jitendra Narayan Tyagi ji will come in the middle of all of us.. I had proposed that he should also be here in haridwar.. So I have a soft request to you with folded hands.. Tomorrow when the religious parliament will be going on, if everyone brings with themselves either one or two more people, then this hall won't be empty.. But my desire is not limited only to the hall.. People should be visible till the road.. Because tomorrow people in Haridwar will be informed about two crazy saints and some 50-60 great men have come to sacrifice themselves in order to save the society..

haridwar में जनता बननी चाहिए .. अरे यह दो पागल mahatma हैं ये 50-60 mahatma क्या कर के आये हैं .. ये केवल समाज को बचने के लिए अपनी पूरी आहुति देने के लिए आये हैं .. और इन्होंने परिवर्तन का काम शुरू कर दिया है .. और इसीलिए उस tyagi को भी कही उसके मन में कोई कमज़ोरी न रह जाए .. उसको कही ऐसा न लगे हम अपने को बीच में ले की हमको जो सम्मान मिलना चाहिए था वो नहीं मिला .. हम ये तैय कर ले उसको ये लगे .. की हमने हमरे बच्चो ने हमारे परिवार ने आज तक islam में रहते हुए गलती की थी .. वो गलती दुबारा हम नहीं करेंगे .. हमारा कोई आदमी दुबारा गलती नहीं करेगा .. ऐसा आभास करने की ज़िम्मेदारी हमारी है .. तो आप सब उस काम को करेंगे .. और इतना मेरा आपसे निविदन है और कल के बाद परसो धर्म संसद है .. ये धर्म संसद की पुनः इसमें चर्चा होने वाली है .. चर्चा इसलिए होने वाली है की हमने देखा की एक वक्त नहीं दो वक्त नहीं , एक दो वक्त ने तो कमाल नहीं कर दिया , और ऐसा लग रहा था .. की कही ऐसा इनके हाँथ में अस्त्र हो तो कही यह अस्त्र लेकर अभी से न यात्रा कर ले .. mahatma haridwar के .. ऐसे बोलते हैं .. इसका मतलब है अब कुछ रुकने वाला नहीं है .. चमत्कार हो गया है .. अब ये चलता रहेगा .. अब देखो भाई , हम अपने समाज की बुराई कर रहे हैं .. साधु , हमरे कमज़ोरी हैं .. और कमज़ोरी क्या है .. हमारा जो सब किस्सा चलता है .. इसी दक्षिणा से चलता है और कोई हमारा धंदा नाही हम व्यापारी नहीं हैं ...ये बात

And they started the work of change. and that's why even that tyagi, should not have any weakness in his heart, he doesn't feel he didn't get the respect he deserved..

He must feel that "we, our children, our family had made a mistake while living in islam till date.. we will not do that mistake again. None of our people will make this mistake again."

It is our responsibility to make him feel respected.. So all of you will do that work.. and this much is my request to you.. After tomorrow, there will again be a religious parliament.

It is going to be discussed again.. because we saw that one or two times have not done wonders. And it seemed that if there is such a weapon in their hands, then they will travel with their weapon from now on..says oOne Mahatma from Haridwar..it means nothing is going to stop now.. Miracle has happened.. Now it will continue..

Now look brother, we are speaking about the evil in our society.. Sadhus have a weakness.. and what is our weakness..

The Dakshina (money) we get for our stories is our only income. We don't have any other business.. We are not traders...

Though some of our saints have become businessmen.. but there are not more than two or four such saints..With conviction I say, there is no businessmen in this sitting on this stage.. These are the true saints... so look brother.. To each, dearer is their source of income, isn't it? The thing dearest to a sadhu is Dakshina (money).



अलग है की कुछ हमारे लोगो में भी व्यापारी बन गए है .. लेकिन वो दो चार ही ज्यादा नहीं है .. लेकिन ये जो mahatma बैठे है इनमे एक भी व्यापारी नहीं है .. ये पक्के सरे mahatma है .. तो देखो भाई .. हर एक तो अपना धंदा प्यारा होता है .. हमारा दक्षिणा से ही सारा काम चलता है .. तो दक्षिणा प्यारी होना तो स्वाभाविक ही है न .. जो सबसे ज्यादा प्रिये साधु होते है वो दक्षिणा होती है .. उसकी चिंता न करते हुवे भी उनको केवल आपकी चिंता है , मेरे हिन्दू की चिंता है इससे बड़ा और कोई सव्भाग्य नहीं है .

तो सभी संत चरणों के मैं पुनः दंडवार सबको प्रणाम करता हूँ .. नमन करता हूँ .. बंदन करता हूँ .. अभिनन्दन करता हूँ .. यहाँ सभी mahamadeleshwar, mandeleshwar, mahant, shri mahant, सारे पधारे , मैं किसी का एक व्यक्तिगत नाम न लेकर मई सभी को बरपन करता हूँ .. आपने धर्म संसद का .. मान बढ़ाया और ये मेरा नरम निवेदन है .. तीन दिन तक आप निश्चित रूप से इस धर्म संसद का मान बढ़ाएगे .. और जो अपने श्रोता है जो विभिन्न संगठनो से आये है .. संगठनो के कुछ प्रमुख लोग भी आये है न .. तो संगठन के प्रमुख रूप से आप लोग आये है .. तो आप सब को भी मेरा बहुत बहुत आशीर्वाद है . शुभकामनाये है .. इस वीजय यात्रा में नाम लिखने वाले आप ही होंगे .. विजय यात्रा तो प्रारम्भ हो गयी है .. विजय करके ही लौटेगी ..

मई बहुत ज्यादा न कहते हुवे , पुनः आपको , विजय का आशीर्वाद देते हुए ..

Not worrying about it, they only care about you. My saints are concerned for Hindus.. What else can be a greater fortune than this?

So I bow down again to all the saints feet.. I bow down.. I salute.. all the mahamadeleshwar, mahant, shri mahant, (saints), I won't take anyone's name and greet them all.. You raised the honor of Dharma Sansad.. And this is my soft request.. For three days you will definitely increase the respect of this parliament.. And listeners who come from different organizations. Some prominent people of these organizations have also come.. Best wishes to all.. You will be the first ones to write their name on this victory possession .. victory possession has started .. will return only after victory ..

Without saying much, again giving you the blessings of victory.. You are going to win the victory of religion over

आप अधर्म पर धर्म की विजय .. और असत्य पर सत्य की विजय .. और दानवता के ऊपर मानवता की विजय पुरे विश्व में आप करने जा रहे है .. ये उससे बड़ा उत्तम कार्य नहीं है .. इस कार्य की मैं आप सब को पुनः सुभकामनाये और आशीर्वाद देते हुवे .. अपनी वाणी को विराम दूंगा .. और मैं अंत में जाते हुवे

एक ही बात कहूंगा .. ये तीन दिन में .. हम साडी बात चिंता छोड़ कर के , अपने दोस्त मित्र को भी एक ही बात कहेंगे .. की भाई तीर्थ पर आजा .. और एक हज़ार गुनाह पुण्य तू भी लेजा .. ठीक है . इस मौके को आपलोग नहीं छोड़ेंगे .. जो phone करने वाला है उसको भी मौका देंगे .. और हम तो ये चाहते है .. बहार तक लोग चर्चा करे की क्या हो गया ..

और ये media वाले भी .. सोचने को मजबूर हो जाए .. की haridwar में ऐसा पहले कभी कुछ नहीं होता था .. अब कुछ होने लगा है ..

तो ये होने की जो संकेत जा रहा है ये बढ़िया उत्तम हो ... निश्चित होगा की हमलोगो की भी आहुति होगी .. के हमारा सौभाग्य हो .. ऐसे भावना के साथ .. आप सब तीन दिन इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और मैं आपको बहुत महत्पूर्ण अनुशासन नहीं तोडना .. आप सब कार्यकर्ता है .. भीड़ नहीं बुलाई है .. संगठनो के कार्यकर्ता हो .. तो अनुशासन ही संगठन है .. और बिना अनुशासन के वो एक भीड़ है .. और बता दूँ आपको की भीड़ परिवर्तन नहीं लाती .. अनुशासित

unrighteousness.. and victory of truth over untruth.. and victory of humanity over the demons in the whole world.. There is no better work than that.. I wish you all the best and blessings for this work.. I will stop my speech..

I will say the same thing at the end.. These three days.. we will stop worrying about everything else and say the same thing to our friends..and ask them to come to Teerth Yatra (religious journey).. You will not leave this opportunity .. We will give chance to the one who is about to call.. and we all want this .. till outside people should discuss what happened ..

And these media people too .. be forced to think .. that in haridwar nothing like this used to happen before.. now something has started happening..

so the signal that this is going, will be great... It will be certain that we will also be sacrificed so that we may be fortunate...

With such spirit .. all of you will participate in this program for the next three days and I will not let you break the discipline .. You are all workers .. You are not a crowd.. You are the workers of the organizations.. So discipline is organization. And without discipline, it is a crowd.. And let me tell you, crowds do not bring change. Disciplined workers bring the change.. The discipline that you showed today should be maintained..It is my prayer,

<p>कार्यकर्ता ही परिवर्तन लाता है .. तो जो आपने आज अनुशासन दिखाया उसी अनुशासन को आप बनाये रखेंगे .. ऐसे मेरी आप सब से विनती है , प्रार्थना है , आप सब बड़े शौभाग्यशाली है .. पुनः आशीर्वाद देते हुवे मैं अपनी वाणी को विराम दूंगा और एक बार ज़रा ज़ोर से जयघोष करेंगे ...</p> <p>Vande... Matram Vande... Matram Vande... Matram Vande... Matram</p> <p>*Chant continues*</p>	<p>you are all very lucky.. Bless you again.. I will conclude and once again I will shout out loud...</p> <p>Vande... Matram Vande... Matram Vande... Matram Vande... Matram</p> <p>*Chant continues*</p>
---	---